रांची, गुरुवार
02.07.2026
वर्ष : 11, अंक : 210, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

राज्य के पांच जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट

रांची। झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने 02 जुलाई को राज्य के पांच जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। राज्य के जिन जिलों के लिए चेतावनी जारी की गई है उनमें लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम शामिल हैं। इन क्षेत्रों में भारी बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार, 05 और 06 जुलाई को भी राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना बनी हुई है। इसे देखते हुए लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने, अनावश्यक रूप से खुले स्थानों पर नहीं जाने तथा वज्रपात के समय सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की अपील की गई है।

जपान की प्रधानमंत्री आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचीं

नई दिल्ली। जपान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बुधवार को तीन दिवसीय भारत की आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचीं। केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि यह दौरा भारत और जापान के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री ताकाइची का कल राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया जाएगा। इसके बाद वे हैदराबाद हाउस में परधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्ता करेंगी। वार्ता के बाद दोनों देशों के बीच समझौतों के आधान प्रदान और प्रेस वक्तव्य का भी कार्यक्रम तय है। दोपहर में जपानी नेता बिजनेस फोरम में भाग लेंगी और अगले दिन सुबह उनकी वापसी होगी।

छह वर्ष बाद सक्रिय होगा झारखंड राज्य सूचना आयोग, राज्यपाल ने चार नए सूचना आयुक्तों को दिलाई शपथ

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में करीब छह वर्ष बाद राज्य सूचना आयोग फिर पूरी क्षमता के साथ काम करने की दिशा में आगे बढ़ गया है। बुधवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने लोकभवन के दरबार हॉल में आयोजित समारोह में चार नवनियुक्त राज्य सूचना आयुक्तों अनुज सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल्य नीरज खलखो और शिवपूजन पाठक को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इन नियुक्तियों के साथ ही लंबे समय से ठप पड़ी आयोग की नियमित सुनवाई दोबारा शुरू होने की उम्मीद बढ़ गई है।

समारोह की शुरूआत राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार द्वारा राज्य सूचना आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी वारंट के वाचन से हुई। इसके बाद राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने क्रमवार सभी नवनियुक्त सूचना आयुक्तों को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया और राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सभी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।
शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, राज्यसभा सांसद बैजनाथ राम और महुआ माजी, राज्य सरकार में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित कई जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण के बाद राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने सभी नवनियुक्त सूचना आयुक्तों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।
चार नए सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के साथ झारखंड राज्य सूचना आयोग के नियमित कामकाज में तेजी आने की उम्मीद है। लंबे समय से लंबित मामलों की सुनवाई दोबारा शुरू होगी, जिससे सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत दायर हजारों अपीलों और शिकायतों के निस्तारण का रास्ता साफ होगा।
उल्लेखनीय है कि 8 मई 2020 को तत्कालीन प्रभारी मुख्य सूचना आयुक्त हिमांशु शेखर चौधरी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद आयोग में नियमित सुनवाई लगभग ठप हो गई थी। आयोग में पर्याप्त सूचना आयुक्त नहीं होने के कारण अपीलों और शिकायतों का निस्तारण प्रभावित हुआ। वर्तमान में आयोग में लगभग 25 हजार अपीलें लंबित हैं। इसके अलावा प्रतिदिन जिला स्तर से लगभग 100 ऑनलाइन और ऑफलाइन अपीलें प्राप्त होने से लंबित मामलों का बोझ लगातार बढ़ता गया।
झारखंड राज्य सूचना आयोग का गठन सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत राज्य सरकार ने 24 जुलाई 2006 को किया था। राज्य के पहले मुख्य सूचना आयुक्त सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति हरि शंकर प्रसाद बने थे। उन्होंने 30 जुलाई 2006 को पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की थी और 30 जून 2008 तक इस पद पर कार्य किया। उनके साथ नियुक्त अन्य छह सूचना आयुक्त जुलाई 2011 तक आयोग में कार्यरत रहे।
गौरतलब है कि राज्य सरकार के कार्मिक विभाग ने 10 जून को चार नए सूचना आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी अधिसूचना जारी की थी। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 15(3) के तहत अनुज सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल्य नीरज खलखो और शिवपूजन पाठक की नियुक्ति की गई थी।

राजस्थान के दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर ट्रक से टकराई बस, आठ की मौत

एजेंसी

दौसा। राजस्थान के दौसा जिले के कोलवा थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बुधवार तड़के खाली ट्रेलर से भीषण टक्कर के बाद स्लीपर यात्री बस में आग लग गई। इस हादसे में आठ यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 28 यात्री घायल हो गए। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की है।
दौसा पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के अनुसार हादसा मंगलवार-बुधवार दरमियान रात करीब 2:38 बजे कोलवा थाना क्षेत्र में हुआ। हंस ट्रेवल्स की स्लीपर बस (आरजे 11 डी 6565) और ट्रेलर (आरजे 01 जीई 0164) के बीच टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। बस में आग लगने से छह यात्री बुरी तरह जल गए, जबकि दो अन्य की दुर्घटना में लगी चोटों के कारण मौत हुई।

पुलिस के अनुसार हादसे के बाद मृत यात्रियों की शिनाख्त की गई, जिसमें इंदौर के बजरंग नगर निवासी भूमि भौर पुत्री भारत भौर (20), खरगोन जिले के बड़वाह निवासी प्रियंका पांडे पत्नी जितेन्द्र पांडे (35), दीपक पुत्र नन्नूसिंह तंवर (29), सीहोर जिले के रामपुरा कला निवासी दीपु पुत्र नरबत सिंह (60), इंदौर के अन्नपूर्णा नगर निवासी निर्मला पत्नी चंद्रप्रकाश गुप्ता, झाबुआ जिले के भूतखेड़ी निवासी धर्मसिंह पुत्र गुलसिंह (31), बस चालक तथा बस परिचालक कुलदीप हैं।
घायलों में मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले के मौजीवाड़ा निवासी कालू पुत्र बिजिया सिंहाड़ (39), इंदौर के सुदामा नगर निवासी स्वानंद गिररे पुत्र राजेश गिररे (25), बफार्नी धाम निवासी लीजा पुत्री महेश (22), बाणगंगा क्षेत्र निवासी प्रिंस सरोज पुत्र सुनील सरोज (22), खरगोन जिले के बड़वाह स्थित कस्तूरबा मार्ग निवासी नेहा पत्नी सन्नी (26) तथा उनकी पुत्री याशिका (3), आगर निवासी अनीता पत्नी सी.एम. सोनी (56), कुक्षी निवासी योगिनी पुत्री शैलेन्द्र पाटीदार (21), सीहोर जिले के भीलखेड़ी निवासी घीसूलाल पुत्र बलवंत सिंह (65), इंदौर निवासी माहिर मोटीने पुत्री मनीष (18) तथा प्रदीप पुत्र नरेन्द्र (26) हैं।
इसी प्रकार इंदौर के तुकोगंज क्षेत्र स्थित लाला की बगीची निवासी मिहिर पांचाल पुत्र कमल पांचाल, अंजली उर्फ मुस्कान पुत्री रघुनंदन और कनक पुत्री भगवानदास, सुदामा नगर क्षेत्र निवासी ईशा सिंह पुत्री हरदीप सिंह, उज्जैन रोड इंदौर निवासी अविनेश पुत्र अतुल कुमार यादव, इंदौर निवासी बीना पुत्री संजय केशरी, राजस्थान के सीकर जिले के नीमकाथाना निवासी शिखा पत्नी मनोज वर्मा, खरगोन जिले के ओंकारेश्वर निवासी सन्नी पुत्र नन्नूसिंह तंवर (24) और दिव्या पत्नी दीपक कंवर (24) भी घायल हुए हैं।
इसी प्रकार बड़वाह के दशहरा मैदान स्थित पटेल कॉलोनी निवासी जितेन्द्र पांडे पुत्र कृष्णपाल पांडे तथा उनके पुत्र अभिनव पांडे, ओंकारेश्वर निवासी हर्षित पुत्र संजय (6) और वंशराज पुत्र दीपक (7), इंदौर के मारुति नगर निवासी दिशा पुत्री संजय केशरी (19), इंदौर निवासी महक पुत्री महेश मोहिनी (22), उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के विनीत विहार फेस-2 निवासी मयंक तोमर पुत्र विवेक तोमर (27) तथा इंदौर के अन्नपूर्णा नगर निवासी चंद्रप्रकाश गुप्ता भी घायल हैं।
दौसा हॉस्पिटल के पीएमओ डॉक्टर आर के मीणा ने बताया कि 8 लोगों की मौत हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही हो गई थी। 13 लोगों की हालत अब भी गंभीर है।
सुमेरकला निवासी महेंद्र नागर ने कहा कि दुर्घटना के समय मौके पर न तो एंबुलेंस पहुंची और न ही फायर ब्रिगेड। उन्होंने कहा कि एंबुलेंस को सूचना उन्होंने स्वयं दी थी। उनके अनुसार यदि फायर ब्रिगेड समय पर पहुंच जाती तो आग पर जल्द काबू पाया जा सकता था।

डॉक्टरों की कड़ी मेहनत, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय चिकित्सक (डॉक्टर) दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को देशभर के चिकित्सकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके समर्पण, करुणा और सेवा भावना की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉक्टरों की कड़ी मेहनत, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी डॉक्टरों की अथक सेवा ने करोड़ों लोगों का विश्वास और आभार अर्जित किया है।
प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या दोगुने से अधिक हो गई है, जबकि स्नातक और स्नातकोत्तर मेडिकल सीटों में भी व्यापक वृद्धि हुई है। उनके अनुसार, इससे भावी डॉक्टरों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं, स्वास्थ्य क्षेत्र को अधिक सशक्त बनाने में मदद मिली है और देश के हर हिस्से तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।
प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण की दिशा में डॉक्टरों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि चिकित्सक निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने, चिकित्सा अनुसंधान को आगे बढ़ाने, नवाचार को अपनाने और सभी नागरिकों तक सस्ती एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में अहम योगदान देते रहेंगे।
केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री जेपी नड्डा ने भी देशभर के चिकित्सकों को शुभकामनाएं देते हुए चिकित्सा समुदाय की राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने अपनी अटूट निष्ठा, उत्कृष्ट पेशेवर क्षमता और मानवता के प्रति करुणामय सेवा भाव से समाज की अमूल्य सेवा की है।

डीआरआई ने 34 करोड़ रुपये मूल्य का 24 किग्रा सोना किया जब्त, 7 लोग गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने सीमा पार सोने की तस्करी करने वाले रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान डीआरआई ने 34 करोड़ रुपये मूल्य का 24 किलोग्राम विदेश से तस्करी किया गया सोना जब्त किया, जबकि सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है।
वित्त मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि डीआरआई ने विदेश से सोने की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी

कार्रवाई में, पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा के साथ संचालित एक सुव्यवस्थित सोने की तस्करी करने वाले गिरोह का सफलतापूर्वक पदार्फाश किया है।
मंत्रालय ने बताया कि खुफिया जानकारी पर आधारित एक अभियान के तहत डीआरआई के अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में कृष्णानगर से चकदाहा की ओर अलग-अलग मोटरसाइकिलों पर यात्रा कर रहे सात व्यक्तियों को रोका। पकड़े गए व्यक्तियों की तलाशी लेने पर विदेशी चिह्न वाले और विकृत किए गए सोने के 180 बिस्कुट बरामद हुए, जिन्हें उन्होंने पहचान से बचने के लिए कमर पर विशेष रूप से सिलवाए गए कपड़े के बेल्ट के अंदर चतुराई से छिपा रखा था।
वित्त मंत्रालय के मुताबिक डीआरआई के इस अभियान में करीब 24 किलोग्राम वजन और करीब 34 करोड़ रुपये मूल्य का विदेश से तस्करी किया गया सोना सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रावधानों के तहत जब्त किया गया। तस्करी अभियान में शामिल सभी 7 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।
डीआरआई के मुताबिक प्रारंभिक जांच से यह पता चला है कि वाहकों ने भारत-बांग्लादेश सीमा के पास के स्थानों से तस्करी किया हुआ सोना एकत्र किया था और इसे आगे वाहकों के एक अन्य समूह को सौंपने के लिए ले जा रहे थे।

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी, श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जम्मू बेस कैंप पहुंची

एजेंसी

जम्मू। वार्षिक अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने वाली है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु तवी नदी तट पर पहुंच चुके हैं, जहां यात्रा के लिए मौके पर ही पंजीकरण हो रहा है। अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने तीर्थयात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए पर्याप्त सुरक्षा और व्यवस्था की है। अपनी बारी का इंतजार करते हुए श्रद्धालु उत्साह से भरे हुए हैं और पवित्र गुफा मंदिर की यात्रा के लिए तैयार हैं।
पहली बार तीर्थयात्रा कर रहे एक श्रद्धालु ने कहा कि हम पहली बार

जा रहे हैं और बहुत खुश हैं। हमने यह यात्रा करने का पक्का इरादा कर लिया है। लंबी कतार में इंतजार करने के बाद हमारा एकमात्र लक्ष्य दर्शन करना है। अभी हमारी एकमात्र इच्छा बाबा के धाम पहुंचने की है। मैं वर्षों से जाना चाहता था और आज आखिरकार मुझे मौका मिल गया। बीकानेर के एक अन्य श्रद्धालु चंद्रशेखर चांगानी ने अमरनाथ तीर्थ बोर्ड की सुरक्षा और रसद व्यवस्था की भरपूर प्रशंसा की।
इस वर्ष 57 दिवसीय तीर्थयात्रा 3 जुलाई को अनंतनाग जिले के पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले के छोटे लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाले 14 किलोमीटर लंबे बाल्टल मार्ग से एक साथ शुरू होगी। यात्रा 28 अगस्त को रक्षा बंधन के त्योहार के साथ समाप्त होगी।

हमारा सबसे बड़ा मकसद स्वदेशी तरीकों का इस्तेमाल करके युद्ध जीतना होगा : आर्मी चीफ

एजेंसी

नई दिल्ली। नए सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ को कार्यभार संभालने के बाद बुधवार को पहला गार्ड ऑफ ऑनर साउथ ब्लॉक लॉन्स में दिया गया। इसके बाद उन्होंने अपने पिता लेफ्टिनेंट जनरल केएम सेठ (सेवानिवृत्त) और छोटे भाई रियर एडमिरल रविनीश सेठ को सैल्यूट किया। अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि हमारा सबसे बड़ा मकसद स्वदेशी तरीकों का इस्तेमाल करके युद्ध जीतना होगा। हम अपनी सीमाओं और उभरते खतरों के बारे में लगातार विजिलेंस बनाए रखेंगे और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किसी भी

चुनौती का असरदार तरीके से मुकाबला करने के लिए ऑपरेशनल रेडीनेस का हाई लेवल बनाए रखेंगे।
नेशनल डिफेंस एकेडमी, खड़कवासला के पुराने स्टूडेंट जनरल सेठ आर्म्ड कोर के पहले ऑफिसर हैं, जो 1997 में 20 लांसर्स के जनरल शंकर रॉय चौधरी के रिटायरमेंट के बाद आर्मी चीफ बने हैं। वे एक जाने-माने सैन्य परिवार से आते हैं। उनके पिता लेफ्टिनेंट जनरल केएम सेठ 1997 में आर्मी के एडजुटेंट जनरल के पद से रिटायर हुए थे, जब नए आर्मी चीफ खुद कैप्टन थे। उनके भाई रियर एडमिरल रविनीश सेठ भारतीय नौसेना में फ्लैग ऑफिसर के तौर पर कार्यरत हैं। जनरल सेठ को सैन्य क्षेत्र में जमीनी और ऑपरेशन पर फोकस करने वाले कमांडर के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने उसी भोपाल-बेस्ड 21 स्ट्राइक कोर को कमांड किया है, जिसे कभी उनके पिता लीड करते थे।
पदभार संभालने के बाद आर्मी चीफ जनरल धीरज सेठ ने कहा कि आज जब मैं भारतीय सेना के 31वें चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ का पद संभाल रहा हूं, तो यह मेरे लिए गर्व और विनम्रता का पल है। ड्यूटी, ऑनर और नेशन फर्स्ट के आदर्शों के प्रति पक्के कमिटमेंट के साथ मैं यह जिम्मेदारी स्वीकार करता हूं। मैं उन बहादुर सैनिकों को भी अपनी विनम्र श्रद्धांजलि देता हूं, जिन्होंने देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी हिम्मत, ड्यूटी के प्रति समर्पण और निःस्वार्थ समर्पण आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।
जनरल धीरज सेठ ने भारतीय सेना को तकनीक से चलने वाली भविष्य के लिए तैयार फोर्स बनाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना का नेतृत्व करना और 'ड्यूटी, ऑनर और नेशन फर्स्ट' के आइडियल्स के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराना 'गर्व और विनम्रता' की बात है। आर्मी चीफ ने कहा कि इस बदलते सुरक्षा माहौल की चुनौतियों से निपटने के लिए हमें नए जोश और पक्के इरादे के साथ सेना की आधुनिकता को आगे बढ़ाना होगा। हमारा मकसद प्रौद्योगिकी समर्थित भविष्य के लिए तैयार सेना बनाना है, जो हर तरह से सशक्त हो और कई डोमेन में काम करने में सक्षम हो। इन मकसदों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने कहा कि इनोवेशन हमारी सोच, ऑपरेशनल तरीकों और कैपेबिलिटी डेवलपमेंट का एक जरूरी हिस्सा होगा। इसके अलावा हम बदलते युद्ध क्षेत्र के हिसाब से ढलने के लिए जरूरी बदलाव लागू करेंगे।

नीट-पीजी 2026 परीक्षा 30 अगस्त को होगी, आवेदन प्रक्रिया शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। आयुर्विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) ने नीट-पीजी 2026 परीक्षा की अधिसूचना जारी कर दी है। देशभर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर कंप्यूटर आधारित (सीबीटी) मोड में यह परीक्षा 30 अगस्त को आयोजित की जाएगी। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया एक जुलाई शाम 5 बजे से शुरू होकर 21 जुलाई रात 11:55 बजे तक चलेगी।
एनबीईएमएस के अनुसार परीक्षा से संबंधित पात्रता मानदंड, शुल्क संरचना, परीक्षा योजना और अन्य विस्तृत जानकारी सूचना बुलेटिन में उपलब्ध है। सूचना बुलेटिन 1 जुलाई को शाम 4 बजे से वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया गया है।
जारी कार्यक्रम के अनुसार अभ्यर्थियों को उनके परीक्षा शहर की सूचना 11 अगस्त को दी जाएगी। वहीं, परीक्षा परिणाम 30 सितंबर तक घोषित किए जाने की संभावना है।
बोर्ड ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे आवेदन करने से पहले सूचना बुलेटिन को ध्यानपूर्वक पढ़ें और अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें। आवेदन की अंतिम तिथि बीतने के बाद किसी भी माध्यम से आवेदन स्वीकार करने का अनुरोध नहीं माना जाएगा।
एनबीईएमएस ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस बार परीक्षा शहर या परीक्षा केंद्र का आवंटन 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर नहीं किया जाएगा। यानी आवेदन जल्दी जमा करने से किसी विशेष राज्य, शहर या परीक्षा केंद्र के आवंटन में कोई प्राथमिकता नहीं मिलेगी।

मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में संजीव सरदार ने बांटी महिलाओं के बीच मच्छरदानी

बिभा संवाददाता

पोटका। प्रखंड के विभिन्न गांवों में फैल रहे मलेरिया संक्रमण को देखते हुए पोटका विधायक संजीव सरदार की पहल पर टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा बुधवार को हरिणा पंचायत के कोंदर गांव एवं पीएम श्री कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में कुल 100 मच्छरदानियों का वितरण किया गया। विधायक संजीव सरदार ने कोंदर गांव के 80 ग्रामीणों के बीच मच्छरदानियां वितरित कीं, जबकि शेष मच्छरदानियां कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं को उपलब्ध कराई गईं। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों और छात्राओं से मलेरिया से बचाव के उपाय अपनाने की अपील की मौके पर विधायक ने कहा कि वर्तमान में पोटका के कुछ गांवों में मलेरिया का संक्रमण फैला हुआ है। ऐसे में ग्रामीण अपने घरों के आसपास बरसात के पानी का जमाव नहीं होने दें और रात में सोते समय मच्छरदानी का नियमित उपयोग करें। उन्होंने कहा कि शाम के समय घरों के आसपास बेगना पत्ता जलाने से भी मच्छरों से बचाव में मदद मिलती है। साथ ही लोगों से साफ-सफाई बनाए रखने और आसपास का वातावरण स्वच्छ रखने की अपील की।

विधायक संजीव सरदार ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को बुखार या मलेरिया के अन्य लक्षण दिखाई दें तो वह बिना देरी किए निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग मलेरिया नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चला रहा है और गांवों में कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों का सहयोग करना प्रत्येक ग्रामीण की जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास जताया कि जनसहभागिता, समय पर जांच और बचाव के उपाय अपनाकर मलेरिया संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। इस अवसर पर टाटा स्टील फाउंडेशन के शिवशंकर कण्डेयांग, संजीत सरदार, रमेश सरदार एवं सर्वेश्वर सरदार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस मुरी शाखा ने मनाया चिकित्सक दिवस

बिभा संवाददाता

मुरीः राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के पावन अवसर पर मुरी के सहायक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जे. कच्छप को दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस, मुरी शाखा की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित किया गया।इस अवसर पर दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस मुरी शाखा के सचिव नितीश कुमार सिंह द्वारा डॉ. जे कच्छप को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।तत्पश्चात डॉ.जे कच्छप ने केक काटकर सभी उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की शुभकामनाएँ दीं।इस अवसर पर अस्पताल के सभी चिकित्सकों,नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ एवं समस्त अस्पताल कर्मियों को भी उनके समर्पण, सेवा और मानवता के प्रति योगदान के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं। डॉ. कच्छप ने अपने संदेश में कहा कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण में पूरे अस्पताल परिवार की टीम भावना,निष्ठा और सेवा को ही सबसे बड़ी शक्ति मानती है।दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस, मुरी शाखा ने समस्त चिकित्सकों एवं अस्पताल परिवार के प्रति अपना आभार व्यक्त किया और साथ ही उनके उत्तम स्वास्थ्य,दीघार्यु तथा निरंतर सेवा भावना की मंगलकामना दिया।

थाने से चंद कदम दूर टीवीएस शोरूम में लाखों की चोरी, सीसीटीवी का डीवीआर भी ले उड़े बदमाश

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के गालूडीह थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात चोरों ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए एक बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया। थाना से कुछ ही दूरी पर स्थित टीवीएस महावीर एंटरप्राइजेज शोरूम का ताला तोड़कर बदमाश अंदर घुसे और करीब 4.50 लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

जानकारी के अनुसार, चोर पूरी तैयारी के साथ शोरूम में पहुंचे थे। नकदी लेकर भागने से पहले उन्होंने वहां लगे सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर दिया और फुटेज सुरक्षित रखने वाला डीवीआर (हार्ड डिस्क) भी अपने साथ ले गए, ताकि पुलिस को घटना से जुड़े कोई इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य न मिल सकें।

बुधवार सुबह जब शोरूम संचालक महाराज प्रसाद गुप्ता को चोरी की जानकारी मिली तो उन्होंने तत्काल गालूडीह थाना प्रभारी अंकु कुमार को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के इलाकों में लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है और बदमाशों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। थाना के बेहद करीब स्थित प्रतिष्ठान में लाखों रुपये की चोरी होने की घटना ने स्थानीय लोगों को भी हैरान कर दिया है। लोगों का कहना है कि जब पुलिस थाना के सामने स्थित प्रतिष्ठान ही सुरक्षित नहीं है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा पर सवाल उठना स्वाभाविक है। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है और जल्द ही चोरों को गिरफ्तार करने का दावा किया है।

संक्षिप्त खबरें

बेड़ो थाना में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम: चार मामले आए, दो का मौके पर निष्पादन

बेड़ो(बिभा): रांची पुलिस के तत्वावधान में बुधवार को बेड़ो थाना परिसर में एक दिवसीय जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में थाना क्षेत्र से कुल चार मामले सामने आए। डीएसपी दीपक कुमार एवं थाना प्रभारी कफिल अहमद ने ग्रामीणों की शिकायतें गंभीरता से सुनीं। आपसी सहमति से दो मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया, जबकि शेष दो मामले जमीन विवाद से संबंधित पाए गए। संबंधित पक्षों को आवश्यक कागजात के साथ गुरुवार को पुनः उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। डीएसपी दीपक कुमार ने कहा कि समाधान की दिशा में जहां भी पुलिस की आवश्यकता होगी, वहां त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। थाना प्रभारी कफिल अहमद ने बताया कि यह कार्यक्रम झारखंड पुलिस की महत्वपूर्ण पहल है, जिससे पुलिस और ग्रामीणों के बीच आपसी विश्वास मजबूत होगा तथा अपराध नियंत्रण में भी सहायता मिलेगी। इस अवसर पर आरक्षी अवर निरीक्षक शौकत अली, एएसआई भानु प्रसाद समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

एनके क्षेत्र में मांग दिवस पर संयुक्त ट्रेड यूनियनों का प्रदर्शन, एनसीडब्ल्यूए-12 लागू करने की उठी मांग

खलारी(बिभा)। राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता (एनसीडब्ल्यूए-12) को शीघ्र लागू करने की मांग को लेकर बुधवार को मांग दिवस के अवसर पर एन.के. क्षेत्र की संयुक्त ट्रेड यूनियनों ने महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया।प्रदर्शन के बाद यूनियनों के प्रतिनिधिमंडल ने महाप्रबंधक को मांग-पत्र सौंपकर लंबित वेतन समझौते को जल्द अंतिम रूप देने की मांग की।कार्यक्रम में जनता मजदूर संघ, राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन (एचएमएस), इंटक, बिहार कोलियरी कामगार यूनियन, एटक तथा सीएमयू/सीटू के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान श्रमिकों ने वेतन समझौते में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की।संयुक्त ट्रेड यूनियनों के नेताओं ने कहा कि कोयला श्रमिक लंबे समय से एनसीडब्ल्यूए-12 के लागू होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन अब तक समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। इससे श्रमिकों में निराशा और असंतोष बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि समझौते में विलंब के कारण कर्मचारियों को संशोधित वेतन, भत्तों तथा अन्य देय सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।यूनियनों ने कोल इंडिया प्रबंधन और सभी संबंधित पक्षों से लंबित वार्ता को शीघ्र पूरा कर एनसीडब्ल्यूए-12 को तत्काल लागू करने की मांग की। उनका कहना था कि समय पर वेतन समझौता लागू होना श्रमिकों का अधिकार है और इसमें किसी प्रकार की देरी उचित नहीं है।संयुक्त ट्रेड यूनियनों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो श्रमिक हितों की रक्षा के लिए आंदोलन को और अधिक व्यापक एवं तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के उपरांत प्रतिनिधिमंडल ने महाप्रबंधक को मांग-पत्र सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा जताई।

डकरा क्षेत्रीय कार्यशाला से दो कर्मियों की सम्मानजनक विदाई

खलारी(बिभा)। डकरा क्षेत्रीय कार्यशाला में बुधवार को आयोजित एक सादे लेकिन गरिमामय समारोह में दो सेवानिवृत्त कोयला कर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। फिटर रामचंद्र राम और वेल्डर रामायण प्रसाद ग्वाला को उनके लंबे सेवाकाल एवं संस्थान के प्रति समर्पित योगदान के लिए अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ और स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।समारोह में परियोजना पदाधिकारी प्रत्युष प्रताप ने कहा कि किसी भी औद्योगिक संस्थान की मजबूती उसके कर्मियों की मेहनत, अनुशासन और निष्ठा पर आधारित होती है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने कार्य अनुभव और कार्यसंस्कृति के कारण हमेशा नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बने रहेंगे। उन्होंने दोनों कर्मियों के स्वस्थ, सुखद एवं सम्मानपूर्ण जीवन की कामना की।इस अवसर पर कार्यशाला के कर्मचारियों ने भी दोनों सेवानिवृत्त साथियों को उपहार भेंट कर उनके साथ बिताए कार्यकाल को याद किया और उनके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन कन्हाई पासी ने किया। समारोह में पेतरूष कुल्लू, मुनेश्वर मुंडा, विनोद महतो, राम परीखा राम, कृष्णा राम, तुलसी महतो, सहजाद अंसारी, लक्ष्मण पासी, संतोष विश्वकर्मा, कृष्णा नोनिया, छोटू नोनिया, रंजीत केशरी, जमूना महतो, राजीव सिंह, रामदेव मांझी, खुर्शीद अंसारी समेत क्षेत्रीय कार्यशाला के कर्मचारी उपस्थित थे।

हिमांशु हत्याकांड पर भाजपा का अल्टीमेटम, 48 घंटे में कार्रवाई नहीं हुई तो 3 को जमशेदपुर बंद

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। बिष्टुपुर में युवा हिमांशु सिंह की हत्या के बाद राजनीतिक माहौल लगातार गरमाता जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी जमशेदपुर महानगर ने इस मामले में प्रशासन को 48 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय के भीतर सभी आरोपियों की गिरफ्तारी और दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो 3 जुलाई को जमशेदपुर बंद किया जाएगा। इसके पहले 2 जुलाई को शहर के सभी मंडल क्षेत्रों में मशाल जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

बुधवार को भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में हुई हत्या ने शहर की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पार्टी का आरोप है कि जमशेदपुर में हत्या, लूट, चोरी, चाकूबाजी, अवैध नशे और अन्य आपराधिक गतिविधियों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे आम लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है।

भाजपा ने प्रशासन से मांग की है कि हिमांशु सिंह हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों को 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया जाए। साथ ही घटना के दौरान मौजूद पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की भूमिका की उच्चस्तरीय जांच कर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए। पार्टी ने यह भी मांग की कि मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराकर दोषियों को शीघ्र सजा दिलाई जाए और शहर में अपराध व अवैध गतिविधियों पर विशेष अभियान चलाकर कानून का राज स्थापित किया जाए।

मीडिया से बातचीत में भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक ओर सरकार नशा मुक्ति अभियान की बात करती है, वहीं दूसरी ओर शराब दुकानों की संख्या बढ़ाने और देर रात तक उन्हें खुला रखने जैसे फैसले लिए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण अपराधियों और नशे के कारोबारियों का मनोबल बढ़ा है।

संजीव सिन्हा ने कहा कि पुलिस की मौजूदगी में एक युवक की हत्या हो जाना प्रशासनिक विफलता का स्पष्ट उदाहरण है। उनका कहना था कि यदि अपराधियों में कानून का भय होता तो ऐसी घटना नहीं होती। उन्होंने दोहराया कि भाजपा हिमांशु सिंह को न्याय दिलाने और शहर में बेहतर कानून-व्यवस्था बहाल कराने के लिए आंदोलन जारी रखेगी।

उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन ने जनभावनाओं की अनदेखी की तो भाजपा जनता के सहयोग से व्यापक आंदोलन करेगी। पार्टी का दावा है कि 3 जुलाई का प्रस्तावित जमशेदपुर बंद पूरी तरह शांतिपूर्ण होगा, लेकिन इसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार और प्रशासन की होगी।

फरार आरोपी के घर न्यायालय का इश्तिहार चस्पा, आत्मसमर्पण नहीं करने पर होगी सख्त कार्रवाई

बिभा संवाददाता

खलारीः मैक्लुस्कीगंज थाना कांड संख्या 01/2025 के एक फरार अभियुक्त के खिलाफ न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने इश्तिहार चस्पा करने की कार्रवाई की।फरार अभियुक्त की पहचान अख्तर अंसारी के रूप में हुई है, जो चानहो थाना क्षेत्र के पंडरी गांव का निवासी बताया गया है।पुलिस के अनुसार, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) से संबंधित मामले में आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा है। न्यायालय से इश्तिहार निर्गत होने के बाद मैक्लुस्कीगंज थाना पुलिस ने चानहो थाना पुलिस के सहयोग से उसके पैतृक आवास पर पहुंचकर कानूनी प्रक्रिया पूरी की।कार्रवाई के दौरान स्थानीय ग्रामीणों और परिजनों की मौजूदगी में आरोपी के घर के मुख्य द्वार पर न्यायालय का इश्तिहार चस्पा किया गया। साथ ही गांव में ढोल-नगाड़ा बजाकर मुनादी भी कराई गई, ताकि आरोपी को न्यायालय में उपस्थित होने की सूचना सार्वजनिक रूप से दी जा सके।पुलिस ने कहा कि यदि आरोपी निर्धारित समय के भीतर न्यायालय में उपस्थित होकर आत्मसमर्पण नहीं करता है, तो उसके खिलाफ न्यायालय के निदेर्शानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुक्तेश्वर धाम हरिणा में बनेंगे कॉटेज, स्विमिंग पूल और चिल्ड्रेन पार्क, विधायक संजीव सरदार ने किया शिलान्यास

बिभा संवाददाता

पोटका : पोटका प्रखंड के मुक्तेश्वर धाम हरिणा मंदिर प्रांगण स्थित बायो डायवर्सिटी पार्क में पर्यटकों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से यहां कॉटेज, ट्री हाउस कॉटेज, स्विमिंग पूल एवं चिल्ड्रेन पार्क का निर्माण कराया जाएगा। बुधवार को पोटका विधायक संजीव सरदार ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं नारियल फोड़कर इस महत्वाकांक्षी योजना का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य मुक्तेश्वर धाम हरिणा को राज्य के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों में विकसित करना है।

विधायक ने बताया कि झारखंड सरकार द्वारा लगभग 24 करोड़ रुपये की लागत से बायो डायवर्सिटी पार्क का निर्माण कराया गया है, जिसका कार्य लगभग पूरा हो चुका है। अब पर्यटकों की सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए यहां 14 आधुनिक कॉटेज, चार ट्री हाउस कॉटेज, स्विमिंग पूल तथा बच्चों के मनोरंजन के लिए चिल्ड्रेन पार्क का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन सभी निर्माण कार्यों को अक्टूबर माह तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

विधायक संजीव सरदार ने कहा कि मुक्तेश्वर धाम हरिणा आज पूरे झारखंड का एक ऐतिहासिक धार्मिक एवं पर्यटन स्थल बन चुका है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। नई पर्यटन सुविधाएं विकसित होने के बाद झारखंड के साथ-साथ पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार एवं अन्य राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर आवास एवं मनोरंजन की सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार हरिणा को एक समग्र धार्मिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान बज्रांकन दंडपात, दीपंकर सीट, विकास पंडा, वनरक्षी किशोर सोरेन, कल्याण साहू, रविंद्रनाथ महतो, पुष्पा मुर्मू, शिवचरण हेम्ब्रम, निवास हेम्ब्रम, नवीन झा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

डालसा ने आयोजित किया वर्कशॉप फॉर स्टेक होल्डर्स ऑफ परमानेंट लोक अदालत पर जागरूकता कार्यक्रम

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर । नालसा एवं झालसा के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमशेदपुर के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में मंगलवार को व्यवहार न्यायालय कैंपस में वर्कशॉप फॉर स्टेक होल्डर्स ऑफ परमानेंट लोक अदालत पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि न्यायाधीश आनंदमणि त्रिपाठी, एडीजे 2 एवं विशिष्ठ अतिथियों में डालसा सचिव कुमार सौरभ त्रिपाठी, मध्यस्थ अधिवक्ता के के सिन्हा, स्थायी लोक अदालत के सदस्य गौतम घोष , नन्द जी सिंह , लीगल एड डिफेंस कौंसिल के चीफ विदेश सिन्हा एवं एलडीएम संजीव कुमार चौधरी मंच पर उपस्थित रहे ।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं नालसा सॉन्ग के माध्यम से किया गया । कार्यक्रम में उपस्थित न्यायायिक पदाधिकारियों ने स्थाई लोक अदालत के बारे में विस्तार से जानकारी दिया । इस दौरान बताया गया कि परमानेंट लोक अदालत एक विशेष और स्थायी वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र है । इसका मुख्य उद्देश्य आम जनता को जनोपयोगी सेवाओं से जुड़े विवादों का बिना किसी विलंब और खर्च के त्वरित और सस्ता समाधान प्रदान करना है । इसका गठन 'विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987' के अंतर्गत किया जाता है और सदस्य टीम में एक अध्यक्ष (जो सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारी होते हैं) और कानून या सार्वजनिक सेवाओं में अनुभवी दो अन्य सदस्य शामिल होते हैं ।

तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से सीसीएल कर्मी की मौत, नौकरी व मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम

पिपरवार(बिभा)। पिपरवार थाना क्षेत्र के चिरैयांटांड़झकिचटो मुख्य मार्ग पर बुधवार को तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से सीएचपी परियोजना में कार्यरत सीसीएल कर्मचारी गणेश महतो उर्फ भोला महतो की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया।आक्रोशित लोगों ने मृतक के शव को सड़क पर रखकर मुख्य मार्ग जाम कर दिया।प्रदर्शनकारी मृतक के आश्रित को सीसीएल में नौकरी,उचित मुआवजा और दोषी ट्रक चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं।घटना की सूचना मिलते ही पिपरवार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास कर रही है। समाचार लिखे जाने तक सड़क जाम जारी था और प्रशासन, सीसीएल प्रबंधन तथा प्रदर्शनकारियों के बीच वार्ता की कोशिशें चल रही थीं।

सिल्ली-मुरी थाना में जन शिकायत समाधान शिविर आयोजित

बिभा संवाददाता

सिल्लीः सिल्ली एवं मुरी ओ पी थाना परिसर में बुधवार के दिन संध्या 4 बजे सिल्ली पुलिस उपाधीक्षक के निदेर्शानुसार नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निवारण हेतु एक विशेष शिविर जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान सिल्ली थाना के अवर निरीक्षक रामदेव कुमार यादव ने नागरिकों द्वारा लाए गए शिकायतों एवं समस्याओं को ध्यान पूर्वक सुना और कुछ समस्याओं का मौके पर ही त्वरित समाधान किया और कुछ मामलों में उचित कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि जिन मामलों में जांच की आवश्यकता होगी उन्हें समय सीमा के साथ निस्तारित किया जाएगा।उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं,वरिष्ठ नागरिकों, एवं कमजोर वर्ग के लोगों की शिकायत पर शीघ्र ही पहल की जाएगी साथ ही भविष्य में भी नागरिकों की सहायता हेतु इस तरह का कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के तहत मुरी ओपी थाना में भी एक व्यक्ति के द्वारा भूमि विवाद का मामला लाया गया जिसका शीघ्र ही थाना के सहयोग से निष्पादन कर दिया गया।शिविर में नागरिकों ने भूमि विवाद, आपसी झगड़ा,साइबर फ्रॉड, यातायात संबंधी के साथ अन्य समस्या को लेकर पहुंचे थे।

डॉक्टर्स डे पर सदर अस्पताल की ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. प्रीति पांडे सम्मानित, निःस्वार्थ सेवा की सराहना

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : डॉक्टर्स डे के अवसर पर सामाजिक संस्था समर्पण, एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ वर्ल्ड एवं पंचायत प्रतिनिधियों के संयुक्त तत्वावधान में खासमहल स्थित सदर अस्पताल की ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. प्रीति पांडे को पुष्पगुच्छ, पौधा एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने डॉ. प्रीति पांडे द्वारा गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराने तथा पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ चिकित्सा सेवा देने की भूरि-भूरि प्रशंसा की। वक्ताओं ने कहा कि डॉक्टर प्रीति पांडे का सेवाभाव समाज के लिए प्रेरणादायी है और उनके मानवीय कार्य चिकित्सा पेशे की गरिमा को और ऊंचाई प्रदान करते हैं। सम्मान ग्रहण करने के बाद डॉ. प्रीति पांडे ने संस्था के पदाधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जरूरतमंद मरीजों की निःस्वार्थ सेवा करना उनका कर्तव्य और सबसे बड़ा उद्देश्य है। उन्होंने भविष्य में भी गरीब एवं असहाय मरीजों को अपनी सेवाएं निरंतर उपलब्ध कराने तथा सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर जनहित के कार्यों में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में संस्था की सचिव कुमुद शर्मा, मनीषा शर्मा, रिंकी कुमारी, एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ वर्ल्ड की प्रदेश महासचिव शशी आचार्या, पूर्वी सिंहभूम जिलाध्यक्ष रविंदर कौर, पंचायत प्रतिनिधि एवं उपमुखिया राकेश चौबे, पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, सामाजिक संस्था अस्तित्व की संस्थापिका मीरा तिवारी, समाजसेवी सोनी, तनु सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शिक्षकों को आवश्यकता पड़ने पर ही लगाएं एसआईआर अभियान में : के रवि कुमार

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के रवि कुमार ने स्पष्ट किया है कि राज्य में निर्वाचन सेवा से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की संख्या सीमित होने के कारण चुनाव एवं मतदाता सूची पुनरीक्षण जैसे कार्यों में अन्य विभागों के कर्मियों की भी प्रतिनियुक्ति करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का प्राथमिक दायित्व विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है, लेकिन इसके साथ ही प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करना भी लोकतंत्र की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

उन्होंने बुधवार को बताया कि विभिन्न जिलों से मिली सूचनाओं के आधार पर यह सामने आया है कि स्वयंसेवक के रूप में तैनात कुछ शिक्षकों को शिक्षण कार्य के साथ मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में बीएलओ की सहायता करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं कि शिक्षकों को केवल आवश्यकता पड़ने पर ही इस कार्य में लगाया जाए और उनकी भूमिका सहयोगात्मक रहे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि क्षेत्रीय दौरों के दौरान यह पाया गया कि कई पात्र नागरिक, विशेषकर प्रवासी मजदूर, आवश्यक पहचान दस्तावेजों के अभाव में अब तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं।

उन्होंने कहा कि मतदाता बनने के लिए भारतीय नागरिक होना, 18 वर्ष की आयु पूरी करना और संबंधित क्षेत्र का सामान्य निवासी होना पर्याप्त है। विशेष परिस्थितियों में सक्षम निर्वाचन पदाधिकारी सुनवाई के बाद भी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल कर सकते हैं।

उन्होंने स्वयंसेवकों की जिम्मेदारियां भी तय करते हुए कहा कि वे अनमैप्ड मतदाताओं की पहचान करने, पात्र नागरिकों का नामांकन कराने, बीएलओ-बीएलए-2 बैठकों का दस्तावेजीकरण करने, एएसडीडी सूची तैयार कराने, जागरूकता अभियान चलाने और क्षेत्र में आने वाली समस्याओं की जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने में सहयोग करेंगे। साथ ही उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि स्वयंसेवक किसी भी स्थिति में बीएलओ ऐप पर डेटा एंट्री या तकनीकी संचालन का कार्य नहीं करेंगे।

के रवि कुमार ने कहा कि यदि किसी बीएलओ पर अनुचित दबाव डाला जाता है, तकनीकी कठिनाई आती है या कोई अपात्र व्यक्ति गलत जानकारी देकर मतदाता बनने का प्रयास करता है, तो ऐसे मामलों की तत्काल सूचना एईआरओ, ईआरओ या जिला निर्वाचन पदाधिकारी को दी जाए, ताकि नियमानुसार जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उद्योग, व्यापार और निवेश पर झारखंड चैंबर प्रतिनिधिमंडल की चर्चा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफजेसीसीआई) के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान राज्य में उद्योग, व्यापार, निवेश और औद्योगिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक एवं रचनात्मक चर्चा हुई।

बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को राज्य के औद्योगिक और व्यावसायिक माहौल से अवगत कराते हुए निवेश को प्रोत्साहन देने, व्यापारिक गतिविधियों को मजबूत करने तथा उद्यमियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार साझा किए।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से जल्द ही एक राज्यस्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें राज्य के विभिन्न जिलों से उद्योगपति, व्यापारी, उद्यमी तथा व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और उद्योग एवं व्यापार के क्षेत्र में राज्य के समग्र विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

संक्षिप्त खबरें

एनटीपीसी और सीएमपीडीआई के बीच खनन सलाहकार सेवाओं के लिए हुआ एमओयू

रांची(बिभा)। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) ने को सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआई), कार्यालय रांची में सीएमपीडीआई के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया। इसके तहत कोयला और खनिज परियोजनाओं के विकास एवं परिचालन में तकनीकी सहयोग तथा सलाहकार सहायता के लिए तीन वर्षीय ढांचा स्थापित किया गया है। इसे परियोजना-विशिष्ट कार्य आदेशों (वर्क ऑर्डर्स) के माध्यम से क्रियान्वित किया जाएगा। यह समझौता ज्ञापन खनन मूल्य श्रृंखला के विभिन्न पहलुओं को शामिल करता है, जिनमें अन्वेषण (एक्सप्लोरेशन), खान परिचालन, परियोजना प्रबंधन, सर्वेक्षण और जीआईएस, पर्यावरण प्रबंधन, खान बंदी योजना (माइन क्लोजर प्लानिंग), कोल बेनेफिशिएशन, प्रयोगशाला परीक्षण एवं क्षमता निर्माण शामिल हैं। इसके साथ ही, इसमें उन्नत खनन प्रौद्योगिकियों को अपनाना और सतही और भूमिगत कोल गैसीफिकेशन के लिए सलाहकार सहायता, जिसमें व्यवहार्यता अध्ययन (फिजिबिलिटी स्टडीज), पायलट परियोजनाएं और वैधानिक स्वीकृतियां भी सम्मिलित हैं। इस सहभागिता का उद्देश्य एनएमएल की तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करना और उसकी कोयला एवं खनिज परिसंपत्तियों के सतत तथा आत्मनिर्भर विकास को समर्थन देना है। इस हस्ताक्षर समारोह में एनएमएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुब्रत कुमार दास, सीएमपीडीआई के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) चौधरी शिवराज सिंह, सीएमपीडीआई के निदेशक एवं दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मौके पर अधिकारियों ने दीर्घकालिक सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पुनः व्यक्त की।

चिकित्सक समाज को स्वास्थ और सुरक्षित रखने में निभाते हैं भूमिका : सीएस

रांची(बिभा)। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर बुधवार को सिविल सर्जन कार्यालय सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के चिकित्सकों को समाज के स्वास्थ्य संरक्षण में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में चिकित्सकों की सेवा, समर्पण और मानवता के प्रति उनके योगदान की सराहना की गई। इस अवसर पर सिविल सर्जन (सीएस) डॉ प्रभात कुमार ने कहा कि प्रत्येक वर्ष एक जुलाई को महान चिकित्सक और प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ विधान चंद्र रॉय की जयंती और पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सक केवल रोगों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि समाज को स्वस्थ और सुरक्षित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आपदा, महामारी और स्वास्थ्य आपातकाल के दौरान चिकित्सकों की सेवाएं प्रेरणादायी रही हैं। उन्होंने सभी चिकित्सकों से मरीजों के प्रति संवेदनशीलता, सेवा भावना और नैतिक मूल्यों के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का आह्वान किया।

पहली बार डूरंड कप की मेजबानी करेगा रांची, 26 जुलाई से बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में होंगे रोमांचक मुकाबले

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची पहली बार देश के प्रतिष्ठित डूरंड कप-2026 की मेजबानी करेगी। एशिया के सबसे पुराने और दुनिया के तीसरे सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट के 135वें संस्करण के लिए रांची को मेजबान शहर के रूप में चुना गया है। इसे झारखंड के खेल इतिहास और राज्य में फुटबॉल के बढ़ते विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

डूरंड कप-2026 का शुभारंभ 25 जुलाई से होगा, जबकि रांची में मुकाबलों का आयोजन 26 जुलाई से 16 अगस्त तक बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में किया जाएगा। यहां लीग चरण के कई रोमांचक मुकाबलों के साथ एक क्वार्टर फाइनल मैच भी खेला जाएगा, जिससे राज्य के फुटबॉल प्रेमियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की टीमों का खेल देखने का अवसर मिलेगा।

रांची में होने वाले मुकाबलों में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम जमशेदपुर एफसी, स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली, भारतीय वायुसेना फुटबॉल टीम तथा पहली बार डूरंड कप में भाग ले रही श्रीलंका सशस्त्र बलों की टीम डिफेंडर्स एफसी सहित कई टीमें अपनी चुनौती पेश करेंगी। इन टीमों की मौजूदगी से प्रतियोगिता का स्तर और प्रतिस्पर्धा दोनों ही आकर्षक रहने की उम्मीद है।

इस वर्ष डूरंड कप में कुल 24 टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता के मुकाबले कोलकाता, रांची, इम्फाल, शिलांग और गुवाहाटी में आयोजित किए जाएंगे। रांची को मेजबानी मिलने से झारखंड में फुटबॉल को नई पहचान मिलने के साथ स्थानीय खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को भी प्रेरणा मिलेगी। साथ ही राज्य में खेल अवसंरचना और खेल पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है।

डूरंड कप-2026 का फाइनल मुकाबला 23 अगस्त को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा। आयोजकों को उम्मीद है कि रांची में होने वाले मुकाबलों को लेकर खेल प्रेमियों में उत्साह रहेगा और बड़ी संख्या में दर्शक स्टेडियम पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे।

एसआईआर में एक भी एन्यूमरेशन फॉर्म न हो मिसप्लेस : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

रांची। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के सफल संचालन को लेकर बुधवार को समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विधानसभावार एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने और एक भी एन्यूमरेशन फॉर्म मिसप्लेस नहीं होने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (ईआरओ) को प्रतिदिन बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ ऑनलाइन बैठक कर कार्यों की समीक्षा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में एक भी एन्यूमरेशन फॉर्म मिसप्लेस नहीं होना चाहिए। साथ ही ईआरओ और एईआरओ को फॉर्म वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन की रैंडम मॉनिटरिंग करने तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा।

उपायुक्त ने बैठक में अनुपस्थित रहने पर रांची नगर निगम के एएमसी चंद्र दीप कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। बैठक में पंचायत भवनों एवं प्रखंड कार्यालय सभागारों में डिजिटाइजेशन कैंप आयोजित करने, वाई-फाई और चार्जिंग जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने और बीएलओ के सहयोग के लिए टैग किए गए शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में उप विकास आयुक्त संजय भगत सहित जिला प्रशासन और निर्वाचन विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

आईपीएस एहतेशाम वकारिब बने जमशेदपुर के एसएसपी, मनोज स्वर्गियारी को सरायकेला-खरसावां की कमान

रांची(बिभा)। झारखंड सरकार ने राज्य की पुलिस प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए दो वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। सरकार ने वर्ष 2015 बैच के आईपीएस अधिकारी एहतेशाम वकारिब को जमशेदपुर का नया वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नियुक्त किया है। इससे पहले वे सीआईडी में पुलिस अधीक्षक (एसपी) के पद पर कार्यरत थे। अब अगले आदेश तक वे जमशेदपुर जिले की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, धनबाद के झारखंड सशस्त्र पुलिस-3 गोविंदपुर के कमांडेंट वर्ष 2018 बैच के आईपीएस अधिकारी मनोज स्वर्गियारी को सरायकेला-खरसावां जिले का नया पुलिस अधीक्षक (एसपी) बनाया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफलता और आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में लापरवाही के कारण पूर्वी सिंहभूम जिले के एसएसपी पीयूष पांडेय और उनकी पत्नी सरायकेला-खरसांवा जिले की एसपी निधि द्विवेदी को उनके पद से हटा दिया था और उन्हें पुलिस मुख्यालय में योगदान देने का आदेश दिया गया था। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि राज्य में आम जनता की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी स्तर की लापरवाही या जवाबदेही से बचने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नए अधिकारियों की नियुक्ति को इसी दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नगर निगम ने पहली तिमाही में वसूले 48.02 करोड़ होल्डिंग टैक्स

बिभा संवाददाता

रांची। वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में रांची नगर निगम ने होल्डिंग टैक्स संग्रहण में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। निगम ने 1 अप्रैल से 30 जून 2026 के बीच कुल 48 करोड़ 2 लाख 39 हजार 390 का संपत्ति कर (होल्डिंग टैक्स) संग्रह किया। यह राशि 88,675 करदाताओं से प्राप्त हुई।

नगर निगम के अनुसार, 30 जून तक एकमुश्त होल्डिंग टैक्स जमा करने पर अधिकतम 10 प्रतिशत की विशेष छूट मिलने के कारण बड़ी संख्या में नागरिकों ने समय पर कर का भुगतान किया।

कर संग्रहण में डिजिटल भुगतान की भूमिका लगातार बढ़ रही है। पहली तिमाही में 27,267 करदाताओं ने ऑनलाइन माध्यम से 17 करोड़ 35 लाख 27 हजार 959 जमा किए। वहीं निगम मुख्यालय एवं डोरंडा अंचल के जन सुविधा केंद्रों के माध्यम से 11,525 करदाताओं ने ?5 करोड़ 44 लाख 80 हजार 144 का भुगतान किया। अन्य माध्यमों से प्राप्त राशि को मिलाकर कुल संग्रह 48.02 करोड़ तक पहुंच गया।

नगर निगम ने बताया कि होल्डिंग टैक्स से प्राप्त राजस्व का उपयोग शहर में सड़क, नाली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, स्वच्छता व्यवस्था तथा अन्य आधारभूत नागरिक सुविधाओं के विकास और सुदृढ़ीकरण में किया जाएगा।

नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने समय पर होल्डिंग टैक्स जमा करने वाले सभी नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि करदाताओं का सहयोग रांची के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि करदाताओं से प्राप्त प्रत्येक रुपये का उपयोग नागरिक सुविधाओं के विस्तार, स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने तथा शहर के समग्र विकास के लिए किया जाएगा। नगर निगम ने सभी नागरिकों से समय पर संपत्ति कर जमा कर शहर के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है।

भगवान महावीर आई अस्पताल एवं राउंडटेबल, लेडीज सर्कल द्वारा निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : भगवान महावीर हॉस्पिटल संस्थान की इकाई भगवान महावीर आई अस्पताल एवं राउंडटेबल इंडिया, लेडीज सर्कल के सहयोग से हातमा बस्ती कांके रोड रांची में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया ।

मोतियाबिंद से ग्रसित पाए गए सभी लोगों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा भगवान महावीर आई अस्पताल में मुहैया करवाई जाएगी। नेत्र जांच शिविर का आयोजन अध्यक्ष श्री संतोष जैन पाटनी, सचिव श्री पंकज सेठी, आई कमिटी के अध्यक्ष कमल विनाईक्या आदि के सहयोग से किया गया। राउंडटेबल रांची 244 के चेयमैन इलेक्ट संदीप खेमका, एरिया चेयरमैन इलेक्ट यश वर्धित सिंह, वाइस चेयरमैन इलेक्ट पौरुष जैन, सेक्रेटरी इलेक्ट अविराज अग्रवाल, पीयूष सरावगी, एरिया सेक्रेटरी आयुष मोदी, लेडीज सर्कल 169 की चेयरपर्सन इलेक्ट अंशु गुप्ता, नेहा खेमका, स्नेहा जैन, आदित्य अग्रवाल, संचित राजगढ़िया, संचित सिंघानिया, अंकिता धनधारिया, नितिका मोहता, साकार मोहता, हर्ष मोदी, अंकिता मोदी ने कैम्प का संचालन किया। बुधवार को शिविर का आयोजन किया गया जिसमे चालीस से अधिक लोगों ने अपने आँखो की जांच करवाई। भगवान महावीर हॉस्पिटल एवं रीसर्च सेंटर संस्थान, राउंडटेबल एवं लेडीज सर्कल की पहल पर यह कैम्प आयोजित किया गयो भगवान महावीर अस्पताल संस्थान के अध्यक्ष संतोष जैन पाटनी, सचिव पंकज सेठी है, उपाध्यक्ष गोविंद सरावगी एवं कमल विनाइकया है, सह सचिव रोहित जैन एवं अमित जैन है, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र छाबड़ा है। यह जानकारी पब्लिक रिलेशन के पौरुष जैन ने दी।

7वां झारखंड एक्सीलेंस अवार्ड का भव्य आयोजन आज, विशिष्ट विभूतियों का होगा सम्मान

बिभा संवाददाता

रांची। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया , झारखंड राज्य शाखा एवं रांची यूनिट द्वारा रांची विश्वविद्यालय के सहयोग तथा कुछ खास इवेंट्स के इवेंट मैनेजमेंट सहयोग से 7वाँ झारखंड एक्सीलेंस अवार्ड-2026 का भव्य आयोजन 2 जुलाई 2026 (गुरुवार) को अपराह्न 4:00 बजे आर्यभट्ट सभागार, रांची विश्वविद्यालय परिसर, मोराबादी, रांची में किया जाएगा।

इस प्रतिष्ठित समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड के महामहिम राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार होंगे, जो समाज, शिक्षा, साहित्य, सिनेमा, पत्रकारिता, खेल, चिकित्सा, रंगमंच, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल शिक्षा, सामाजिक नेतृत्व एवं जनसेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 17 विशिष्ट विभूतियों को झारखंड एक्सीलेंस अवार्ड-2026 से सम्मानित करेंगे।

समारोह में भारत सरकार के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसके अतिरिक्त झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह,पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो, रांची विधायक सी. पी. सिंह, राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, वरिष्ठ शिक्षाविद्, प्रशासनिक अधिकारी, उद्योगपति, न्यायविद्, खेल एवं सांस्कृतिक जगत की प्रतिष्ठित हस्तियाँ, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ एवं नागरिक इस गरिमामय समारोह के साक्षी बनेंगे।

इस वर्ष लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रो. गोपाल पाठक को सम्मानित किया जाएगा।

सिनेमा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए राजेश कुमार को एक्टिंग इन सिनेमा अवार्ड, साहित्य एवं कहानी लेखन के लिए पंकज दुबे को राइटर एंड स्टोरी टेलर अवार्ड, सामाजिक नेतृत्व एवं जनसेवा के लिए रांची की महापौर रोशनी खलखो को सोशल लीडरशिप एंड कम्युनिटी सर्विस अवार्ड, तथा खेल पत्रकारिता एवं एंकरिंग में उत्कृष्ट योगदान के लिए रिद्धिमा पाठक को स्पोर्ट्स एंकरिंग एंड ब्रॉडकास्टिंग अवार्ड प्रदान किया जाएगा।

स्वास्थ्य सेवा एवं शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. प्रेम कुमार, रंगमंच एवं साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए राकेश रमन, पत्रकारिता में उत्कृष्ट कार्य के लिए संजय मिश्रा, शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट नेतृत्व के लिए प्रो. (डॉ.) अजय कुमार चट्टोराज, डिजिटल शिक्षा एवं ऑनलाइन कंटेंट निर्माण के लिए साक्षी जैन, सौर ऊर्जा एवं सतत विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सुनील सूर्यांत, क्रिकेट में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए शुभ लक्ष्मी शर्मा, वुशु खेल में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों के लिए एल. प्लाटोदीप सिंह, तथा इवेंट मैनेजमेंट एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशांत सूरज को सम्मानित किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त उभरती प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वैशाली राज को पत्रकारिता के क्षेत्र में तथा राजू तिर्की को अभिनय के क्षेत्र में इमर्जिंग एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान किया जाएगा।

समारोह में देश के सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक एवं लेखक इम्तियाज अली को भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए फिल्ममेकिंग अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

झारखंड एक्सीलेंस अवार्ड का उद्देश्य उन व्यक्तित्वों का सम्मान करना है जिन्होंने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्टता का नया मानदंड स्थापित किया है, समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया है तथा झारखंड एवं भारत का गौरव राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया है। यह सम्मान समारोह युवाओं को प्रेरित करने तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों के प्रति समाज की कृतज्ञता व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

समारोह के दौरान यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों पर भी विशेष प्रकाश डाला जाएगा। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया देश का अग्रणी युवा संगठन है, जो पिछले कई दशकों से साहसिक खेलों, ट्रेकिंग, पर्वतारोहण, रॉक क्लाइम्बिंग, साइकिल अभियान, राष्ट्रीय एकता शिविर, व्यक्तित्व विकास, पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण एवं सामुदायिक सेवा जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से लाखों युवाओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, आत्मविश्वास, राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित कर रहा है।

झारखंड राज्य शाखा के युवा प्रत्येक वर्ष देशभर में आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय ट्रेकिंग अभियानों, हिमालयन एक्सपीडिशन, एडवेंचर कैंप एवं नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता कर राज्य का गौरव बढ़ा रहे हैं।

समारोह में राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षाविद्, न्यायविद्, उद्योगपति, चिकित्सक, साहित्यकार, कलाकार, खिलाड़ी, सामाजिक कार्यकर्ता, मीडिया प्रतिनिधि, विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राएँ तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहेंगे।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: 28-एसडीएसटीई-एएसएन-2026-27, दिनांक 30.06.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम/स्थान:** "आसनसोल मंडल-आसनसोल मंडल में अण्डाल-सांइथिया, देवघर-दुमका, मोहनपुर जंक्शन-हंसडीहा खंड में लेवल क्रॉसिंग गेटों का इंटरलॉकिंग जिसका टीवीयू 10000 से अधिक है और आसनसोल मंडल में अण्डाल-बाराबानी, अण्डाल/एलसी-बखतारनगर, मधुपुर-गिरिडीह खंड में लेवल क्रॉसिंग गेटों का इंटरलॉकिंग जिसका टीवीयू 10000 से अधिक है"। **निविदा मूल्य:** रु. 14,78,98,341.23, **बयाना राशि:** रु. 29,58,000/-, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** 22.07.2026 को 15.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: http://www.ireps.gov.in/**

ASN-158/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

बोकारो रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी के बड़े रैकेट का भंडाफोड़, हटिया-पटना एक्सप्रेस से 11 नाबालिग बच्चे रेस्क्यू, सरगना फरार

बिभा संवाददाता

बोकारो: बोकारो रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और चाइल्डलाइन की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मानव तस्करी का शिकार होने से 11 नाबालिग बच्चों को बचा लिया है। यह रेस्क्यू ऑपरेशन कल देर रात हटिया-पटना एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या: 18623) में चलाया गया। बचाए गए सभी बच्चों की उम्र 12 से 17 वर्ष के बीच है, जिन्हें पटना बिहार के होटलों में बाल मजदूरी के लिए ले जाया जा रहा था। हालांकि, अंधेरे और भीड़ का फायदा उठाकर बाल तस्करी गिरोह का मुख्य सरगना मौके से फरार होने में कामयाब रहा।

रेस्क्यू किए गए सभी 11 बच्चों को आरपीएफ द्वारा बाल कल्याण समिति (उहउ) बोकारो के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति के निर्देशानुसार, बच्चों को सुरक्षित रूप से बाल गृह (चास) सौंप दिया गया है। फिलहाल बाल गृह में बच्चों को उचित माहौल देकर उनसे पूछताछ की जा रही है और उनकी काउंसलिंग की जा रही है ताकि गिरोह के नेटवर्क का पता लगाया जा सके। इस सफल रेस्क्यू ऑपरेशन में आरपीएफ की ओर से किरण उरांव, लक्ष्मी कुमारी और राजेश कुमार के साथ-साथ चाइल्डलाइन से अरुण कुमार ने मुख्य भूमिका निभाई। इस घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए सहयोगिनी संस्था के समन्वयक तथा 'जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन' के कार्यकर्ता रवि कुमार राय ने कहा कि ₹विभिन्न ट्रेनों के जरिए अंतर्राज्यीय मानव तस्करी गिरोह लगातार बच्चों को अपना निशाना बना रहे हैं। हालांकि रेलवे सुरक्षा बल और जीआरपी द्वारा सघन जांच अभियान चलाया जाता है, लेकिन बच्चों को बाल तस्करी और बाल दुर्व्यवहार में धकेलने वाले इन गिरोहों पर त्वरित और कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की सख्त जरूरत है।₹ उन्होंने आगे बताया कि इस गंभीर समस्या को देखते हुए सहयोगिनी संस्था द्वारा पूरे बोकारो जिले में बाल तस्करी और बाल मजदूरी के खिलाफ व्यापक रूप से सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ताकि ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के बच्चों को सुरक्षित रखा जा सके।

चास नगर निगम का अतिक्रमण अभियान, दुकानदारों में नाराजगी

बिभा संवाददाता

बोकारो: चास नगर निगम द्वारा आज अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। बताया जा रहा है कि बीते दिन हुई भारी बारिश के कारण चास के विभिन्न इलाकों में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। नालियों का पानी सड़कों पर बहने लगा था, जिससे नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे थे। इसी को ध्यान में रखते हुए निगम ने चेक पोस्ट स्थित दुर्गा मंदिर के समीप अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान वहां स्थित होटलों और दुकानों को हटाया गया।

इस संबंध में अधिकारियों ने बताया कि अतिक्रमण के कारण नालियों का पानी बाधित हो रहा था और सड़कों पर फैल रहा था। अतिक्रमण हटाने के बाद नालियों की साफ-सफाई की जाएगी, जिससे जलजमाव की समस्या दूर होगी और मानसून के दौरान ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। अधिकारियों ने यह भी कहा कि यहां केवल अस्थायी रूप से दुकानें लगाई जा सकती हैं, जिन्हें दिन में लगाकर शाम तक हटा लेना होगा, लेकिन स्थायी दुकान लगाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

वहीं, कार्रवाई से नाराज दुकानदारों ने निगम पर मनमानी का आरोप लगाया। उनका कहना है कि वे गरीब तबके से आते हैं और उनकी रोजी-रोटी इसी दुकान पर निर्भर है। बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक कार्रवाई कर दी गई, जिससे उनकी आजीविका पर गहरा असर पड़ा है। दुकानदारों ने इसे गलत बताते हुए कहा कि इस कदम से उन्हें भारी नुकसान हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

एमजीएम स्कूल के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय ओलंपियाड में लहराया सफलता का परचम

बोकारो(बिभा): एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ बोकारो के विद्यार्थियों ने अखिल भारतीय हिंदी ओलंपियाड एवं जीके ओलंपियाड में सफलता का परचम लहराया। स्कूल के प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि अखिल भारतीय हिंदी ओलंपियाड में कक्षा छह की अनन्या एवं फरीहा अरशद ने स्वर्ण एव नेहा ने रजत पदक प्राप्त किया। कक्षा सातवीं के जय राजवंश, कक्षा आठ की लावण्या भारती व कक्षा नौवीं की रिया कुमारी ने स्वर्ण पदक अर्जित कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कक्षा दसवीं के पीयूष कुमार व अंश कुमार मंडल ने स्वर्ण पदक, रवि प्रकाश ने रजत पदक एवं साक्षी सिंह ने कांस्य पदक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इसी प्रकार सामान्य ज्ञान ओलंपियाड में कक्षा छह के अयान महतो ने स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय की उपलब्धियों में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ा। उन्होंने कहा कि आज के दौर में शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव जारी है। इसलिए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में सकारात्मक काम किया जा रहा है। शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थी विविध प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता हासिल कर रहे हैं। ऐसी उपलब्धि विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं विद्यार्थियों की प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर निखारने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उन्होंने सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया। विद्यालय परिसर ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डीपीएस चास में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की एक दिवसीय मोबाइल (चलंत) पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित

चास (बोकारो) (बिभा)। विद्यार्थियों में पुस्तकों के प्रति रुचि जागृत करने, नियमित अध्ययन की आदत विकसित करने तथा ज्ञान के व्यापक संसार से परिचित कराने के उद्देश्य से दिल्ली पब्लिक स्कूल, चास बोकारो में बुधवार को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (नेशनल बुक ट्रस्ट- एनबीटी) द्वारा एक दिवसीय मोबाइल पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में स्कूल समय के दौरान आयोजित होने वाली यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पुस्तक प्रेमियों के लिए ज्ञान, प्रेरणा और रचनात्मकता का अनूठा केंद्र बनी। इस प्रदर्शनी में बच्चों, किशोरों एवं शिक्षकों की रुचि और आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए हिंदी, अंग्रेजी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की सैकड़ों उत्कृष्ट पुस्तकें उपलब्ध थीं। इनमें बाल साहित्य, प्रेरक जीवनियाँ, विज्ञान, पर्यावरण, इतिहास, भारतीय संस्कृति, साहित्य, सामान्य ज्ञान, व्यक्तित्व विकास, भाषा कौशल, नैतिक शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें तथा अनेक रोचक एवं ज्ञानवर्धक प्रकाशन की पुस्तकें शामिल थीं। सभी पुस्तकें राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा अत्यंत किफायती मूल्य पर उपलब्ध कराई गई थीं। विद्यालय प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों के लिए कक्षा-वार समय निर्धारित किया गया था, ताकि प्रत्येक छात्र-छात्रा व्यवस्थित ढंग से प्रदर्शनी का अवलोकन कर सके। विद्यार्थियों ने अपनी रुचि एवं आवश्यकता के अनुसार पुस्तकें चुनकर खरीदीं। विशेष आकर्षण के रूप में प्रदर्शनी में उपलब्ध सभी पुस्तकों पर 10 प्रतिशत का विशेष छूट (डिस्काउंट) भी प्रदान किया गया था, जिससे अधिकाधिक विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें खरीद पाए।

ओएनजीसी बोकारो में स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ

बोकारो(बिभा)। ओएनजीसी सीबीएम परिसंपत्ति,बोकारो में स्वच्छता पखवाड़ा (01 जुलाई से 15 जुलाई तक) का उद्घाटन कार्यक्रम परिसंपत्ति प्रबंधक राजीव कुमार सिन्हा द्वारा शपथ लेकर किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत 01 जुलाई 2026 को परिसंपत्ति प्रबंधक द्वारा स्वच्छता शपथ लिया गया,जिसे उपस्थित कार्मिकों ने दुहराया।परिसंपत्ति प्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम कर पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया। इस अवसर पर स्वच्छता आधारित नुक्कड़ नाटक,सफाई अभियान ,सेल्फी एवं हस्ताक्षर अभियान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। ध्यातव्य हो कि ओएनजीसी सीबीएम परिसंपत्ति बोकारो द्वारा सीएसआर के तहत 01 जुलाई 2026 से 15 जुलाई 2026 तक अनवरत स्वच्छता आधारित कार्यक्रम ओएनजीसी के परिचालन क्षेत्र के विद्यालयों,गांवों,बाजार एवं अन्य जगह आयोजित किए जायेंगे। स्वच्छता आधारित कार्यक्रम में मुख्य रूप से परिसंपत्ति प्रबंधक श्री राजीव कुमार सिन्हा,प्रमुख -अभियांत्रिक सेवाएं एम के राय,प्रमुख - मानव संसाधन दयानंद कालुंदिया,सरफेस प्रबंधक बिपिन प्रसाद, असेट सपोर्ट मैनेजर सुश्री अनिता यादव, प्रमुख वित्त सेवाएं अक्षय कुमार, प्रभारी सीएसआर सुश्री डॉली कुमारी,सभी विभाग प्रमुख,अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉक्टर्स डे पर रोटरी क्लब चास ने 22 चिकित्सकों को किया सम्मानित

चिकित्सक भगवान का दूसरा रूप: बिरंची

बिभा संवाददाता

बोकारो। 1जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब चास द्वारा मेडिकेंट हॉस्पिटल परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं समर्पित सेवाएं प्रदान करने वाले 22 चिकित्सकों को प्रशस्ति पत्र एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि चिकित्सक समाज के लिए भगवान का दूसरा रूप हैं। वे अपने ज्ञान, सेवा और समर्पण के माध्यम से लोगों को नया जीवन प्रदान करते हैं। विशिष्ट अतिथि श्रीमती नीना नारायण ने कहा कि डॉक्टर का कार्य सैनिक की तरह है। वे हमारी रक्षा में लगे रहते हैं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ श्रवण कुमार ने कहा कि डॉक्टर्स डे समाज के प्रति चिकित्सकों के योगदान को सम्मान देने का अवसर है। आयुर्वैदिक डॉक्टर यशस्विनी के अलावा मेडिकेंट के डॉ पीके नायक, डॉक्टर पी पुष्कर, डॉक्टर राहुल राज,डॉक्टर अमित कुमार, डॉक्टर जी शाहा, डॉक्टर शिव शंकर, डॉ जफर इकबाल, डॉक्टर फरहान रोजाना, डॉक्टर पी वर्धन, डॉ आलोक कुमार, डॉ अमित कुमार, डॉ विवेक कुमार, डॉ विशाल मिश्रा, डॉ चंदन सेठ,डॉ रवि रंजन, डॉ नम्रता सिंह, डॉ श्रवण कुमार के अलावा डॉ संजीव कुमार, डॉ सुमन कुमार, डॉ पुष्पा कुमारी को सम्मानित किया गया। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने कहा कि डॉक्टरों की निस्वार्थ सेवा और मानवीय संवेदनाएं समाज को स्वस्थ एवं सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। क्लब के सचिव बिनोद चोपड़ा ने सभी सम्मानित चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रोटरी क्लब आगे भी समाजसेवा एवं स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। कार्यक्रम में सम्मानित चिकित्सकों को अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की गई। समारोह में रोटरी क्लब चास के संजय बैद, कुमार अमरदीप विपिन अग्रवाल,बिनय सिंह, पूजा बैद, ललिता चोपड़ा, संजय रस्तोगी, शैल रस्तोगी, ज्योति अग्रवाल,पूर्वी केजरीवाल, नेहा अग्रवाल, सिद्धार्थ पारख, अशोक तनेजा, अशोक जैन पी ए जकारिया एवं चिकित्सा जगत से जुड़े अनेक लोग उपस्थित थे।

तांतरी में स्नान घाट और नाली निर्माण शुरू

बोकारो। जरीडीह प्रखंड तांतरी उत्तर पंचायत के धोवाटांड गांव के जोरिया में स्नान घाट बनाने का काम जोरों पर हो रहा है। बुधवार को मुखिया गिरिन्द्र मिश्रा ने कार्य स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इसके साथ साथ मंडल टोला में पीसीसी नाली निर्माण का काम चल रहा है। सभी काम 15 वें बित्त आयोग की राशि से हो रहा है। पंचायत के पूर्वी क्षेत्र में ग्रामीण खेल का मैदान बनाने की मांग कर रहे हैं। मैदान बनाने के लिए विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह ने डीएमएफटी मद से बनाने का आश्वासन दिये हैं। मौके पर महानंद मल्लाह , दयाशंकर ठाकुर , संजय महतो , उमेश ठाकुर आदि मौजूद रहे।

जैनामोड़ में पेट्रोल पंप के पास जेवर दुकान संचालक से पिस्टल दिखाकर 1.25 लाख की लूट

बिभा संवाददाता

बोकारो (जैनामोड़)। बीती रात लगभग 9:15 बजे जैनामोड़ स्थित त्रिपाठी पेट्रोल पंप के समीप मां आभूषणालय के संचालक रंजीत बरनवाल से हथियारबंद पांच बदमाशों ने पिस्टल दिखाकर लगभग 1,25,000 रुपये की डकैती कर ली। दुकान बंद कर घर लौट रहे रंजीत को गीता स्टोर गली के पास रोककर एक बदमाश ने पिस्टल घोंपने की नीयत दिखाई और डंडे से हमला कर नकदी के साथ दुकान की बही-खाता व चाबियों से भरा बैग छीन लिया।

घटना की जानकारी मिलने पर जरीडीह थाना प्रभारी बिपिन चंद्र महतो तुरंत दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और आसपास की कई दुकानों के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल पर साक्ष्य जुटाने के साथ आस-पास के रास्तों व संभावित फरार रूट की तलाशी ली। जैनामोड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष संजय सिंह ने इस घटना की निंदात्मक टिप्पणी की और प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हथियारबंद बदमाशों की 24 घंटे के भीतर गिरफ्तारी नहीं हुई तो पूरा जैनामोड़ बाजार बंद कर व्यापक आंदोलन किया जाएगा। व्यापारियों में सुरक्षा को लेकर भारी चिंता और आक्रोश फैल गया है। पुलिस ने कहा है कि मामले की गहनता से जांच जारी है और संदिग्धों की पहचान व गिरफ़्तारी के लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं। स्थानीय जनता ने भी मांग की है कि बाजार व दुकानों की सुरक्षा के लिए निगरानी बढ़ायी जाए तथा सीसीटीवी फुटेज की तत्काल समीक्षा कर अपराधियों तक पहुंचा जाए।

स्वर्णालिका ज्वेलर्स एंड साड़ीज में धूमधाम से मनाया गया डॉक्टर्स डे

बिभा संवाददाता

बोकारो। स्वर्णालिका ज्वेलर्स एंड साड़ीज में बुधवार, 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस (डॉक्टर्स डे) धूमधाम व सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में शहर के जाने-माने चिकित्सकों को उनके समर्पण और सेवा के लिए सम्मानित कर आभार प्रकट किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई, उसके बाद केक काटकर डॉक्टर्स डे मनाया गया। उपस्थित चिकित्सकों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की गई। आयोजन स्थल पर मौजूद माहौल गरिमा और कृतज्ञता से भरपूर रहा। स्वर्णालिका ज्वेलर्स एंड साड़ीज के संचालक संजय रस्तोगी, शिखर रस्तोगी एवं आदर्श रस्तोगी ने सभी चिकित्सकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि डॉक्टर केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का सर्वोच्च माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों के ज्ञान, समर्पण और अथक परिश्रम से समाज को बेहतर स्वास्थ्य मिलता है तथा समाज उनके योगदान के प्रति हमेशा ऋणी रहेगा।

आयोजन के अवसर पर दुकानदारों की ओर से विशेष ऑफर भी घोषित किए गए। डॉक्टर्स डे पर खरीदारी करने पर तीन हजार तक की छूट दी जाएगी, और डायमंड में दो लाख रुपये से अधिक की खरीदारी पर सोने का सिक्का मुफ्त प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम में शामिल प्रमुख चिकित्सकों में डॉ. पंकज, डॉ. वर्मा, डॉ. आर. के. पाठक, डॉ. अंजू परेरा, डॉ. ललित किशोर, डॉ. निकेत, डॉ. आर. एन. चौरसिया, डॉ. ईशा, डॉ. सुजीत परीरा, डॉ. प्रशांत किशोर, डॉ. पूजा, डॉ. धीरेंद्र, डॉ. अनिकेत एवं डॉ. उन्नीथन शामिल थे। स्वर्णालिका ज्वेलर्स एंड साड़ीज परिवार ने उपस्थित चिकित्सकों का धन्यवाद करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नौ साल के बच्चे को पिकअप ने घसीटा, परिजन और ग्रामीणों ने पकड़ा, बाबत गाड़ी व चालक पुलिस के कब्जे में

बोकारो : देर रात को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में नौ साल का बच्चा अंकुर कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना सेक्टर 4 थाना क्षेत्र के जगरनाथ मंदिर के पास स्थित मैरेज हॉल के बाहर हुई। परिजनों के अनुसार, एक पिकअप वैन बच्चे को टक्कर मारते हुए उसे वाहन के नीचे फंसा कर लगभग 5 किलोमीटर तक घसीटते हुए हरला थाना क्षेत्र के सेक्टर 8 स्थित सिवान मोड़ तक ले गई।

हादसे के बाद घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने गाड़ी चालक का पीछा कर उसे पकड़ा और हंगामा शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों व परिजनों की शिकायत तथा भीड़ के दबाव में मौके पर पहुंची पुलिस ने चालक व पिकअप को जब्त कर लिया। घायल बच्चे को स्थानीय लोगों ने बोकारो जेनरल अस्पताल में भर्ती कराया है जहाँ उसका इलाज चल रहा है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

परिजनों ने कहा कि वे राजधन्वर से रिश्तेदार के यहाँ शादी समारोह में आए थे। जगरनाथ मंदिर के पास चलते समय अचानक पिकअप वैन ने अंकुर उम्र लगभग 9 को टक्कर मारी। परिजन आरोप लगाते हैं कि चालक वाहन रोकने की बजाय और तेजी से चलाता गया, जिस कारण बच्चा वाहन से फंसा रहा और करीब पांच किलोमीटर तक घसीटा गया। स्थानीय लोगों के साथ मिलकर परिजन और उपस्थित लोग गाड़ी व चालक को रोककर स्थानीय थाने के हवाले कर दिया।

बोकारो जेनरल अस्पताल में बच्चे का इलाज जारी है और परिजन घटनास्थल पर जुटे हुए लोगों के साथ प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं। पुलिस ने कहा कि घटना की गंभीरता को देखते हुए जल्द ही मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस और चार्टर्ड एकाउंटेंट्स दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

सफलता का आधार है विद्यालय की शिक्षा : डॉ. सतीश कुमार

बिभा संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो में 1 जुलाई, बुधवार को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस और चार्टर्ड एकाउंटेंट्स दिवस के अवसर पर खास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बोकारो जिले के दिग्गज चिकित्सकों और फाइनेंस से जुड़े लोगों ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया और उनके भविष्य के आयामों के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि चिकित्सा जगत से डॉ. सतीश कुमार - चेयरमैन वेलमार्क अस्पताल, डॉ. अनिंदा मंडल - सीएमओ बीजीएच बोकारो, डॉ. मनीषा सिन्हा - निदेशक दंता अस्पताल बोकारो, डॉ. अभय कुमार सिन्हा - दंता अस्पताल और डॉ. राकेश कुमार - निदेशक लाइफलाइन अस्पताल बोकारो उपस्थित रहे। फाइनेंस के विषय पर चर्चा करने के लिए निर्मल कुमार - सीजीएम फाइनेंस बोकारो स्टील प्लांट और सीए आरपी गोयनका उपस्थित रहे। साथ ही, विद्यालय प्रबंधन के सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार और उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा उपस्थित रहे।

विद्यालय की चिकित्सा विभाग की श्रीमती रागिनी कुमारी ने कार्यक्रम की शुरूआत की और सभी विद्यार्थियों को उपस्थित अतिथियों के बारे में जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस और चार्टर्ड एकाउंटेंट्स दिवस के बारे में भी जानकारी दी। विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सफल व्यक्तित्व के लोगों से उनके मेहनत के बारे में जानना चाहिए और उससे प्रेरणा लेकर खुद के जीवन में आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सा और वित्त की दुनिया से जुड़े लोगों के कारण ही देश भी विकास के पथ पर प्रगतिशील है।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. सतीश कुमार ने कहा कि किसी भी प्रतियोगी भविष्य की तैयारी से पहले खुद की जड़ें मजबूत कर लें। सफलता का आधार विद्यालय की शिक्षा है। उन्होंने कहा कि हमदर्दी और सहानुभूति की भावना सबसे पहले हर विद्यार्थी के अंदर होनी चाहिए। इससे कई मुश्किलें आसान हो सकती हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को सफल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

डॉ. अनिंदा मंडल ने कहा कि भविष्य में किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए सबसे पहले एक अच्छा इंसान बनना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में सफलता का मूल मंत्र विनम्रता है।

डॉ. मनीषा सिन्हा और डॉ. अभय कुमार सिन्हा ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि एक चिकित्सक का जीवन सबसे बेहतर जीवन होता है क्योंकि चिकित्सक के कारण दूसरों के चेहरे पर खुशी आती है। उन्होंने कहा कि समाज के लिए सबसे बड़ी सेवा चिकित्सा ही करते हैं।

डॉ. राकेश कुमार ने विद्यार्थियों को चिकित्सक बनने या चिकित्सा से जुड़े अन्य क्षेत्रों में अपना भविष्य संवारने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने डॉ. बिधान चंद्र रॉय को भी याद किया और बताया कि कैसे उनका जीवन सभी के लिए मिसाल है।

इसके बाद निर्मल कुमार ने विद्यार्थियों के साथ चर्चा की और उनके सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यक्षेत्र में वित्त की जरूरत होती है और फाइनेंस सेक्टर में भविष्य की असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया और बेहतर करने के लिए उत्साहित किया। सीए आरपी गोयनका ने विद्यार्थियों के साथ अपने जीवन के अनुभव साझा किए और कहा कि विद्यालय जीवन में पूरी मेहनत से प्रयास करने का फल भविष्य में जरूर मिलता है।

आदिवासी सेंगेल अभियान ने सिदो मुर्मू-कान्हु मुर्मू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाया हुल दिवस

बिभा संवाददाता

बोकारो। आदिवासी सेंगेल अभियान की ओर से कल मंगलवार को चंदनकियारी प्रखण्ड के पंचायत पश्चिम मोहोल, गांव गहरा में संताल हूल 171 वां दिवस पर चंदनकियारी प्रखंड सेंगेल परगना भुटेल टुडू के नेतृत्व में सिदो मुर्मू- कान्हु मुर्मू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर हुल दिवस मनाया गया एवं सेंगेल एकता प्रार्थना ग्रहण किया गया। मौके पर चंदनकियारी प्रखंड सेंगेल अध्यक्ष राजेश मुर्मू ने कहा कि 30 जून 1855 को ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ महान वीर शहीद सिदो मुर्मू के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक संताल हूल का 171 वां हूल दिवस मनाते हुए हम आदिवासी सेंगेल अभियान की ओर से आदिवासी समाज हित में भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मांग करते है कि भारत के लगभग 15 करोड़ आदिवासी जो अधिकांश आदिवासी हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई आदि नहीं हैं, प्रकृति पूजक हैं। उनको स्वतंत्र धार्मिक मान्यता अर्थात सरना धर्म कोड प्रदान किया जाएं।

मौके पर पश्चिम मोहोल सेंगेल परगना बबलू बास्के, गहरा विलेज सेंगेल टावर निलीमा हेम्बरम, श्यमोली बास्के, सुनिता किस्कू, मेनका मुर्मू,रानी हेम्बरम,सीमा टुडू, भारती मार्डी, जेके, हेम्बरम, फूलचंद हेम्बरम, बिक्रम बास्के आदि लोग मौजूद थे।

भूमि विवाद में हुई हत्या मामले में पुलिस ने आठ को किया गिरफ्तार

प्रकाश पटवारी

रामगढ़: कहावत हैं बच्चा जब तक रोता नहीं है मां भी दुध नही पिलाती उसे चरितार्थता का ताजा मामला भूमि विवाद में हुई एक कि हत्या इस एक हत्या से कई परिवारों में संकटों का पहाड़ टूटा होगा। एसे ही बहुत से मामले जिला प्रशासन के संज्ञान में होंगे जिसमें त्वरित कार्रवाई कि आवश्यकता है। एसे भूमि मामले को उलझाने व असामाजिक तत्वों को बढ़ावा देने में अंचल कार्यालयों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। जिसका प्रमाण है 30 जून कि ह्रदयविदारक धटना। धटना कि गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर सात आरोपियों को गिरफतार कर लिया है।

इस संबंध में आज पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि दिनांक - 30.06.2026 को ग्राम- बलसगरा में सुबह करीब 08.40 बजे माण्डू थाना को सूचना प्राप्त हुई, जिसमें पूर्व के 11 डी0 जमीनी विवाद को लेकर एक पक्ष के कुछ लोगों के द्वारा एक व्यक्ति जिनका नाम बालेश्वर पटेल, पिता- ननकु महतो, सा०- रबोध, थाना- माण्डू, जिला - रामगढ़ के निवासी हैं जो वर्तमान में गिरीडीह जिला मे सब-रजिस्ट्रार के पद पर रजिस्ट्री कार्यालय में पदस्थापित हैं, के साथ मार-पीट की घटना कारित की जा रही है। सूचना मिलते ही माण्डू थाना द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए तुरंत घायल व्यक्ति को प्राथमिक

उपचार हेतु होप हॉस्पीटल रामगढ़ पहुँचवाया गया, जहाँ उन्हें ईलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया गया। एसपी ने बताया कि मृतक के पत्नी के द्वारा दिये आवेदन पर सुसंगत धाराओं में माण्डू थाना काण्ड सं0 - 151 / 2026, दिनांक- 30.06.2026 प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान के क्रम में एफएसएल राँची के द्वारा घटनास्थल से साक्ष्य संकलन किया गया। घटना के गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के निर्देशन में अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, रामगढ़ के नेतृत्व में काण्ड में संलिप्त अभियुक्तों की पहचान एवं गिरफ्तारी हेतु विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा छापामारी कर त्वरित कार्रवाई करते हुए इस काण्ड में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु मानवीय असूचना, स्थानीय लोगों से पुछताछ एवं घटना से संबंधित प्राप्त विडियो फुटेज के आधार पर अवलोकन करते हुए अबतक घटना में संलिप्त कुल सात अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया तथा न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। काण्ड अनुसंधान अंतर्गत है । गिरफ्तार व्यक्तियों में संतोष कुमार साव उर्फ पम्पम, उम्र 35 वर्ष, रामू साव उर्फ ज्ञानी, उम्र- 72 वर्ष, शकुन्तला देवी, उम्र 60 वर्ष, पति - रामू साव, रूबी कुमारी, पति- संतोष कुमार साव, चारो सा०- हुवाग, थाना- माण्डू, जिला - रामगढ़, विनय कुमार, उम्र 24 वर्ष, पे०- नन्दु प्रसाद, सा०- पत्थरा, थाना- मयूरहंड, जिला- चतरा, पूजा कुमारी, उम्र- 36 वर्ष, पति- संदीप कुमार, सा०- सुभाष कॉलोनी, मानगो, थाना- मानगो, जिला- जमशेदपुर, लक्ष्मी देवी उर्फ डोली कुमारी, उम्र 25 वर्ष, पति- बसंत अग्रवाल, सा०- बगदारा, कानाटाँड़, थाना- राजगंज, जिला - धनबाद सामिल है।

पुलिस ने घटना में प्रयुक्त खुन लगा ईंट का टुकड़ा, घटना में प्रयुक्त खुन लगा बाँस का डंडा जब्त कर लिया है। छापामारी दल में पु०नि० रजत कुमार, माण्डू अंचल । पु०अ०नि० सदानन्द कुमार, थाना प्रभारी, माण्डू थाना, दीपक कुमार, ओ०पी० प्रभारी, वेस्ट बोकारो। पु०अ०नि० आशुतोष कुमार सिंह, ओ०पी० प्रभारी, कुज्जू ।राम महली, माण्डू थाना, दामोदर राम, माण्डू थाना व अन्य महिला / पुरुष सशस्त्र बल शामिल थे।

अब गांवों में बनेगा ड्राइविंग लाइसेंस, 25 सितंबर तक जिलेभर में लगेंगे विशेष शिविर

बिभा संवाददाता

लातेहार: ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अब ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए जिला मुख्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। परिवहन विभाग, झारखंड के निर्देश पर जिला परिवहन कार्यालय, लातेहार ने पंचायत एवं प्रखंड स्तर पर विशेष शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसके लिए पूरे जिले का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। यह विशेष अभियान 1 जुलाई से शुरू होकर 25 सितंबर 2026 तक चरणबद्ध तरीके से जिले के सभी प्रखंडों में संचालित किया जाएगा।जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल द्वारा जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, पंचायतवार क्लस्टर बनाकर नवसिखिया चालक अनुज्ञप्ति (लर्निंग लाइसेंस) तथा स्थायी चालक अनुज्ञप्ति (ड्राइविंग लाइसेंस) निर्गत करने के लिए विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में आवेदन स्वीकार करने, आवश्यक दस्तावेजों की जांच, ऑनलाइन प्रक्रिया तथा अन्य औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी, जिससे ग्रामीणों को अपने ही क्षेत्र में लाइसेंस संबंधी सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।परिवहन विभाग का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक लोगों को वैध ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध कराना है, ताकि बिना लाइसेंस वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर रोक लगाई जा सके। इसके साथ ही लोगों का समय और आर्थिक खर्च भी बचेगा, क्योंकि उन्हें लाइसेंस बनवाने के लिए जिला मुख्यालय तक नहीं आना पड़ेगा।विशेष शिविरों में केवल लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया ही नहीं होगी, बल्कि सड़क सुरक्षा के प्रति भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। अधिकारियों द्वारा यातायात नियमों के पालन, हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने तथा सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व की जानकारी दी जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

डॉक्टर्स डे पर विद्यार्थियों ने चिकित्सकों को किया नमन

रामगढ़(बिभा): श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में मानवता की सेवा के लिए समर्पित चिकित्सकों के सम्मान में डॉक्टर्स डे हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चिकित्सकों के उत्तम स्वास्थ्य एवं मानव सेवा की भावना के लिए विशेष प्रार्थना के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों को डॉक्टरों के अमूल्य योगदान एवं समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थियों ने डॉक्टरों के सम्मान में आकर्षक शुभकामना कार्ड तैयार किए। इनमें से चयनित कार्ड सदर अस्पताल के चिकित्सकों को सम्मान एवं आभार स्वरूप भेंट किया गया । डॉक्टर्स डे के उपलक्ष्य में कक्षा 9 एवं 11 के विद्यार्थियों के लिए जीवविज्ञान विभाग द्वारा एक विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को रक्तचाप (बी.पी.) मापने की विधि, प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) के साथ सजग एवं सहायक बनने की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के प्राचार्य हरजाप सिंह, जीवविज्ञान शिक्षक रामदास डे, रसायन विज्ञान शिक्षक संजय कुमार मिश्रा एवं जीवविज्ञान शिक्षिका नीतू सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अंत में सभी ने चिकित्सकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके समर्पण और सेवा भावना को नमन किया।

3 जुलाई को लातेहार दौरे पर रहेंगे झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू

लातेहार(बिभा): झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के. राजू 3 जुलाई (शुक्रवार) को लातेहार जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे जिले में आयोजित विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों और बैठकों में भाग लेकर पार्टी की गतिविधियों की समीक्षा करेंगे तथा कार्यकताओं से संवाद करेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कामेश्वर प्रसाद यादव द्वारा जारी सूचना के अनुसार, के. राजू का पहला कार्यक्रम सुबह 10:30 बजे चंदवा प्रखंड की पूर्वी पंचायत में होगा, जहां वे ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक करेंगे। बैठक में संगठन की मजबूती, जनसंपर्क अभियान तथा आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद दोपहर 1 बजे मनिका प्रखंड के स्थानीय लोहिया भवन में मनिका प्रखंड कांग्रेस कमेटी एवं ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ बैठक आयोजित होगी। इस बैठक में संगठन विस्तार, बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत बनाने तथा जनहित के मुद्दों पर रणनीति तैयार की जाएगी। दौरे के अंतिम चरण में शाम 4 बजे लातेहार परिसदन में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ बैठक होगी। इस दौरान संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों और अभियान की रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया जाएगा। बैठकों में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की तैयारी और जनसरोकार से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस पर सीएचसी राजहार में रक्तदान शिविर का आयोजन

लातेहार(बिभा): राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) राजहार, लातेहार में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो, पूर्व सिविल सर्जन डॉ. एस.पी. शर्मा एवं डॉ. एस.के. सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो ने कहा कि चिकित्सक केवल बीमारियों का इलाज ही नहीं करते, बल्कि समाज को स्वस्थ और सुरक्षित बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सेवा, समर्पण और मानवता की भावना ही चिकित्सा पेशे की सबसे बड़ी पहचान है। डॉ. एस.के. सिंह ने कहा कि रक्तदान से समाज में सेवा और सहयोग की भावना मजबूत होती है तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर जीवनरक्षक रक्त उपलब्ध कराया जा सकता है। वहीं, पूर्व सिविल सर्जन डॉ. एस.पी. शर्मा ने सभी स्वस्थ नागरिकों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की।डॉ. सैमयूल लकड़ा, डॉ. श्रवण कुमार महतो, डॉ. सुनील भगत, डॉ. रूबी कुमारी, चिकित्साकर्मी पंकज कुमार एवं सफरूल अंसारी ने रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई।

चुट्टूपालू घाटी में ब्रेक फेल ट्रेलर ने बस समेत नौ वाहनों को मारी टक्कर, कई लोग घायल

बिभा संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग-33 स्थित चुट्टूपालू घाटी में बुधवार को एक बार फिर भीषण सड़क हादसा हो गया। रांची से रामगढ़ की ओर आ रहा एक अनियंत्रित ट्रेलर घाटी में ब्रेक फेल होने के बाद बेकाबू हो गया और उसने एक के बाद एक नौ वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में कई लोग घायल हो गए, जबकि सभी वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में किसी की जान नहीं गई।

घटना की सूचना मिलते ही मुख्यालय पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अकरम राजा और रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करवाया गया। घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर

अस्पताल पहुंचाया।

डीएसपी अकरम राजा ने बताया कि रेलवे का पहिया (चक्का) लादकर रांची से रामगढ़ की ओर जा रहा ट्रेलर (एनएल-01-एडी-7009) चुट्टूपालू घाटी में पहुंचते ही ब्रेक फेल होने के कारण अनियंत्रित हो गया। इसके बाद ट्रेलर ने अपने सामने चल रहे वाहनों को टक्कर मारना शुरू कर दिया।

हादसे में एक यात्री बस (जेएच-02-बीक्यू-9799), पांच कारें (जेएच-01-बीएक्स-8969, जेएच-01-जीपी-2723, जेएच-01-एफएफ-3943, जेएच-24-एम-9939 और जेएच-01-ईएम-1348), दो मोटरसाइकिलें (जेएच-10-सीसी-2105 और जेएच-01-ईजी-4792) तथा एक कंटेनर (जीजे-01-एचटी-2374) क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना में बस की महिला यात्रियों सहित कारों और मोटरसाइकिलों पर सवार कई लोग घायल हुए।

सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद रामगढ़ सदर अस्पताल तथा शहर के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार अधिकांश घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने और सड़क को सामान्य करने में पुलिस एवं प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। लगभग पांच घंटे तक चुट्टूपालू घाटी में लंबा जाम लगा रहा, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। बाद में क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात को धीरे-धीरे सामान्य कराया गया।

नेवाड़ी पंचायत में पुलिस की जनचौपाल, ग्रामीणों को कानून, साइबर अपराध और सामाजिक कुरीतियों के प्रति किया जागरूक

बिभा संवाददाता

लातेहार: पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बुधवार को लातेहार थाना क्षेत्र के नेवाड़ी पंचायत भवन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) की अध्यक्षता में जनचौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को सुनना, उनका समाधान सुनिश्चित करना तथा कानून और सामाजिक मुद्दों के प्रति लोगों को जागरूक करना था। जनचौपाल में नेवाड़ी, मुरुप, डीही, सासंग, तुबेद और पतरातू गांवों के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस दौरान एसडीपीओ ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय से ही अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को डायन प्रथा उन्मूलन, बाल विवाह एवं बाल मजदूरी की रोकथाम, डायल-112 आपातकालीन सेवा, साइबर अपराध से बचाव, सड़क सुरक्षा नियमों का पालन, नशाखोरी और शराब सेवन के दुष्प्रभाव तथा अवैध अफीम की खेती से होने वाले सामाजिक एवं कानूनी नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि साइबर ठगी से बचने के लिए किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते, ओटीपी या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें।एसडीपीओ ने ग्रामीणों से अपील की कि क्षेत्र में किसी भी संदिग्ध गतिविधि, अपराध, अवैध कारोबार या सामाजिक बुराई की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में थमे हड्डी के ऑपरेशन सांसद मनीष जायसवाल की पहल से हुई शुरू, मरीजों को मिली राहत

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल की प्रबंधकीय लापरवाही एक बार फिर सामने आई थी,जहां आयुष्मान योजना के तहत सप्लायर का बकाया भुगतान न होने के कारण पिछले कई दिनों से ऑथोर्पेडिक मरीजों के ऑपरेशन पूरी तरह ठप्प पड़े थे। अस्पताल के आर्थो वार्ड में भर्ती मरीज पिछले 8-10 दिनों से बिना सर्जरी के तड़पने को मजबूर थे।

जब पीड़ित मरीजों के परिजनों ने इस बदहाली की सूचना हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल को दी तो उन्होंने मामले को बेहद गंभीरता से लिया। सांसद मनीष जायसवाल

के निर्देश पर उनके हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने तुरंत अस्पताल प्रबंधन से मुलाकात कर इस स्थिति पर बातचीत की और उन्हें चेताया भी कि जरूरतमंद मरीजों को अतिरिक्त पीड़ा न दें और तत्काल उनका सर्जरी शुरू कराये। जिसके बाद बुधवार को बंद पड़ी सर्जरी पुनः शुरू हो सकी। कई मरीजों का सर्जरी हुआ और संभवतः अन्य मरीजों का भी जल्द ही सर्जरी होगा जिससे उन्हें राहत मिलेगी । कई दिनों से ऑथोर्पेडिक ओटी में बंद पड़े सर्जरी शुरू होने पर सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने कहा कि हमारा मकसद सिर्फ व्यवस्था पर हंगामा खड़ा करना नहीं है बल्कि धरातल पर सुधार लाना है। उन्होंने कहा कि सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश और त्वरित प्रयास के कारण मरीज के गंभीर समस्या से उन्हें राहत मिल सकी है और आगे भी जनता के हितों के लिए हम इस प्रकार का प्रयास जारी रखेंगे। रंजन चौधरी ने कहा कि अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जन जरूरत के बेहद जरूरी सेवा आथोर्पेडिक मरीजों की सर्जरी जैसे कार्य किसी भी हाल में बाधित न हो इसके लिए उन्हें भी सजग करने की जरूरत है ।

डॉक्टर्स का सम्मान, पर्यावरण संरक्षण और ट्रैफिक पुलिस का उत्साहवर्धन, इनरव्हील क्लब ऑफ युवा ने मनाया सेवा संकल्प दिवस

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: इनरव्हील क्लब ऑफ युवा द्वारा मंगलवार को 1 जुलाई के अवसर पर सेवा, सम्मान और सामाजिक सरोकार से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। क्लब की ओर से डॉक्टर डे के अवसर पर शहर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. इंद्रजीत कुमार सिन्हा एवं डॉ. संगीता रानी को उनके उत्कृष्ट चिकित्सकीय योगदान और समाज के प्रति समर्पित सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। क्लब की सदस्यों ने दोनों चिकित्सकों को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इसके उपरांत क्लब की ओर से स्टेशन क्लब परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए

अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। क्लब ने कहा कि हरियाली बढ़ाना और स्वच्छ वातावरण का निर्माण करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम की अगली कड़ी में बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए शहर में यातायात व्यवस्था संभाल रहे ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को छाते वितरित किए गए। क्लब की इस पहल का उद्देश्य कठिन मौसम में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान व्यक्त करना और उनका उत्साहवर्धन करना था। इनरव्हील क्लब ऑफ युवा की पदाधिकारियों ने कहा कि क्लब समय-समय पर समाजहित, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं जनसेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। उन्होंने सभी लोगों से सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की अपील की।कार्यक्रम में अध्यक्ष सुधा वर्मा, सचिव अन्नू अग्रवाल, उपाध्यक्ष नूतन प्रसाद, कोषाध्यक्ष पूजा मुनका समेत कई सदस्य शामिल हुई !

आरोग्यम अस्पताल का 10वीं वर्षगांठ समारोह एवं डॉक्टर डे धूमधाम से संपन्न

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : शहर के प्रतिष्ठित आरोग्यम अस्पताल में स्थापना दिवस (फाउंडेशन डे), डॉक्टर डे एवं 10वीं वर्षगांठ समारोह का आयोजन भव्य एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। वर्ष 2016 में स्थापित आरोग्यम अस्पताल ने सेवा के 10 सफल वर्ष पूर्ण कर अपने 11वें वर्ष में प्रवेश किया।इस ऐतिहासिक अवसर पर अस्पताल परिसर उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। चिकित्सकों, कर्मचारियों, अतिथियों एवं अस्पताल परिवार की गरिमामयी उपस्थिति में केक काटकर स्थापना दिवस एवं डॉक्टर डे का उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अस्पताल के निदेशक हर्ष अजमेरा, प्रशासक जया सिंह, मेडिकल डायरेक्टर डॉ. रजत चक्रवर्ती, लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. बी.एन. प्रसाद तथा न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. राहुल कुमार एवं नर्सिंग कॉलेज की निर्देशिका प्रीति जैन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। समारोह के दौरान अस्पताल से जुड़े सभी चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ,

तकनीकी एवं गैर-तकनीकी कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान, समर्पण एवं सेवा भावना के लिए प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अस्पताल की दस वर्षों की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। बताया गया कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के उद्देश्य से 30 मई 2025 को अस्पताल की दूसरी शाखा का शुभारंभ किया गया, जिससे अधिक से अधिक लोगों को आधुनिक एवं सुलभ चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिल रहा है।

अस्पताल के निदेशक हर्ष अजमेरा ने कहा कि आरोग्यम अस्पताल की यह उपलब्धि पूरे अस्पताल परिवार, चिकित्सकों, कर्मचारियों और जनता के अटूट विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। आरोग्यम अस्पताल सेवा को अपना धर्म मानते हुए सदैव जनकल्याण के लिए समर्पित रहा है और आगे भी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ लोगों की सेवा करता रहेगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अस्पताल के चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने मानवता की सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। अस्पताल की प्रशासक जया सिंह ने कहा कि आरोग्यम अस्पताल के लिए हर मरीज केवल एक रोगी नहीं, बल्कि परिवार का सदस्य है। पिछले 10 वर्षों में सेवा, संवेदनशीलता और विश्वास हमारी सबसे बड़ी पहचान रही है। 11वें वर्ष में प्रवेश के साथ हमारा संकल्प है कि आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ मानवीय व्यवहार और उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं को समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। समारोह के दौरान लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. बी.एन. प्रसाद ने अस्पताल ने मेडिकल डायरेक्टर डॉ. रजत चक्रवर्ती को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका अभिनंदन किया। 10वीं वर्षगांठ समारोह में अस्पताल के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे आयोजन में सेवा, सम्मान और आत्मीयता का अद्भुत संगम देखने को मिला। अंत में सभी ने सामूहिक छायाचित्र के साथ समारोह का समापन किया तथा यह संकल्प लिया कि आरोग्यम अस्पताल अपने 11वें वर्ष में भी आधुनिक चिकित्सा, मानवीय संवेदनाओं और उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से समाज की सेवा के नए आयाम स्थापित करता रहेगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा वर्तमान ही नहीं, भविष्य की भी मजबूत आधारशिला : कुलपति

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हजारीबाग के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारतीय शिक्षा, संस्कृति और जीवन मूल्यों पर व्यापक चर्चा हुई। संगोष्ठी का आयोजन प्रत्यक्ष एवं ऑनलाइन माध्यम से किया गया, जिसमें देशभर के शिक्षाविदों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। स्वागत गीत एवं अतिथियों के सम्मान के बाद महाविद्यालय के अध्यक्ष सह बरही विधायक मनोज कुमार यादव, निदेशक डॉ. नजीर अंसारी तथा प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी ने अतिथियों का स्वागत किया। संगोष्ठी का विषय-परिचय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. सरफराज इकबाल ने प्रस्तुत किया।

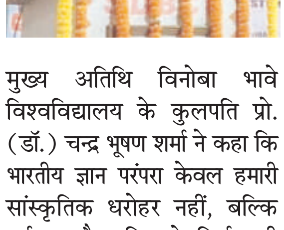

मुख्य अतिथि विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) चन्द्र भूषण शर्मा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के निर्माण की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने कहा कि सा विद्या या विमुक्तये की भावना पर आधारित भारतीय शिक्षा व्यक्ति के चरित्र निर्माण, नैतिक विकास और मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने नई शिक्षा नीति-2020 को भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने वाला ऐतिहासिक कदम बताते हुए इसके संरक्षण और प्रसार का आह्वान किया।

पानी पाकिस्तान का बंद हुआ है, मगर गला यहां के 'शांति दूतों' का क्यों सूख रहा है?

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो दशकों तक भारतीयों का खून बहाने वाला पाकिस्तान अब पानी की कमी होने पर कांप रहा है और वहां के नेता गीदड़ भभकियां दे रहे हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सिंधु पाकिस्तान की जीवनरेखा है और भारत पानी को हथियार बना रहा है।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने जिस दृढ़ता के साथ पाकिस्तान को उसकी असली जगह दिखानी शुरू की है, उससे इस्लामाबाद की सत्ता, सेना और वहां के कथित लोकतांत्रिक चेहरे बुरी तरह बौखला गए हैं। सिंधु जल संधि को स्थगित करने के भारत के फैसले ने पाकिस्तान की नसों में ऐसा डर भर दिया है कि वहां के नेता लगातार धमकियां दे रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रो रहे हैं और दुनिया को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत ने उनके अस्तित्व पर हमला कर दिया है।

देखा जाये तो दशकों तक भारतीयों का खून बहाने वाला पाकिस्तान अब पानी की कमी होने पर कांप रहा है और वहां के नेता गीदड़ भभकियां दे रहे हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सिंधु पाकिस्तान की जीवनरेखा है और भारत पानी को हथियार बना रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान अपने पानी, अपनी संप्रभुता और अपने भविष्य की रक्षा करेगा। पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसद्दिक मलिक ने तो यहां तक कह दिया कि जो हाथ उनके पानी को छुएंगे, उन्हें काट दिया जाएगा। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने भी भारत पर पानी रोकने का आरोप लगाते हुए आक्रामक बयान दिए। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार ने दुनिया को डराने की कोशिश की कि यदि सिंधु जल संधि नहीं बची तो द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की पूरी विश्व व्यवस्था खतरे में पड़ जाएगी।

लेकिन पाकिस्तान के इन आंसुओं के पीछे छिपा सच पूरी दुनिया जानती है। पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वाले आतंकवादी कहां से आए थे? जम्मू-कश्मीर में दशकों से आतंकवाद को कौन पालता रहा है? भारत के सैनिकों और नागरिकों का खून बहाने के लिए हथियार, प्रशिक्षण और धन कौन देता रहा है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिल्कुल सही कहा था कि खून और पानी साथ साथ नहीं बह सकते। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करके यह स्पष्ट कर दिया कि अब नई दिल्ली पुरानी नीति पर नहीं चलेगी। यदि पाकिस्तान आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति बनाए रखेगा तो उसे हर मोर्चे पर कीमत चुकानी होगी। भारत ने पश्चिमी नदियों पर अपने अधिकार वाले जल के उपयोग को तेज करने का फैसला किया है। यह कोई युद्ध नहीं, बल्कि अपने अधिकारों का प्रयोग है।

साथ ही सबसे बड़ा सवाल उन लोगों से पूछा जाना चाहिए जो भारत में बैठकर पाकिस्तान से वार्ता की मांग कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि एक सौ से अधिक तथाकथित बुद्धिजीवियों, नेताओं और सामाजिक हस्तियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शाहबाज शरीफ को पत्र लिखकर बातचीत बहाल करने, वीजा सेवाएं शुरू करने, दूतावास सामान्य करने और यहां तक कि कश्मीर पर फिर से बातचीत करने की मांग की है। इस पत्र पर फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, मीरवाइज उमर फारूक और कुछ अन्य भारतीय हस्तियों के हस्ताक्षर भी हैं।

इन लोगों से देश पूछना चाहता है कि आखिर पाकिस्तान से इतनी मोहब्बत क्यों है? जो देश भारत में आतंकवादी भेजता है, हमारे नागरिकों की हत्या करवाता है, सीमा पार से गोलियां चलाता है, उसी देश के लिए इनके दिल में इतनी बेचैनी क्यों उमड़ती है? भारत ने जब पाकिस्तान का पानी रोकने की दिशा में कदम उठाया तो प्यास पाकिस्तान को लगी, लेकिन गला यहां बैठे तथाकथित शांति दूतों का सूखने लगा। आखिर क्यों? क्या इन लोगों को भारत की सुरक्षा से ज्यादा चिंता पाकिस्तान की खेती और उसकी बिजली व्यवस्था की है?

ये लोग कहते हैं कि वार्ता ही समाधान है। लेकिन देश जानना चाहता है कि आखिर कितनी वार्ताएं हो चुकी हैं? लाहौर बस यात्रा से लेकर आगरा शिखर वार्ता तक और उफा से लेकर शरम अल शेख तक भारत ने हर बार शांति का हाथ बढ़ाया। बदले में मिला क्या? कारगिल, संसद हमला, मुंबई हमला, उरी, पुलवामा और अब पहलगाम। पाकिस्तान हर बार वार्ता की मेज पर मुस्कुराता है और पीठ पीछे आतंकियों को भेजता है।

आज जब भारत पहली बार कठोर नीति पर डटा है तो देश के भीतर बैठे कुछ लोग बेचैन हो उठे हैं। उन्हें आतंकवाद पर गुस्सा नहीं आता, लेकिन पाकिस्तान का पानी रुकने पर दर्द होने लगता है। उन्हें भारत के शहीदों की चिंता कम और इस्लामाबाद की परेशानी ज्यादा दिखाई देती है। यह वही मानसिकता है जिसने दशकों तक भारत को कमजोर नीति में बांध कर रखा।

सच यह है कि सिंधु जल संधि का सबसे ज्यादा लाभ पाकिस्तान ने उठाया। भारत ने वर्षों तक उदारता दिखाई, जबकि पाकिस्तान आतंकवाद फैलाता रहा। अब जब नई दिल्ली ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंक और व्यापार, आतंक और वार्ता, आतंक और पानी साथ साथ नहीं चल सकते, तब पाकिस्तान दुनिया भर में सहानुभूति जुटाने निकला है। लेकिन दुनिया भी समझ रही है कि समस्या की जड़ कहां है।

पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि धमकियों से भारत डरने वाला नहीं है। पानी को लेकर युद्ध जैसे बयान देने वाले पहले अपने घर की हालत देखें। वहां की अर्थव्यवस्था डगमगा रही है, जनता महंगाई से त्रस्त है और सेना तथा सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए भारत विरोध का सहारा ले रही हैं।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पाकिस्तान नीति ने स्पष्ट संदेश दिया है कि नया भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं देगा, बल्कि अपने हितों की रक्षा के लिए निर्णायक कदम भी उठाएगा। आतंकवाद को पालने वालों को अब हर क्षेत्र में जवाब मिलेगा। पाकिस्तान यदि वास्तव में शांति चाहता है तो उसे पहले आतंकवाद की फैक्टरी बंद करनी होगी। जब तक उसकी धरती से भारत विरोधी आतंक जारी रहेगा, तब तक कोई भी वार्ता केवल छलावा मानी जाएगी। बहरहाल, भारत की जनता अब भ्रम में नहीं है। देश समझ चुका है कि शांति की सबसे पहली शर्त सुरक्षा है। और जो लोग पाकिस्तान के लिए आंसू बहा रहे हैं, उन्हें यह याद रखना चाहिए कि भारत की सहनशीलता को कमजोरी समझने की भूल अब कोई नहीं कर सकता। नया भारत अपने सैनिकों के खून का हिसाब भी लेगा और अपने पानी का अधिकार भी बचाएगा।

संपादकीय

चंदा-चढ़ावा कांड 'बेनतीजा'

उप्र के पुलिस महानिदेशक रहे डॉ. विक्रम सिंह और सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक एमएल शर्मा के आकलन हैं कि राम मंदिर चंदा-चढ़ावा चोरी का मामला शायद ही किसी निष्कर्ष तक पहुंचे, क्योंकि जांच के नाम पर जो किया जा रहा है, उसमें कई छिद्र हैं और वह सवालिया भी है। बड़ी आरामदेह जांच चल रही है। जांच के नाम पर तमाशा किया जा रहा है। अहम और संदेहास्पद सवाल यह है कि जिन 8 आरोपितों को पुनः 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है, उनकी रिमांड पुलिस ने क्यों नहीं मांगी? यदि रिमांड नहीं है, तो आरोपितों से पूछताछ, सवाल-जवाब कैसे किए जाएंगे? पूछताछ नहीं होगी, तो कथित अपराधियों से बरामदगी कैसे होगी? अपराध के सुराग और नेटवर्क कैसे खुलेंगे? बरामदगी तभी महत्वपूर्ण और कानूनी है, जब आरोपित कबूल करें और खुलासा करें कि चोरी का धन, आभूषण आदि कहां रखे हैं? पैसे का कहां निवेश किया गया है? जब तक ये जानकारियां पुष्ट, सत्यापित नहीं होंगी, तब तक अपराध साबित नहीं किया जा सकता। ये दोनों शीर्ष पुलिस अधिकारी मानते हैं कि जो कार्रवाई ट्रस्ट ने की और करीब 80 लाख रुपए की बरामदगी विशेष जांच टीम से भी छिपाई और प्राथमिकी 20 दिन के बाद दर्ज कराई गई, इन सबके बीच इतने छिद्र हैं कि जांच किसी निष्कर्ष या नतीजे तक पहुंचने की उम्मीद क्षीण है। गौरतलब है कि विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने खुलासा किया है कि बीती 5 जून को राम मंदिर ट्रस्ट ने खुद प्राथमिक जांच कराई। पुलिस की मदद ली गई और आरोपित अविनाश शुक्ला के घर से करीब पांच लाख रुपए नकदी का काला बैग बरामद किया गया, लेकिन 7 जून को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल ने 'चोरी' से इंकार किया। कहा कि कुछ उल्लेखनीय बात नहीं हुई। पूर्व पुलिस महानिदेशक विक्रम सिंह इसे ट्रस्ट की ह्यगैर-कानूनीह्न हस्तक्षेप मानते हैं। पुलिस किसके आदेश पर उस छापेमारी में शामिल हुई? उनका सवाल है कि रुपए बरामद होने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? दरअसल हमारा भी यह मानना है कि पहली बरामदगी और 25 जून को प्राथमिकी दर्ज कराने के बीच 20 लंबे दिनों का फासला था। उस दौरान आरोपितों और उनके आकाओं ने सबूत मिटा दिए होंगे, चोरी की रकम ठिकाने लगा दी होगी और उसके बावजूद अयोध्या पुलिस ने आरोपितों को रिमांड पर नहीं लिया, तो जाहिर है कि जांच का निष्कर्ष नहीं निकलेगा। क्या चंदा-चढ़ावा चोरी का इतना संवेदनशील, भ्रष्ट मामला 'बेनतीजा' भी रह सकता है? साफ लगता है कि ट्रस्ट के स्तर पर बहुत कुछ छिपाया जा रहा है, लिहाजा अपराध में बराबर की भूमिका चंपत राय बंसल, अनिल मिश्रा आदि की भी है! पुलिस ने चंपत राय से भी पूछताछ की है और उनका बयान दर्ज कर लिया गया है, लेकिन उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है और न ही उन्हें आरोपित करार दिया गया है। क्यों..? आश्चर्य यह है कि पुलिस ने 8 आरोपितों के घर पर छापेमारी की। नकदी, आभूषण और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए जाने का दावा भी किया जा रहा है। आरोपितों के परिजनों से भी पूछताछ की गई है। फिर भी अदालत में पुलिस ने आरोपितों की रिमांड क्यों नहीं मांगी? क्या पुलिस सब कुछ जानती है? क्या पुलिस ने पर्याप्त साक्ष्य जुटा लिए हैं? हमें तो राजनीतिक दबाव, आरोपितों को संरक्षण, सांठगांठ का मामला लगता है।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं- आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं।

किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रह्संहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं।

जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

भारतीयता की मिसाल पेश करती सद्भावपूर्ण कारगुजारियां

निर्मल रानी

दुनिया में भारत की पहचान अनेकता में एकता रखने वाले देश के रूप में बनी हुई है। विविधता ही हमारे देश की एक ऐसी सबसे बड़ी विशेषता है जो पूरे विश्व को भारत की ओर आकर्षित करती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है। अनेक तरह की भाषाएं,अलग अलग रंग, अलग खानपान, विभिन्न प्रकार की पोशाकें,अनेक किस्म के धर्म,जातियां,रीति रिवाज,मान्यताएं तथा विश्वास आदि हमारे देश को एक रंग बिरंगे खुशबूदार गुलदस्ते के रूप में दुनिया के सामने पेश करते हैं। परन्तु पिछले एक दशक में एक ऐसी साम्प्रदायिकतावादी विचारधारा ने सत्ता पर नियंत्रण हासिल कर लिया है जिसे शायद हमारे देश की यह विविधता व सर्वधर्म समभाव रास नहीं आता। यह विचारधारा पूरे देश को एक ही रंग में रंगना चाहती है। और अपने इस मकसद को पूरा करने के लिये यह शक्तियां पूरे देश में सांप्रदायिकता व जातिवाद का जहर घोलने के प्रयास हो रहे हैं। दुःख की बात तो यह है कि इन दुष्प्रयासों में लगे लोग इंसानियत को भी भूल चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के मध्य तो जैसे नफरती एजेंडे पर तेजी से अमल करने की प्रतिस्पर्धा लगी हुई है। उत्तर प्रदेश, आसाम, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बंगाल जैसे राज्यों में कौन मुख्यमंत्री कितनी मस्जिदें गिराता है कितनी दरगाहों व मदरसों पर बुलडोजर चलता है,कितने मुसलमानों के घर जमींदोज करता है, इसे लेकर इनमें गोया होड़ लगी हुई है। सैकड़ों मस्जिदों व मदरसों को धराशायी करने वाले राज्य उत्तर प्रदेश में ही अभी पिछले ही दिनों संभल के नखासा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम-कसेरुआ में स्थित ऐतिहासिक मुस्तफा कादरी मस्जिद को प्रशासन द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। जबकि बताया जा रहा है कि यह मस्जिद उत्तर प्रदेश सरकार के सरकारी गजट में बाकायदा वक़्फ जायदाद के तौर पर दर्ज है। सवाल यह उठता है कि जो इबादतगाह राज्य सरकार के आधिकारिक रिकॉर्ड्स में दर्ज हो, उसे रातों-रात एक सोची-समझी साजिश के तहत अवैध कैसे घोषित किया जा सकता है? इस तरह की कार्रवाई सीधे तौर पर मस्जिद को ध्वस्त करने की एक गहरी राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। साफ है कि भाजपा सरकार मुसलमानों को निशाना बनाते हुये दमनकारी, पक्षपातपूर्ण और अलोकतांत्रिक तरीके से अपनी बुलडोजर नीति लागू कर रही है। सत्ता संरक्षित व पोषित इस नफरत में कुछ लोग तो इतने अंधे हो गए हैं कि लंगर भंडारा लगाते समय किसी का धर्म पूछकर उस के हाथों से प्रशाद की थाली तक वापस छीने ले रहे हैं ? धर्म जाति देखकर सार्वजनिक प्याऊ से पानी पीने तक के लिये मना कर रहे हैं ? किसी दाढ़ी टोपी वाले को लंगर की थाली देकर उसके खाने से पहले जयश्रीराम बोलने का दबाव डाला जा रहा है ? परन्तु हकीकत में यह सब कुछ हो तो जरूर रहा है परन्तु इसके लिये सत्ता व संबंधित संगठनों को योजनाबद्ध तरीके से काफी मशक़्क़त करनी पड़ रही है। इसके लिये सत्ता का दुरूपयोग भी हो रहा है और लाखों निठल्ले बेरोजगार व अपराधी किस्म के लोग सत्ता का संरक्षण पाकर बेलगाम होकर धर्म व जाति विशेष के लोगों के साथ अमानवीय तरीकों से पेश आ रहे हैं। परन्तु जिस देश की रगों में राम रहीम कबीर रसखान जायसी नानक फरीद बुल्लेशाह चिश्ती औलिया जैसे महापुरुषों संतों व फकीरों के संस्कार सीख व शिक्षाएं प्रवाहित हो रही हों उस देश पर यह संगठित नफरती गिरोह लंबे समय तक अपनी एकरंगी नफरती विचारधारा हरगिज नहीं थोप सकते। उदाहरणार्थ पिछले दिनों भारत सहित पूरे विश्व में करबला के शहीदों के नाम पर मुहर्रम संबंधी आयोजन किये गये। जगह जगह ताजिये रखे गये। इस मौके पर पूरे देश में सैकड़ों जगह ऐसे दृश्य देखे गये जबकि हिन्दुओं ने ताजियादारी की और मुहर्रम मनाया। कुछ जगहें तो ऐसी भी थीं जहाँ एक भी मुसलमान नहीं रहते परन्तु दशकों से केवल हिन्दू समाज के लोग ही ताजिया व अलम उठाते व मुहर्रम मनाते आ रहे हैं। सैकड़ों जगहों पर हिन्दू व मुसलमान बिना किसी भेदभाव के लंगर बांटते व गरीबों की मदद करते दिखाई दिये। बिहार में तो मुहर्रम को केवल धार्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि लोक एवं साझा सामाजिक संस्कृति के रूप में मनाया जाता है। अनेक हिन्दू बाहुल्य इलाकों में ताजिया-जुलूस के साथ मजलिस, फातिहा पढ़ने और कर्बला की घटना को याद करने की परंपरा है। बिहार के संदर्भ में तो यह भी उल्लेखनीय है कि मुहर्रम की परंपरा को कई जगह ह्लवादा, वफा और विरासतह्न के रूप में याद किया जाता है। यानी यह केवल शोक का आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, परस्पर सम्मान और साझा इतिहास का प्रतीक बन चुका है। बिहार में ही मुहर्रम का एक खास ऐतिहासिक पक्ष यह भी है कि कई गांवों में हिंदू समुदाय पीढ़ियों से ताजिया, मातम और जुलूस की परंपरा निभाता आ रहा है। उदाहरण के तौर पर कटिहार के महमदिया हरिपुर गांव में पिछले सौ साल से अधिक समय से हिंदू लोग मुहर्रम मनाते आ रहे हैं, जिसे स्थानीय लोग पूर्वजों के वादे और गंगा-जमुनी तहजीब की विरासत से जोड़ते हैं। इसी बीच राजस्थान में कई जगहों से साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव की ऐसी मिसालें देखने को मिलीं जिसने यह साबित कर दिया कि सत्ता की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में हिन्दू मुस्लिम एकता व भाईचारे को दुनिया की कोई भी ताकत मिटा नहीं सकती।

खतरे की घंटी दस्तक दे रही है कितने तैयार है हम?

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में वेनेजुएला में आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के विनाशकारी दोहरे भूकंप ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इस भीषण आपदा के कारण अब तक 1,500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 68,900 लोग लापता हैं। राजधानी कराकस और तटीय राज्य ला गुआइरा में भारी तबाही हुई है।इस त्रासदी ने न केवल वेनेजुएला, बल्कि भारत सहित दुनिया के सभी देशों को आपदा प्रबंधन और बुनियादी ढांचे को लेकर कई महत्वपूर्ण सबक दिए है।

वेनेजुएला में भूकम्प ने पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों के आधिकारिक आंकड़े भले ही बदलते रहे हों, लेकिन त्रासदी की गंभीरता निर्विवाद है। हजारों परिवार असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे समय में संवेदना व्यक्त करने के साथ एक प्रश्न भी मन में उठता है कि क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और संवेदना के बाद सब कुछ भूल जाते हैं? यह हमें एक बार फिर याद दिलाता है कि प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं या पहाड़ दरकते हैं, तब विकास के बड़े-बड़े दावे भी कुछ ही पलों में बिखर जाते हैं। ऐसे समय में किसी देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं बल्कि उसकी तैयारी होती है।

इस बार एक सकारात्मक पक्ष भी सामने आया। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम लगता है लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ क्षण जीवन और मृत्यु के बीच काफी अंतर बना सकते हैं। स्पष्ट है कि विज्ञान इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे चेतावनी तंत्र को और अधिक सटीक, तेज और व्यापक बनाया जाए। आपको पता है कि हमारे देश में भी भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी प्राकृतिक आपदाओं का लंबा इतिहास रखता है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी तथा हाल के वर्षों में हिमालयी क्षेत्रों में आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी लोगों की स्मृतियों में जीवित हैं। इन घटनाओं का एक ही संदेश है कि प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। वैज्ञानिक आज भी यह नहीं बता सकते कि किस दिन और किस समय भूकम्प आएगा। लेकिन वे वर्षों से यह अवश्य बता रहे हैं कि भारत का बड़ा हिस्सा भूकम्पीय दृष्टि से संवेदनशील है। देश का लगभग 60 प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। इसका अर्थ यह है कि भविष्यवाणी भले संभव न हो, लेकिन पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है।

यहीं से एक और सवाल उभरता है। आज देश के लगभग हर शहर में कांक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन और ऊंचे टावर विकास की नई पहचान बन चुके हैं। लेकिन क्या हमने कभी गंभीरता से यह पूछा कि इन इमारतों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा के लिए भी? किसी भी भवन की असली परीक्षा उसके उद्घाटन के दिन नहीं होती। उसकी परीक्षा उस दिन होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके तो वही वास्तविक विकास है।

भारत में लगातार आ रहे छोटे भूकंपों का मुख्य कारण भारतीय टेक्टोनिक प्लेट का यूरेशियन प्लेट से टकराना और उत्तर की ओर खिसकना लगभग 49 मिलीमीटर प्रति वर्ष है। इसके कारण हिमालयी क्षेत्र और आसपास के इलाकों में जमीन के भीतर लगातार दबाव और तनाव बनता रहता है, जो छोटे-छोटे झटकों के रूप में समय-समय पर बाहर निकलता है।भारत में क्यों बढ़ रही है भूकंप की आवृत्ति? भारत जिस भू-भाग पर स्थित है, वह लगातार उत्तर दिशा की ओर यूरेशियन प्लेट से टकरा रहा है। यह प्रक्रिया हिमालय के निर्माण का कारण भी है और इसी के दबाव से जमीन के अंदर भ्रंश (फॉल्ट लाइन) सक्रिय रहते हैं।भारत की लगभग 59% भूमि भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है। इसमें पूरा पूर्वोत्तर भारत, जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और गुजरात का कच्छ इलाका जोन-श सबसे खतरनाक में आता है।गहरे झटके और दूरगामी प्रभावः अक्सर उत्तर भारत जैसे दिल्ली-एनसीआर में महसूस होने वाले झटकों का केंद्र अफगानिस्तान (हिंदूकुश क्षेत्र) होता है। अधिक गहराई में होने के कारण ये झटके दूर तक महसूस होते हैं लेकिन तीव्रता कम होने से आमतौर पर बड़ा नुकसान नहीं होता।भू-वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की रायभूकंप विज्ञानियों का मानना है कि इस तरह के छोटे झटके एक तरह से राहत का संकेत भी होते हैं क्योंकि इनसे जमीन के भीतर जमा अत्यधिक दबाव धीरे-धीरे बाहर निकलता रहता है। हालांकि, देश की घनी आबादी वाले शहर (जैसे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता) जहां निर्माण मानकों का ठीक से पालन नहीं होता, वहां इनकी वजह से बड़ा खतरा हमेशा बना रहता है।

भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं बल्कि उनके पालन की है। क्या हर बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुसार बन रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण पूरा होने के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन सवालों का जवाब पूरी तरह संतोषजनक नहीं है तो चिंता स्वाभाविक है। निर्माण की गुणवत्ता के साथ किसी भी स्तर पर किया गया समझौता या लापरवाही अंततः निर्दोष नागरिकों के जीवन पर भारी पड़ सकती है। इसलिए सुरक्षा मानकों का पालन केवल कानूनी औपचारिकता नहीं बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। दरअसल सबसे बड़ी जिम्मेदारी शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर विकास न्यासों, नगर निगमों और भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की बनती है। किसी भी बहुमंजिला भवन को अनुमति देते समय केवल नक्शा और कागजी औपचारिकताएं पूरी कर लेना पर्याप्त नहीं होना चाहिए। अनुमति तभी मिले जब प्रत्येक सुरक्षा मानक का पूरी ईमानदारी से पालन हुआ हो। विकास के नाम पर सुरक्षा से किया गया हर समझौता भविष्य में किसी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकता है।एक और सोच बदलने की आवश्यकता है। अक्सर यह मान लिया जाता है कि अमुक शहर में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया इसलिए वहां खतरा कम है। यह सोच खतरनाक हो सकती है। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी विज्ञान या इंसान सटीक नहीं जानता। जमीन के नीचे का शोर लावा या हलचल कब किस रूप में बाहर आएगा, इसका सटीक अनुमान किसी के पास नहीं है। इसलिए किसी क्षेत्र को केवल पुराने अनुभवों के आधार पर पूरी तरह सुरक्षित मान लेना एक बड़ी भूल हो सकती है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, भूस्खलन, तेज हवाएं और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी निर्माण और नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। आने वाले समय के शहर बहुस्तरीय सुरक्षा की सोच के साथ ही सुरक्षित रह पाएंगे। अब समय आ गया है कि किसी भी बहुमंजिला भवन को उसकी ऊंचाई देखकर नहीं बल्कि उसकी सुरक्षा परखकर अनुमति दी जाए।इतना ही नहीं, पहले से बनी इमारतों का समय-समय पर सुरक्षा परीक्षण भी आवश्यक है। अस्पताल, विद्यालय, सरकारी भवन, पुल, फ्लाईओवर और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक परिसरों का नियमित संरचनात्मक परीक्षण होना चाहिए। जहां कमजोरी मिले वहां समय रहते सुधार किया जाए। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने से कहीं अधिक बुद्धिमानी पहले से सुरक्षा पर निवेश करने में है। साथ ही नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित अभ्यास हों। आधुनिक चेतावनी प्रणाली गांवों तक पहुंचे। लोगों को यह पता हो कि संकट की पहली घड़ी में क्या करना है और क्या नहीं करना है। जागरूक समाज ही किसी भी आपदा के प्रभाव को कम कर सकता है।

यह सही है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक सूचना तंत्र, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, ईमानदार प्रशासन और जागरूक नागरिकों का एक साथ काम करना आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती की परीक्षा लेती है। इसलिए अब समय आ गया है कि विकास की परिभाषा बदल दी जाए। विकसित भारत की पहचान सबसे ऊंची इमारतों से नहीं बल्कि सबसे सुरक्षित इमारतों, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन और सबसे सजग नागरिकों से होगी। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैयारी रखनी होगी।

मध्य प्रदेश में उठाएं बीच का मजा

जरूर एक्सप्लोर करें ये मनमोहक और खूबसूरत जगह

मध्य प्रदेश में भोपाल से लेकर इंदौर तक, ग्वालियर, मांडू, ओरछा और जबलपुर जैसी कई ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनके बारे में लगभग हर कोई जानता है। वहीं मध्य प्रदेश में हनुवंतिया एक ऐसी जगह है, जहां पर आप बीच का लुत्फ उठा सकते हैं।

मध्य प्रदेश का गठन साल 1956 में हुआ था। यह देश के सबसे बड़े राज्यों में शामिल एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य भी है। देश के मध्य में स्थित मध्य प्रदेश में कई ऐसी खूबसूरत और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर सिर्फ देशी ही नहीं बल्कि विदेशी पर्यटक भी घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। मध्य प्रदेश में भोपाल से लेकर इंदौर तक, ग्वालियर, मांडू, ओरछा और जबलपुर जैसी कई ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनके बारे में लगभग हर कोई जानता है। वहीं मध्य प्रदेश में हनुवंतिया एक ऐसी जगह है, जहां पर आप बीच का लुत्फ उठा सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हनुवंतिया की खूबसूरती और इसकी खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

हनुवंतिया

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में इंदिरा सागर बांध के पास हनुवंतिया स्थित है। यह खंडवा शहर से करीब 45 किमी दूरी पर मौजूद है।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से हनुवंतिया करीब 233 किलोमीटर दूर है। वहीं इंदौर से करीब 138 किमी, देवास से करीब 195 किमी और उज्जैन से 197 किमी दूर है।

इस जगह की खासियत

बता दें कि इंदिरा सागर बांध के बैकवाटर में स्थित हनुवंतिया मध्य प्रदेश की एक मनमोहक जगह है। हनुवंतिया को कई लोग आइलैंड या हनुवंतिया टापू के नाम से भी जानते हैं। इस जगह की खूबसूरती इस कदर प्रचलित है कि लोग इसको एमपी का %मिनी गोवा% भी कहते हैं।

यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ एक फेमस पर्यटन स्थल माना जाता है। यहां पर गर्मियों में भारी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। हनुवंतिया टापू नीले रंग के पानी और खूबसूरती के कारण गोवा की याद दिलाता है। वहीं मानसून में हनुवंतिया की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

सैलानियों के लिए क्यों है खास

गर्मियों में हनुवंतिया को मध्य प्रदेश को एक परफेक्ट पॉइंट माना जाता है। खासकर वीकेंड में भारी संख्या में पर्यटक घूमने और पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते हैं।

हनुवंतिया का शांत और शुद्ध वातावरण पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। यह जगह अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए जाना जात है। यहां पर कई लोग सिर्फ एडवेंचर एक्टिविटी करने के लिए पहुंचते हैं।

वॉटर स्पोर्ट्स के लिए है फेमस

बता दें कि हनुवंतिया बीच मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा वाटर एक्टिविटी के लिए जाना जाता है। यहां पर कई सैलानी सिर्फ मोटरबोटिंग, गोताखोरी, जेट स्कीइंग, सर्फिंग और जोरबिंग के अलावा हॉट एयर बैलूनिंग और पैरा एक्टिविटीज जैसी शानदार और मजेदार एक्टिविटी के लिए पहुंचते हैं।

हर साल हनुवंतिया आइलैंड में जल महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस महोत्सव में शामिल होने के लिए हर साल हजारों की संख्या में पर्यटक शामिल होते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

बता दें कि हनुवंतिया के आसपास कई शानदार और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं। जिनको आप ट्रिप के दौरान एक्सप्लोर कर सकते हैं। जैसे इंदिरा सागर बांध, घंटाघर, गौरी कुंज, नागचून बांध खंडवा, तुलजा भवानी माता मंदिर को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

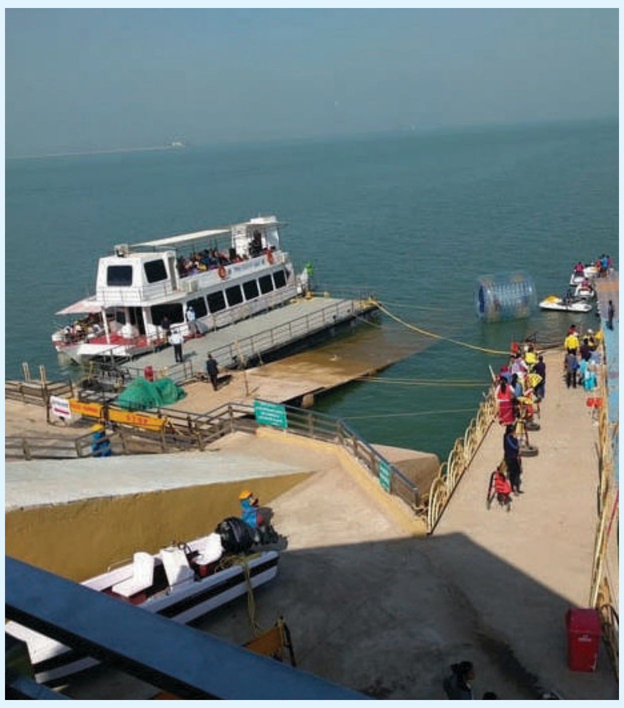

बारिश के मौसम का मजा लेना है तो महाराष्ट्र की इन जगहों पर जरूर जाएं

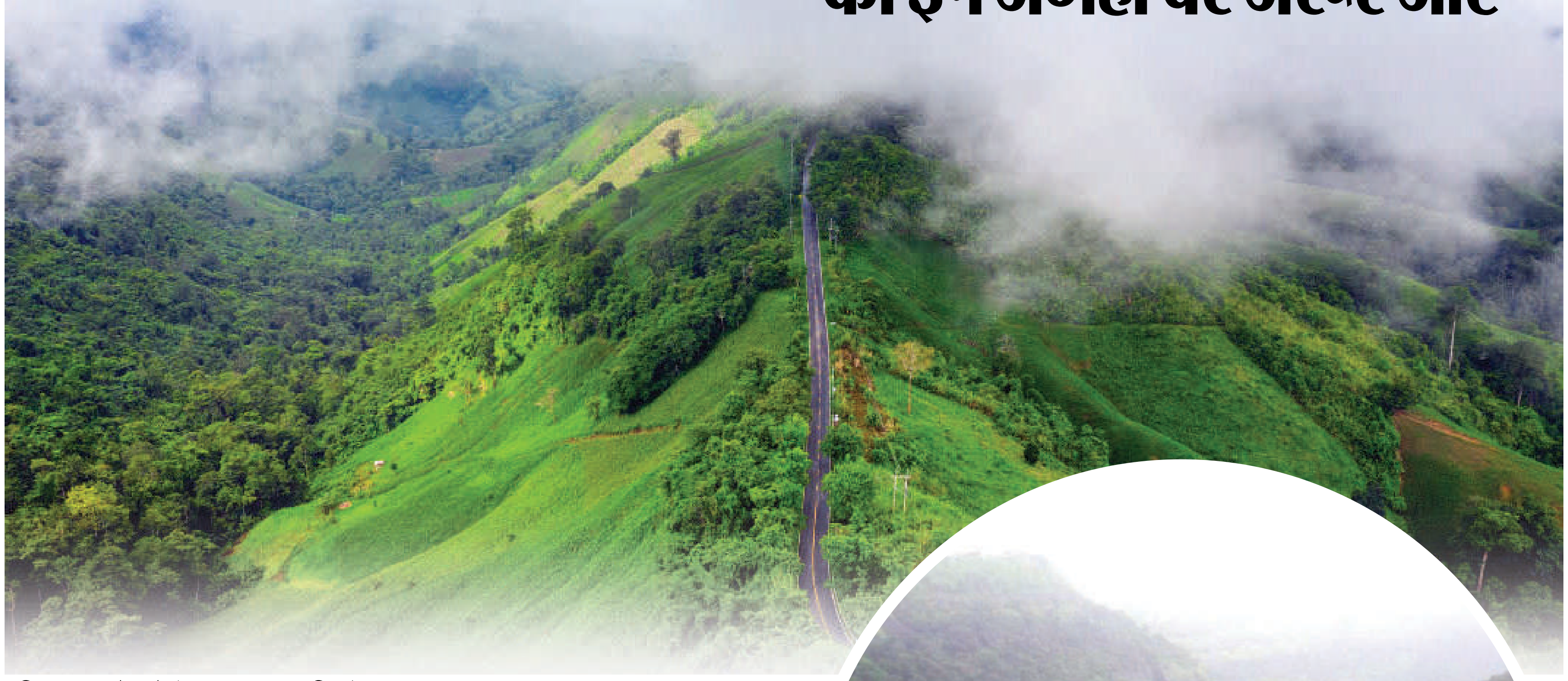

परिवार या दोस्तों के साथ घूमना किसे पसंद नहीं होता? कई लोग ट्रिप पर जाने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाते हैं. खासकर अपने पार्टनर या गर्लफ्रेंड के साथ ट्रिप पर जाना कई लोगों को काफी खुशी देता है. इसलिए ज्यादातर लोग अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मस्ती करने के लिए खूबसूरत जगहों पर जाना पसंद करते हैं. अगर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिताना चाहते हैं तो आज हम आपके लिए कुछ ऐसी जगहों की जानकारी लेकर आए हैं जो जुलाई में कपल्स के घूमने के लिए बेस्ट जगह हैं. खबर के जरिए जानते हैं कि मानसून में अपने पार्टनर के साथ घूमने के लिए कौन सी जगहें बेस्ट हैं.

लोनावाला

मानसून के मौसम में लोनावाला घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है। इस जगह की खूबसूरती और प्रकृति का अनोखा नजारा हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है. खासकर अगर प्रेमी जोड़े और नवविवाहित जोड़े यहां जाएं तो उन्हें बहुत मजा आएगा. क्योंकि यहां का भूशी डैम, टाइगर प्वाइंट, हरी-भरी पहाड़ियां, प्रकृति और खूबसूरत फूलों के बगीचे हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं. इसलिए यह जगह प्रेमी जोड़ों, नवविवाहितों और जोड़ों के लिए सबसे अच्छा पर्यटन स्थल माना जाता है.

मुलशी

अगर आप अपने पार्टनर के साथ मानसून के मौसम का मजा लेना चाहते हैं तो पुणे के पास मुलशी घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है. क्योंकि यहां का इलाका बेहद खूबसूरत है. अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और प्रकृति के लिए मशहूर यह जगह पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है. खास तौर पर धुंध भरी पहाड़ियां और मुलशी डैम देखने लायक बेहद खूबसूरत जगह हैं.

माथेरान हिल स्टेशन

माथेरान हिल स्टेशन अपने प्रेमी के साथ हाथ में हाथ डालकर घूमने के लिए सबसे अच्छी जगह है. यह सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है.मुंबई और पुणे के पास स्थित यह बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन अपनी हरी-भरी पहाड़ियों के साथ बेहद खूबसूरत नजारा देता है. ऐसी प्राकृतिक खूबसूरती के बीच अपने साथी के साथ हाथ में हाथ डालकर घूमना आपके बीच प्यार को और बढ़ा देगा. इसलिए माथेरान लवर्स के लिए एक बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट है.

हरिश्चंद्रगढ़

खूबसूरत कॉफी बागानों में अपने प्रियतम के साथ गपशप करने के लिए यह एक बेहतरीन जगह है. मानसून के मौसम में घूमने के लिए यह सबसे अच्छी जगह है. जो लोग ट्रैकिंग करना चाहते हैं, वे इस जगह पर जा सकते हैं, बर्फीले पहाड़ों, कॉफी बागानों, हरे-भरे पेड़ों, रिमझिम बारिश के बीच कोंकण तट की खूबसूरती को निहार सकते हैं. आप अपने साथी के साथ खुशी के पल बिता सकते हैं। इसलिए, मानसून के मौसम में घूमने के लिए हरिश्चंद्रगढ़ सबसे अच्छी जगह है.

लवासा

वरसगांव झील के किनारे स्थित लवासा में अनगिनत वाटर स्पोर्ट्स हैं. महाराष्ट्र में स्थित यह शहर इतालवी शहर पोर्टोफिनो की तर्ज पर बना है. यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सुव्यवस्थित बुनियादी ढांचे और मनोरंजक गतिविधियों के लिए जाना जाता है. यह जगह कपल्स के लिए बेहद रोमांचक हो सकती है.

कसौली की स्थापना 1842 में ब्रिटिश राज के दौरान एक सैन्य छावनी के रूप में हुई थी। यहाँ आज भी कई ब्रिटिश-युग की इमारतें और चर्च मौजूद हैं, जो इसके इतिहास को जीवंत बनाए रखते हैं। साथ ही, यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और साफ-सुथरी जलवायु इसे एक बेहतरीन हिल स्टेशन बनाती है।

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अनोखा मेल है कसौली

हिमाचल प्रदेश के सोलन ज़िले में स्थित कसौली एक छोटा लेकिन बेहद आकर्षक और शांत पहाड़ी स्थल है। समुद्र तल से लगभग 1,900 मीटर की ऊँचाई पर बसा कसौली अपनी हरियाली, शांत वातावरण, औपनिवेशिक इमारतों और मनोरम दृश्यों के लिए जाना जाता है। यह एक आदर्श स्थान है उन लोगों के लिए जो भीड़भाड़ और शोरगुल से दूर कुछ सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

कसौली का इतिहास और विशेषता

कसौली की स्थापना 1842 में ब्रिटिश राज के दौरान एक सैन्य छावनी के रूप में हुई थी। यहाँ आज भी कई ब्रिटिश-युग की इमारतें और चर्च मौजूद हैं, जो इसके इतिहास को जीवंत बनाए रखते हैं। साथ ही, यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और साफ-सुथरी जलवायु इसे एक बेहतरीन हिल स्टेशन बनाती है।

प्रमुख आकर्षण

1. मंकी पॉइंट

कसौली का सबसे ऊँचा स्थान मंकी पॉइंट है, जहाँ से सतलुज नदी, चंडीगढ़ और शिमला के दृश्य साफ दिखाई देते हैं। यहाँ एक छोटा हनुमान मंदिर भी है, जो धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य दोनों के लिए प्रसिद्ध है।

2. गिल्बर्ट ट्रेल

प्राकृतिक प्रेमियों और वॉकिंग के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। यह पगडंडी देवदार और ओक के पेड़ों के बीच से गुजरती है और यहां की शांति आत्मा को सुकून देती है।

3. क्राइस्ट चर्च

1853 में बना यह चर्च कसौली की सबसे पुरानी इमारतों में से एक है। इसकी गोथिक शैली की वास्तुकला और रंगीन कांच की खिड़कियाँ देखने लायक हैं।

4. सनसेट पॉइंट

शाम के समय यहाँ से सूर्यास्त का दृश्य अत्यंत मनमोहक होता है। पहाड़ियों के बीच सूरज को डूबते हुए देखना एक अविस्मरणीय अनुभव है।

5. कसौली ब्रुअरी

यह एशिया की सबसे पुरानी डिस्टिलरी मानी जाती है, जो अब भी संचालित हो रही है। यह ब्रिटिश काल की विरासत को संजोए हुए है।

कसौली में करने योग्य गतिविधियाँ

– प्राकृतिक ट्रेल्स पर वॉकिंग और ट्रेकिंग

– स्थानीय बाजारों में शॉपिंग (हस्तशिल्प, ऊनी वस्त्र, जैम आदि)

– फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग

– चर्चों और औपनिवेशिक इमारतों की खोज

– शांत वातावरण में ध्यान और योग

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून : गर्मियों में ठंडक का आनंद लेने के लिए उपयुक्त।

सितंबर से नवंबर : साफ आसमान और हरियाली देखने के लिए।

दिसंबर से फरवरी : बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए बेहतरीन समय।

कैसे पहुँचे कसौली?

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा चंडीगढ़ (लगभग 60 किमी) है।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन कालका (लगभग 25 किमी) है, जहाँ से टैक्सी या बस ली जा सकती है।

सड़क मार्ग : चंडीगढ़, शिमला, दिल्ली से सीधी बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसौली एक ऐसा पर्यटन स्थल है जहाँ प्रकृति की गोद में शांति, सौंदर्य और इतिहास का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यह उन लोगों के लिए आदर्श स्थान है जो जीवन की दौड़-भाग से दूर कुछ पल सुकून और ताजगी के साथ बिताना चाहते हैं।

राष्ट्र की प्रगति में डाक कर्मियों का अतुलनीय योगदान: गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्र की प्रगति में अपने अथक समर्पण और निष्ठा से महत्वपूर्ण योगदान देने वाले डाक कर्मियों को राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस के अवसर पर पूरे देश ने सलाम किया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इन कर्मठ सेवकों को बधाई दी, उनके बलिदान और जन-जन तक सुविधाएं पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। यह दिवस उन लाखों डाक कर्मियों के सम्मान में मनाया जाता है जो न केवल संदेशों और पार्सलों का आदान-प्रदान करते हैं, बल्कि देश के सुदूरवर्ती क्षेत्रों को भी संचार और विश्वास की डोर से बांधे रखते हैं।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए लिखा, राष्ट्रीय डाक कर्मचारी दिवस पर हम अपने डाक कर्मचारियों के अटूट समर्पण, ईमानदारी और निस्वार्थ सेवा को सलाम करते हैं, जो देश भर में दूरियों को मिटाते हुए लाखों लोगों को आपस में जोड़ते हैं। उनकी अथक कोशिशों से यह सुनिश्चित होता है कि हर चिट्ठी, पार्सल और संदेश भरोसे, देखभाल और विश्वसनीयता के साथ अपनी मंजिल तक पहुंचे। आपकी अमूल्य सेवा के लिए दिल से आभार। गडकरी के ये शब्द भारतीय डाक सेवा के विशाल नेटवर्क और उसके पीछे की मानवीय शक्ति का सटीक चित्रण करते हैं। विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी डाक कर्मियों की भूमिका को सराहा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने डाक कर्मियों को बधाई देते हुए उनके समर्पण को राष्ट्र की प्रगति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि उनकी निष्ठा और जन-जन तक सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास देश के विकास में अहम है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश के कोने-कोने तक विश्वास, संवाद और सेवा का संदेश पहुंचाने में डाक कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी उनकी कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण को नमन किया।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संचार, सेवा और विश्वास की डोर को सशक्त बनाने में डाक कर्मियों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा की भावना के साथ ये कर्मी प्रत्येक नागरिक तक डाक, वित्तीय सेवाएं एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी डाक कर्मियों की कर्मनिष्ठा, समयबद्ध सेवा और जनसमर्पण को देशवासियों के विश्वास का सशक्त माध्यम बताया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी डाक कर्मियों के अथक परिश्रम, निष्ठा और प्रतिबद्धता की सराहना की, जिसने देश के कोने-कोने तक संवाद और विश्वास के सेतु को मजबूत किया है। भारतीय डाक सेवा, जो अपनी स्थापना के बाद से लगातार विकसित हो रही है, आज केवल चिट्ठियां पहुंचाने तक सीमित नहीं है। यह वित्तीय सेवाओं, बीमा योजनाओं, पासपोर्ट सेवाओं और विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं को आम आदमी तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है।

जनरल धीरज सेठ ने संभाला थलसेना प्रमुख का पदभार, पिता को किया सैल्यूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना के नए थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने बुधवार को औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर रक्षा मंत्रालय मुख्यालय में आयोजित गार्ड ऑफ ऑनर समारोह में एक अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण क्षण दिखाई दिया। गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त करने के बाद, जनरल सेठ ने अपने पिता, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल के.एम. सेठ, को सैन्य सैल्यूट किया। पिता ने भी पलटकर सैल्यूट किया, जिसके बाद नए सेना प्रमुख ने अपने पिता सहित वहां मौजूद परिजनों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। यह दृश्य उपस्थित सैन्य अधिकारियों, जवानों और अतिथियों के लिए विशेष प्रेरणा का केंद्र रहा। इस समारोह में जनरल सेठ के छोटे भाई, रियर एडमिरल रवनीश सेठ भी मौजूद थे, जिन्होंने बड़े भाई को सैल्यूट कर अपनी खुशी व्यक्त की। भारतीय सशस्त्र बलों की विभिन्न शाखाओं में सेवा दे रहे इस परिवार की उपस्थिति ने कार्यक्रम में चार चादं लगा दिए। यह सैन्य परंपरा, पारिवारिक संस्कारों और राष्ट्रसेवा के प्रति अटूट समर्पण का एक अनूठा संगम था। पदभार संभालने के बाद, भारतीय सेना के 31वें थलसेना प्रमुख जनरल सेठ ने कहा कि भारतीय सेना का नेतृत्व करना उनके लिए गर्व और विनम्रता का विषय है। उन्होंने 'कर्तव्य, सम्मान और राष्ट्र सर्वोपरि' के सिद्धांतों के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दिखाकर राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का संकल्प लिया। नए थलसेना प्रमुख ने राष्ट्र की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनका साहस, समर्पण और निस्वार्थ सेवा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। जनरल सेठ ने 30 जून 2026 को सेना प्रमुख का कार्यभार संभाला है। इससे पहले वे सेना के उपप्रमुख के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने निवर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी सहित सभी पूर्व सेना प्रमुखों के योगदान को नमन किया। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र जनरल सेठ ने दिसंबर 1986 में भारतीय सेना की बख्तरबंद कोर में कमीशन प्राप्त किया था।

21 घंटे के संघर्ष के बाद बोरवेल में गिरे मासूम निर्भय ने तोड़ा दम

अंबाला (एजेंसी)। हरियाणा के अंबाला जिले के धनौरा गांव में उस वक्त मातम छा गया जब एक खुले बोरवेल में गिरे चार वर्षीय बच्चे निर्भय को 21 घंटे तक चले अथक बचाव अभियान के बाद भी बचाया नहीं जा सका। डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया है, जिससे पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। यह हृदयविदारक घटना उस समय हुई जब मासूम निर्भय खेलते-खेलते अचानक खुले पड़े बोरवेल में जा गिरा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन, भारतीय सेना, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और बच्चे को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए युद्ध स्तर पर बचाव अभियान शुरू किया गया था। बच्चे को बाहर निकालने के लिए बचाव दल ने चौबीसों घंटे काम किया। बोरवेल के समानांतर एक गड्ढा खोदा गया, जिसमें ऑक्सीजन की आपूर्ति की गई और लगातार बच्चे की स्थिति पर कैमरों के माध्यम से नजर रखी जा रही थी। हालांकि, 21 घंटों की लगातार कोशिशों के बाद जब आखिरकार बच्चे को बोरवेल से बाहर निकाला गया, तो उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसकी जांच की। मेडिकल ऑफिसर डॉ. ऋषिपाल के मुताबिक ऑपरेशन के दौरान रेस्क्यू वाली जगह पर आप में से कई लोग सुबह से ही मौजूद थे। कई घंटों की लगातार कोशिशों के बाद बच्चे को आखिरकार बाहर निकाला गया और तुरंत इमरजेंसी डिपार्टमेंट में भेजा गया। रेस्क्यू वाली जगह पर ही हमने देखा कि बच्चे की हालत बहुत गंभीर थी। जब उसे अस्पताल लाया गया, तो हमने ईसीजी किया, जिससे पुष्टि हुई कि बच्चे की मौत हो चुकी थी। इसके बाद शव को मॉर्चरी में भेज दिया गया।

राम मंदिर दान में गबन : साध्वी निरंजन ज्योति ने जाहिर की पीड़ा, जांच पर जताया भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) की अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में हुए गबन पर अपनी गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि प्रकरण से सभी रामभक्त और श्रद्धालु आहत हैं, लेकिन उन्हें विश्वास है कि जांच सही ढंग से हो रही है और दोषी पकड़े जाएंगे। साध्वी निरंजन ज्योति ने बताया कि घटना से उन्हें व्यक्तिगत रूप से भी चोट पहुंची है, क्योंकि उन्होंने राम मंदिर आंदोलन में दिन-रात सेवा की थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी और सरकार मामले में सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने त्वरित कार्रवाई और आठ-नौ लोगों की गिरफ्तारी का हवाला देकर कहा कि जांच उचित दिशा में है और सभी को इसमें सहयोग करना चाहिए। साध्वी निरंजन ज्योति ने ट्रस्ट पर उठ रहे सवालों पर कहा कि जिन लोगों पर भरोसा किया गया था, उन्हीं कार्य में जुटे लोगों ने विश्वासघात किया। उन्होंने घटना पर अपनी हैरानी जताकर कहा कि 500 साल के लंबे संघर्ष के बाद, इसतरह का प्रकरण का एक-दो साल में ही सामने आना बिल्कुल सही नहीं है। अखिलेश यादव की टिप्पणियों पर उन्होंने राजनीतिक टीका-टिप्पणी से बचने और जांच को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए सहयोग करने की अपील की।

अमरनाथ यात्रा : रजिस्ट्रेशन शुरू, पंजीकरण के लिए भक्तों का उमड़ा सैलाब

जम्मू (एजेंसी)। श्री अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू-कश्मीर में तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। इसी कड़ी में, बुधवार से जम्मू में यात्रियों के लिए मौके पर पंजीकरण और आरएफआईडी कार्ड जारी करने की प्रक्रिया शुरू हुई है। प्रक्रिया शुरू होते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु कतारों में खड़े दिखे, जिससे यात्रा को लेकर उनका जबरदस्त उत्साह साफ दिखा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा शुक्रवार को तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने वाले है। भक्तों ने यात्रा की तैयारियों और व्यवस्थाओं की सराहना की। एक उत्साहित तीर्थयात्री ने कहा, मुझे उम्मीद नहीं थी कि मुझे पहले बैच में मौका मिलेगा। मैं काफी समय से कोशिश कर रहा था। एक अन्य अनुभवी यात्री ने पिछली बार के मुकाबले इस बार की व्यवस्थाओं को और बेहतर बताया। कुछ श्रद्धालुओं ने पंजीकरण और आरएफआईडी कार्ड प्राप्त करने में थोड़ी प्रतीक्षा का अनुभव साझा किया, लेकिन उनका कहना था कि इसके बाद बाबा बर्फानी के दर्शन का विश्वास और सुकून मिल जाता है। इसी बीच, यात्रा का पहला जत्था रवाना होने से पहले श्रीनगर के ट्रांजिट कैंपों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगी है। कई पहली बार यात्रा पर आए भक्त बेहद उत्साहित दिखे। एक महिला तीर्थयात्री ने अपनी आस्था व्यक्त कर कहा, मैं बाबा भोलेनाथ में आस्था लेकर आई हूं। उन्होंने हमें बुलाया है और वही दर्शन कराएंगे। उन्होंने प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की प्रशंसा की, बताते हुए कि कैंप में सुविधाओं की कोई कमी नहीं है। गौरतलब है कि इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू होकर 28 अगस्त को समाप्त होगी। यात्रा के लिए दो मुख्य मार्ग हैं पहलगाम मार्ग, जिसमें मंदिर तक पहुंचने में लगभग चार दिन लगते हैं, और बालटाल मार्ग, जो छोटा है और अक्सर उसी दिन वापसी की जा सकती है।

कोलकाता पुलिस ने 21 जुलाई को शहीद दिवस मनाने पर लगाई पाबंदी

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी ने बुधवार को कोलकाता पुलिस की ओर से 21 जुलाई को मध्य कोलकाता में निषेधाज्ञा लागू करने के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। टीएमसी का कहना है कि इस इलाके में पार्टी हर साल 21 जुलाई को शहीद दिवस मनाती है। कोलकाता पुलिस ने जानकारी दी गई कि इस साल सीईएससी हाउस के सामने शहीद दिवस मनाने की इजाजात नहीं दी जाएगी। कोलकाता पुलिस की ओर से उस इलाके में धारा 163 लागू कर दी है। इसके तहत एक ही समय और जगह पर तय संख्या से ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी गई है। टीएमसी के बागी नेताओं की ओर से कोलकाता पुलिस के इस फैसले पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन टीएमसी नेताओं ने कहा है कि वे इस मामले को कानूनी और राजनीतिक स्तर पर उठाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी के चार बार लोकसभा सांसद रहे कल्याण बनर्जी का कहना है कि पूरे इलाके में धारा 163 लागू करना और वह भी दो महीने के लिए गैर-कानूनी है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि सीएम सुवेंदु अधिकारी लोगों के लोकतांत्रिक रूप से इकट्ठा होने और संगठित विरोध प्रदर्शनों से डरते हैं। उन्होंने कहा कि हम इस आदेश के खिलाफ निश्चित रूप से कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। हम केस दायर करेंगे। हम कानूनी और राजनीतिक, दोनों तरह से इसका मुकाबला करेंगे। हमें देश की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि लोगों के लोकतांत्रिक आंदोलन को इस तरह नहीं रोका जा सकता।

सोनम वांगचुक की सेहत बिगड़ने पर दीपके ने केंद्र पर साधा निशाना

-प्रधानमंत्री विदेश यात्राओं में व्यस्त इन मुद्दों के लिए समय नहीं

-जंतर-मंतर पर जारी भूख हड़ताल के बीच शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल पर बैठे शिक्षाविद् और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने दावा किया कि वांगचुक का स्वास्थ्य लगातार खराब हो रहा है, लेकिन उनकी मांगों को लेकर उनका संकल्प पहले की तरह मजबूत बना हुआ है। दीपके ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा, प्रधानमंत्री तो विदेश यात्राओं में व्यस्त हैं, उनके पास इन मुद्दों के लिए समय ही नहीं है।

अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कि सोनम वांगचुक की तबीयत हर घंटे बिगड़ रही है और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। इससे पहले उन्होंने एक अन्य पोस्ट में दावा किया था कि भूख हड़ताल शुरू होने के बाद से वांगचुक का वजन लगभग दो किलोग्राम कम हो गया है तथा उनका रक्तचाप लगातार गिर रहा है।

सीजेपी पिछले 12 दिनों से जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले में विरोध प्रदर्शन कर रही है। पार्टी की प्रमुख मांग है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें या उन्हें पद से हटाया जाए। साथ ही परीक्षा प्रणाली में हुई कथित अनियमितताओं की जवाबदेही तय करने की भी मांग की जा रही है। इन्हीं मांगों के समर्थन में सोनम वांगचुक ने रविवार से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की है।

मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान अभिजीत दीपके से पूछा गया कि विरोध प्रदर्शन के बीच देश में दो अन्य परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं भी सामने आई हैं। इस पर उन्होंने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के पास इन मुद्दों के लिए समय नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की प्राथमिकताएं अलग हैं और छात्रों की परीक्षाओं से जुड़े गंभीर मामलों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

हाईकोर्ट ने राघव चड्ढा के खिलाफ आपत्तिजनक दस्तावेज हटाने को कहा

-पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा को लेकर व्यापक अंतरिम आदेश से अदालत का इनकार

-राजनीतिक आलोचना वाली सामग्री नहीं हटेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें आंशिक राहत दे दी है। अदालत ने सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल माध्यमों पर प्रसारित पांच आपत्तिजनक दस्तावेज हटाने का निर्देश दिया है, लेकिन कथित मानहानिकारक सामग्री को हटाने या उनके व्यक्तित्व अधिकारों (पर्सनैलिटी राइट्स) की सुरक्षा के लिए कोई व्यापक अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया है। इस आदेश के आधार पर कहा जा रहा है कि राजनीतिक आलोचनाओं वाली सामग्री नहीं हटाई जा सकेगी।

जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की एकल पीठ ने कहा कि जिन पांच दस्तावेजों पर याचिकाकर्ता ने विशेष आपत्ति जताई थी, उन्हें हटाया जाए। हालांकि अदालत ने स्पष्ट किया कि शेष सामग्री प्रथम दृष्ट्या मानहानिकारक या व्यक्तित्व अधिकारों के उल्लंघन की श्रेणी में नहीं आती। इससे पहले 21 मई को अंतरिम राहत की मांग पर सुनवाई के दौरान भी अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा था कि मामला पर्सनैलिटी राइट्स से अधिक राजनीतिक आलोचना का प्रतीत होता है। अदालत ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक नेताओं के निर्णयों की आलोचना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा है और ऐसे मामलों में व्यक्तित्व अधिकारों तथा मानहानि के दावों के बीच अंतर करना आवश्यक है।

राघव चड्ढा ने अपनी याचिका में सोशल मीडिया पर प्रसारित एआई-जनित डीपफेक वीडियो, मॉर्फ्ड तस्वीरों, सिंथेटिक वॉयस क्लोनिंग, मनगढ़ंत भाषणों और अन्य भ्रामक डिजिटल सामग्री पर रोक लगाने की मांग की थी। अदालत को बताया गया कि कुछ तस्वीरों में उन्हें साड़ी पहने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उन पर पैसे बरसाते हुए दिखाया गया है। याचिकाकर्ता का कहना था कि इस प्रकार की सामग्री का उद्देश्य यह संदेश देना है कि उन्होंने राजनीतिक लाभ या धन के लिए अपना पक्ष बदल लिया। सुनवाई के दौरान चड्ढा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव नायर ने दलील दी कि संबंधित सामग्री अश्लील, भ्रामक और मानहानिकारक है। वहीं, अदालत ने टिप्पणी की कि एक राजनीतिक नेता को आलोचना और व्यक्तिगत हमले के बीच अंतर समझना चाहिए तथा हर आलोचनात्मक सामग्री को व्यक्तित्व अधिकारों के उल्लंघन के रूप में नहीं देखा जा सकता। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि प्रतिवादियों की पहचान स्पष्ट न होने की स्थिति में आवश्यकता पड़ने पर एमिकस क्यूरी (अदालत की सहायता के लिए नियुक्त अधिवक्ता) नियुक्त किया जा सकता है। फिलहाल, अदालत ने केवल पांच दस्तावेज हटाने के निर्देश देते हुए व्यापक अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया है।

मणिपुर सीमा पर टेंशन, नागा नाकाबंदी के खिलाफ सड़क पर उतरे कुकी

सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला

इंफाल (एजेंसी)। पूर्वोत्तर भारत में शांति की स्थापना की राह अभी भी चुनौतियों से भरी दिख रही है। मणिपुर में हालिया हिंसा की घटनाओं के बाद अब एक बार फिर हालात संवेदनशील हो गए हैं। इस बार तनाव का केंद्र नागा संगठनों द्वारा जारी आर्थिक नाकाबंदी और उसके खिलाफ कुकी समुदाय का तीखा विरोध है। इम्फाल वेस्ट और कांगपोकपी जिले की सीमा पर मंगलवार को उस समय स्थिति गरमा गई जब लगभग 200 कुकी प्रदर्शनकारी नाकाबंदी के विरोध में मार्च निकालते हुए आगे बढ़ने लगे। हालांकि, सुरक्षाबलों ने समय रहते उन्हें रोक लिया और किसी भी बड़ी झड़प को टालते हुए हालात को बिगड़ने से बचा लिया। यह घटना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि मणिपुर में जातीय तनाव अभी भी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है और किसी भी छोटी चिंगारी से एक बार फिर गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

जानकारी के मुताबिक, कांगपोकपी जिले के मोटबुंग और गामगिफाई इलाके से लगभग 200 कुकी प्रदर्शनकारी गामगिफाई में एकत्र हुए और इम्फाल वेस्ट के कांगलाटोंगबी क्षेत्र के नामदिलोंग की ओर मार्च करने लगे। उनका मुख्य आरोप था कि नागा संगठनों की लगातार जारी आर्थिक नाकाबंदी से आम लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्रदर्शनकारी नेशनल हाईवे पर सामान्य आवाजाही बहाल करने और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग कर रहे थे। सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों को गामगिफाई से आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी और स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया। हालांकि किसी बड़े टकराव की खबर नहीं है, लेकिन पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है और प्रशासन लगातार दोनों पक्षों की गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए हुए है।

पिछले कई हफ्तों से नागा सिविल सोसायटी संगठनों द्वारा एनएच-2 पर विरोध प्रदर्शन और आर्थिक नाकाबंदी जारी है। यह आंदोलन विशेष रूप से छह नागा नागरिकों की हत्या के विरोध में किया जा रहा है। बीते सप्ताह भी उस समय झड़प हुई थी, जब सुरक्षा बलों ने कुकी नागरिकों को सुरक्षा के घेरे में इस मार्ग से निकालने की कोशिश की थी, जिसमें कई प्रदर्शनकारी घायल हुए थे। कुकी-जो संगठन कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी ने शनिवार आधी रात से केंद्र और मणिपुर सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। संगठन ने मांग की थी कि कांगपोकपी जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय और अंतरराज्यीय राजमार्गों पर आवश्यक वस्तुओं, दवाइयों और अन्य जरूरी सामान की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की जाए। चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो विरोध प्रदर्शन और तेज किए जा सकते हैं।

दवाओं की भी आपूर्ति हुई ठप

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस पूरे विवाद की जड़ उन छह नागा नागरिकों की हत्या है, जिनके लिए न्याय की मांग करते हुए नागा संगठनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर व्यापक आर्थिक नाकाबंदी कर रखी है। इस नाकाबंदी से कांगपोकपी जिले में आवश्यक वस्तुओं, दवाइयों और रोजमर्रा की चीजों की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हो रही है, जिससे कुकी समुदाय में भारी नाराजगी है। इसी नाराजगी के चलते कुकी समुदाय के लोगों ने इस प्रदर्शन का निर्णय लिया। हालात की संवेदनशीलता को देखते हुए सीमा क्षेत्र में पहले से ही बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात थे।

डीएमके का 100 करोड़ का मानहानि केस वापस : अन्नामलाई ने कहा, अपने हर आरोप पर कायम

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में मंगलवार को अहम मोड़ आया, जब भाजपा के पूर्व नेता के. अन्नामलाई ने दावा किया कि डीएमके सांसद टी.आर. बालू ने उनके खिलाफ दायर 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा वापस लिया है। इस घटनाक्रम के बाद अन्नामलाई ने कहा कि वे सत्ताधारी पार्टी और उसके नेताओं के खिलाफ लगाए गए अपने सभी भ्रष्टाचार के आरोपों पर आज पूरी तरह कायम हैं।

यह कानूनी विवाद अन्नामलाई के बहुचर्चित डीएमके फाइल्स कैंपेन से जुड़ा है, जिसके तहत उन्होंने सत्तारूढ़ दल के शीर्ष नेताओं, विशेषकर टी.आर.बालू और उनके परिवार की कथित संपत्तियों का ब्यौरा सार्वजनिक किया था। अन्नामलाई ने हुए बताया कि बालू ने डीएमके फाइल्स के माध्यम से उनके और उनके परिवार की संपत्ति व कंपनियों की जानकारी प्रकाशित करने के लिए यह मानहानि का केस दायर किया था।

अन्नामलाई ने बताया कि सुनवाई के दौरान उन्होंने खुद मामले में पैरवी की और व्यक्तिगत रूप से बालू से जिरह की। उन्होंने आरोप लगाया कि जिरह के दौरान बालू ने अदालत में उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिसके जवाब में उन्हें डीएमके सांसद के खिलाफ एक अलग मामला दायर करना पड़ा था। अन्नामलाई ने कहा, आज, थिरु टी.आर. बालू ने अपनी मर्जी से मेरे खिलाफ दायर मानहानि का केस वापस लेने का फैसला किया।

भाजपा के पूर्व नेता ने स्पष्ट किया कि केस वापस लेना बालू का अपना निर्णय था, लेकिन वे पिछली डीएमके सरकार और पार्टी के कुछ सदस्यों के खिलाफ की गई हर एक टिप्पणी पर अडिग हैं। उन्होंने अपनी कानूनी टीम और समर्थन देने वाले वकीलों को धन्यवाद देकर पोस्ट का समापन सत्य की हमेशा जीत होती है! के कथन के साथ किया। यह घटनाक्रम अन्नामलाई द्वारा हाल ही में घोषित वी द लीडर्स आंदोलन के राजनीतिक पार्टी में बदलने की तैयारी के बीच आया है, जिसका लक्ष्य जुलाई तक 50 लाख सदस्य जोड़कर तमिलनाडु में गवर्नेंस, भ्रष्टाचार और ड्रग्स की बढ़ती समस्या जैसे मुद्दों पर एक मजबूत राजनीतिक विकल्प प्रदान करना है।

मंगलुरु में बारिश में मकान पर गिरा मलबा, दो बच्चियों समेत तीन की मौत

मंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक के मंगलुरु में बारिश में एक मकान ऊंचाई से गिरे मलबे में दब गया, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। तीन घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि वे खतरे से बाहर हैं। मंगलुरु के नागोरी में कंकनाडी पुलिस स्टेशन के पीछे यह घटना सुबह करीब 4.30 बजे हुई जब ऊंचाई पर बने एक घर की कंपाउंड वॉल चार अलग-अलग इमारत पर गिर गई। एक घर का पिछला हिस्सा पूरी तरह से ढह गया। इससे मकान में रहने वाले लोग अंदर फंस गए। घटना के तुरंत बाद लोग और बचाव दल मौके पर पहुंचे। आपातकालीन कर्मियों ने एक पुरुष और दो लड़कियों को बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, मलबे के नीचे फंसी एक महिला और दो लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई। बचाव अभियान के बाद उनके शव बरामद किए गए।

रात भर हुई मूसलाधार बारिश से मुंबई में कई सड़कें जाम, पेड़ गिरने से छात्र की मौत

-भारी जलजमाव के चलते अंधेरी सबवे पर यातायात बंद, कई जिलों में अलर्ट जारी

गांधीनगर (एजेंसी)।

मुंबई,(ईएमएस)। मुंबई और उसके उपनगरीय इलाकों में रात भर हुई मूसलाधार बारिश से आर्थिक राजधानी के पहिये धीमे हो गए। भारी जलजमाव के कारण अंधेरी सबवे को एहतियातन यातायात के लिए बंद करना पड़ा। रात भर हुई भारी बारिश से आम जनजीवन भी प्रभावित हुआ है और लोगों ने एक्स पर ट्रैफिक में देरी की जानकारी दी है। प्रभावित इलाकों में ट्रैफिक को दूसरी तरफ मोड़ने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया था। भारी बारिश के बाद सोमवार और मंगलवार को भी अंधेरी सबवे में पानी भर गया था। हालांकि दिन में पानी कम हो गया था, लेकिन रात में फिर से हुई बारिश के कारण दोबारा पानी भर गया, जिससे अधिकारियों को पूर्व-पश्चिम को जोड़ने वाले इस अहम रास्ते को फिर से बंद करना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मानसून की बारिश ने मुंबई और महाराष्ट्र के कई हिस्सों में ज़ोरदार दस्तक दी, जिससे बड़े पैमाने पर अव्यवस्था और ट्रैफिक में रुकावटें आईं और उपनगरों में एक दुखद घटना भी हुई। पश्चिमी उपनगरों में कई जगहों पर पेड़ गिरने की घटनाएं हुईं, जिससे सड़कें बुरी तरह जाम हो गईं। डीएन नगर मेट्रो स्टेशन के पास एक पेड़ उखड़कर गिर गया, जिससे एक बस को नुकसान पहुंचा और आसपास की चीजें कुचल गईं, जिससे लोकल ट्रैफिक रुक गया।

ईस्टर्न फ्रीवे पर कम विजिबिलिटी और फिसलन भरी सड़कों के कारण मंगलवार सुबह दो गाड़ियों की टक्कर हो गई। अंधेरी में स्वामी विवेकानंद रोड पर भी एक बड़ा पेड़ गिर गया। पेड़ काटने वाली मशीनों के साथ नगर निगम के कर्मचारियों को तैनात किया। कम विजिबिलिटी और धीमी गति से ट्रैफिक चलता रहा क्योंकि मुंबई में ज़ोरदार बारिश हो रही थी। फ्रीवे पर दो गाड़ियों की टक्कर हो गई, जिससे और देरी हुई; दुर्घटना में घायल लोगों के बारे में जानकारी नहीं मिली है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मुंबई और उसके आसपास के उपनगरों में लगातार भारी बारिश और बीच-बीच में आंधी-तूफान की भविष्यवाणी की है और नागरिकों को सलाह दी है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें और कमज़ोर ढांचों और घने पेड़ों वाले इलाकों से दूर रहें। इस बीच, चेंबूर में एक स्कूल बस पर बड़ा पेड़ गिरने से 11 साल के छात्र की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। भारी बारिश और तेज़ हवाओं ने मुंबई में तबाही मचाई।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि फिलहाल भारी बारिश से राहत मिलने की संभावना कम है और इस इलाके के लिए चेतावनी का स्तर बढ़ा दिया है। कोंकण क्षेत्र के लिए ऑरेंज अलर्ट क्योंकि तट पर लगातार भारी से बहुत भारी बारिश हो रही है। पुणे ज़िले के लिए ऑरेंज अलर्ट क्योंकि पहाड़ी रास्तों पर तेज़ बारिश हो रही है और छोटे-मोटे भूस्खलन का खतरा है और पुणे शहर के लिए येलो अलर्ट क्योंकि हल्की से मध्यम बारिश लगातार हो रही है।

तेज रफ्तार हाइवा बना काल, टोटो सवार तीन की मौत, तीन गंभीर

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल-उधवा फोरलेन मुख्य पथ स्थित जामनगर बंगाली पाड़ा के पास बीते मंगलवार की रात्रि को हाइवा व टोटो की भीषण टक्कर में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टोटो वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर सभी घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों के द्वारा घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर दिया गया। वहीं टोटो चालक को बेहतर इलाज के लिए पश्चिम बंगाल के मालदा जिला ले जाया गया। हालांकि बुधवार की सुबह इलाज के दौरान टोटो चालक अबूसमा शेख की मौत हो गई। टोटो चालक राधानगर थाना क्षेत्र के पियारपुर गांव के रहने वाला है। घटना के बाद से परिजनों के घर में मातम छा गया। जानकारी के अनुसार राधानगर थाना क्षेत्र बानूटोला (चुआर) के दंपती ऐसुद्दीन शेख पत्नी नुबाहार बीबी अपनी विवाहिता पुत्री यास्मीन खातून को डॉक्टर दिखाने के लिए टोटो पर सवार होकर राजमहल की ओर जा रहे थे। इसी बीच जामनगर बंगाली पाड़ा के पास अचानक विपरीत दिशा से तेज रफ्तार से आ रही हाइवा ने टोटो को जोरदार टक्कर मार दिया। इस टक्कर से टोटो चालक समेत सभी सवारी लहूलुहान हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल हो गया। घटना के बाद सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल भेजा गया। जहां डॉक्टर ने घायल ऐसुद्दीन शेख (46) वर्ष और पत्नी नुबाहार बीबी (52) वर्ष को मृत घोषित कर दिया एवं अन्य सभी घायलों की हालत गंभीर देख प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। गंभीर घायलों को पश्चिम बंगाल के मालदा में भर्ती कराया गया। बुधवार की सुबह इलाज के दौरान घायल टोटो चालक अबूसमा शेख ने दम तोड़ दिया। वहीं अन्य घायलों की हालत काफी नाजुक बताई जा रही है। इधर राजमहल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी प्रकिया पूरी कर पोस्टमार्टम कराकर शव को परिजनों को सौंप दिया है। इधर बुधवार को शव को कफन दफन कर दिया गया। मृतक अबूसमा शेख की शव को पैतृक आवास लाने की प्रक्रिया चल रही थी। इधर हादसे की खबर सुनते ही क्षेत्रीय विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी लिया। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

इस्माइल टोला में 5 जून से शुरू होगी तीन दिवसीय जलसा

उधवा । उधवा प्रखंड क्षेत्र के दक्षिण पलाशगाछी पंचायत के इस्माइल टोला में आगामी 5 जून से तीन दिवसीय जीवनी (धार्मिक जलसा) शुरू होगी। इस दौरान जलसा कमिटी के सदस्य मोहिदुर शेख ने जानकारी देते हुए बताया कि दक्षिण पलाशगाछी पंचायत के इस्माइल टोला में जुमा मस्जिद की तामीर व तरक्की के लिए एक धार्मिक जलसा का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने बताया कि 5 जून से तीन दिवसीय नबी मुहम्मद साहब की जीवनी कथा (जलसा) होगी। उन्होंने बताया कि इसमें प्रधान वक्ता के रूप मे पश्चिम बंगाल से मौलाना अब्दुल मालेक कादरी एवं ताजुश शरियाहजरत आल्लामा मौलाना सैयद शाह माईनुद्दीन हसन कादरी,मौलाना अब्दुल मन्नान,मौलाना मसराउल हक नूरी आदि मौजूद रहेंगे।

उपायुक्त ने बिरसा कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । खरीफ मौसम से पहले किसानों को जागरूक करने के उद्देश्य से कृषि विभाग की ओर से संचालित बिरसा कृषि रथ को बुधवार को समाहरणालय परिसर से उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ 1 से 15 जुलाई तक जिले के सभी प्रखंडों की पंचायतों और संकुलों का भ्रमण करेगा। अभियान के दौरान किसानों को खरीफ फसलों, संभावित सुखाड़ की स्थिति में वैकल्पिक खेती, प्राकृतिक खेती, दलहन-तेलहन, मोटे अनाज, संतुलित उर्वरक उपयोग, समेकित कृषि प्रणाली तथा कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। उपायुक्त ने किसानों से अपील की कि वे अपने पंचायत में आयोजित कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर आधुनिक कृषि तकनीकों और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।.मौके पर उप विकास आयुक्त सतिश चंद्रा, अपर समाहर्ता विजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला मत्स्य पदाधिकारी विरेन्द्र विन्हा, जिला सहकारिता पदाधिकारी महादेव मुर्मू, वरीय वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, डीपीएम जेएसएलपीएस, जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी, उप परियोजना निदेशक, आत्मा एवं आत्मा के कर्मी उपस्थित थे।

महाराजपुर ओवरब्रिज का एक हिस्सा चालू, लोगों को जाम से मिलेगी राहत

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । लंबे इंतजार के बाद महाराजपुर स्थित एनएचआई ओवरब्रिज का एक हिस्सा को आम लोगों के लिए खोल दिया गया। उद्घाटन के साथ ही पुल पर वाहनों का परिचालन शुरू हो गया, जिससे क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं ओवरब्रिज का उद्घाटन प्रोजेक्ट मैनेजर अवधेश सिंह, महेश कुमार सिंह, मैकेनिकल इंजीनियर आशिष सिन्हा, सेफ्टी प्रभारी छाया, हाइवे इंजीनियर अरविंद उपाध्याय तथा हिन्दू धर्म रक्षा मंच के प्रदेश महासचिव बजरंगी महतो की मौजूदगी में किया गया। उद्घाटन के बाद अधिकारियों और निर्माण एजेंसी के कर्मचारियों ने यातायात संचालन की व्यवस्था का जायजा लिया। वहीं अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल ओवरब्रिज के एक लेन को यातायात के लिए चालू किया गया है, जबकि दूसरे हिस्से का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। अनुमान है कि शेष कार्य अगले डेढ़ से दो माह में पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद पुल के दूसरे हिस्से को भी वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा। कहा स्थानीय लोगों ने ओवरब्रिज के आंशिक रूप से शुरू होने पर खुशी जताई। उनका कहना है कि इससे महाराजपुर क्षेत्र में लगने वाले जाम से काफी हद तक राहत मिलेगी, यात्रा पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित और सुगम होगी तथा क्षेत्र के व्यापार और विकास को भी गति मिलेगी। अब लोगों की निगाहें ओवरब्रिज के शेष हिस्से के निर्माण पर टिकी हैं, ताकि परियोजना पूरी तरह चालू होने के बाद आवागमन और भी आसान हो सके।

संक्षिप्त खबरें

खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को दी गयी केसीसी ऋण की जानकारी

उधवा(बिभा) । उधवा प्रखंड सभागार कक्ष में बुधवार को खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड ऋण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान एसबीआई बैंक के एलडीएम प्रदीप कुमार झा दीपक ने उपस्थित किसानों को कृषिका एप के माध्यम से केसीसी ऋण लेने की प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसान भाई कम ब्याज दर में ऋण ले सकते है। साथ ही उन्होंने कहा कि किसान अपने मोबाइल फोन पर कृषिका एप के माध्यम से घर बैठे केसीसी के लिए आवेदन कर सकते है। एप पर केसीसी की पात्रता,जरूरी कागजात,ब्याज दर,सब्सिडी और ऋण की स्थिति की पूरी जानकारी मिलती है। मौके पर एसबीआई आरसेटी प्रशिक्षक उपेंद्र गोप, सीएलएफ इंजार्च बामदेव कुमार, उपप्रमुख मामलोत शेख, बीपीओ प्रियरंजन कुमार, प्रधान सहायक अरुण कुमार गुप्ता, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक हारून रशीद, कम्प्यूटर ऑपरेटर रौशन भगत, रमीज राजा, अमृत मंडल, अभिलेश मुर्मू, मोहम्मद अकरम सहित अन्य मौजूद थे।

तालझारी के कस्तूरबा विद्यालय में मलेरिया मास सर्वे, 98 छात्राओं की रिपोर्ट निगेटिव

तालझारी(बिभा) । मानसून से पहले मलेरिया की रोकथाम को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तालझारी की ओर से बुधवार को कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में मलेरिया मास सर्वे अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 98 छात्राओं की मलेरिया जांच की गई और सभी की रिपोर्ट निगेटिव पाई गई। वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छात्राओं को मलेरिया के लक्षण, बचाव के उपाय, समय पर जांच एवं उपचार के महत्व की जानकारी दी। साथ ही आसपास स्वच्छता बनाए रखने, पानी जमा नहीं होने देने और मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने की भी सलाह दी। स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि बरसात के मौसम में मलेरिया के प्रसार को रोकने के उद्देश्य से यह विशेष मास सर्वे अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत विभिन्न क्षेत्रों में लोगों की जांच कर समय रहते संभावित मरीजों की पहचान और उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है। शिविर में चिकित्सकों के अलावा एमपीडब्ल्यू विनय कुमार एवं जाफर आलम सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि बुखार आने पर लापरवाही न करें और तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं।

बाइपास सड़क की मांग अधूरी, ग्रामीणों ने ब्रिज पर पाइपलाइन बिछाने का कार्य रोका

राधानगर/उधवा (बिभा) । उधवा-राजमहल फोरलेन मुख्य पथ स्थित बाबूटोला कब्रिस्तान के सामने पुल पर पाइपलाइन बिछाने की तैयारी करने पहुंचे पीएचईडी विभाग को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने पुल पर पहुंचकर कार्य को रोक दिया और पहले वर्षों पुरानी बाइपास सड़क की मांग पूरी करने की मांग उठाई। ग्रामीणों का कहना है कि बाबूटोला मोड़ से उधवा चौक तक दोनों ओर घनी आबादी है तथा कब्रिस्तान आवागमन के लिए पुल के दोनों तरफ बाइपास सड़क की मांग लंबे समय से लंबित है। विभाग की ओर से दोबारा स्टीमेट तैयार किए जाने के आश्वासन पर लोग शांत थे। लेकिन बाइपास निर्माण से पहले पुल के पैदल पथ पर पाइपलाइन बिछाने की तैयारी से नाराजगी बढ़ गई। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि यासीन शेख,पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि इब्राहिम शेख,पूर्व मुखिया बदरुद्दोजा समेत अन्य ग्रामीणों का कहना है कि पहले बाइपास सड़क की सुविधा दी जाए। उसके बाद विभाग अन्य कार्य करें।

बैंक दलालों की धमकी से तंग आकर पशुपालन कर्मी ने की आत्महत्या की कोशिश, थाना प्रभारी बने 'फरिश्ता'

बिभा संवाददाता

राजमहल । तीनपहाड़ थाना क्षेत्र से मानवता को शर्मसार कर देने वाली और पुलिस की तत्परता की मिसाल पेश करने वाली एक घटना सामने आई है। यूनियन बैंक के कथित दलालों के उत्पीड़न से तंग आकर पशुपालन विभाग के एक चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी ने आत्मघाती कदम उठाने का प्रयास किया।

क्या है पूरा मामला?

मिली जानकारी के अनुसार, हबीबपुर निवासी महमूद अंसारी, जो तीनपहाड़ में पशुपालन विभाग में कार्यरत हैं, ने अपने बीमार बेटे और मां के इलाज के लिए यूनियन बैंक से लोन लिया था। लंबे समय से वेतन न मिलने के कारण वे लोन की किश्तें नहीं चुका पा रहे थे। आरोप है कि 'गौरव कुमार' नामक एक व्यक्ति, जो खुद को बैंक का प्रतिनिधि या दलाल बताकर महमूद अंसारी को लगातार फोन पर धमकियां दे रहा था। इस मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर पीड़ित ने आत्महत्या करने का निर्णय ले लिया था।

पुलिस की तत्परता और मानवीय चेहरा

पीड़ित के इस कदम की सूचना मिलते ही तीनपहाड़ थाना पुलिस ने तत्परता दिखाई और समय रहते उन्हें बचा लिया। उन्हें इलाज के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में संसाधनों की कमी के बीच राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने एक मिसाल कायम की। अस्पताल में केवल एक ड्रेसर मौजूद होने पर, थाना प्रभारी ने खुद ग्लव्स पहनकर ड्रेसर के साथ मिलकर पीड़ित को प्राथमिक उपचार दिलाने में मदद की। उन्होंने अपने कर्तव्य के साथ-साथ मानवता का भी उत्कृष्ट परिचय दिया। इधर घटना की सूचना मिलते ही राजमहल पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन भी मौके पर पहुंचे और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बैंक के नाम पर धमकी देने वाले दलाल कौन हैं और इस रैकेट के पीछे किसका हाथ है।

यात्री सुविधाओं से लेकर रेलवे स्कूल तक, डीआरएम ने परखी व्यवस्थाएं

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । मालदा रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता ने बुधवार को साहेबगंज रेलवे स्टेशन दौरे के दौरान रेलवे स्टेशन और रेलवे उच्च विद्यालय का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं तथा आधारभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन पर स्वच्छता, यात्री सुविधाओं और चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। यह दौरा रेलवे की विकास योजनाओं और यात्री सुविधाओं की नियमित निगरानी का हिस्सा माना जा रहा है। वहीं स्टेशन निरीक्षण के बाद डीआरएम रेलवे उच्च विद्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों और विद्यालय में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी लेते हुए व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। साथ ही निरीक्षण के उपरांत डीआरएम ने कहा कि रेलवे प्रशासन यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान मिले सुझावों और स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी, ताकि यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

विधायक ने नगर पंचायत क्षेत्र में सात विकास योजनाओं का शिलान्यास, करीब 52 लाख रुपये की योजनाओं की सौगात

बिभा संवाददाता

राजमहल। नगर पंचायत क्षेत्र में बुधवार को करीब 52.04 लाख रुपये की लागत वाली सात विकास योजनाओं का शिलान्यास किया गया। नगर पंचायत कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा, नगर पंचायत अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख, विधायक प्रतिनिधि सह नगर पंचायत उपाध्यक्ष मो. मारूफ उर्फ गुड्डू , कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन एवं वार्ड पार्षदों ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर योजनाओं का शुभारंभ किया। वार्ड संख्या छह में समसानघाट स्थित सार्वजनिक शौचालय के जीर्णोद्धार पर 8.19 लाख रुपये खर्च होंगे। वार्ड चार में एनएच-80 से जयदेव दत्ता के घर तक पेवर ब्लॉक सड़क निर्माण के लिए 4.80 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वार्ड एक में एनएच-80 हाउस ऑफ आजाद से छोटी मस्जिद तक पीसीसी सड़क का निर्माण 2.44 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। इसी प्रकार वार्ड दस में एमडी अजहरुद्दीन से विषहरी स्थान एवं यूसुफ शेख के घर तक पेवर ब्लॉक सड़क निर्माण पर 8.48 लाख रुपये खर्च होंगे। वार्ड 13 में जमाल शेख के घर से कुतुबुद्दीन के घर तक पेवर ब्लॉक सड़क का निर्माण 9.96 लाख रुपये से कराया जाएगा। वार्ड चार में मटाहर शेख के घर से विभिन्न स्थानों तक पेवर ब्लॉक एवं पीसीसी सड़क निर्माण पर 8.21 लाख रुपये तथा वार्ड पांच में एनएच-80 से मैना तालाब तक पेवर ब्लॉक सड़क निर्माण पर 9.93 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं कार्यक्रम में विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने कहा कि नगर क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। आम लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। साथ ही उन्होंने संबंधित एजेंसियों को सभी योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। वहीं कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन ने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में चयनित विकास योजनाओं का शिलान्यास किया गया। मौके पर वार्ड पार्षद सन्नी साह, राजकुमार मंडल, उज्वल हालदार, अनीता बसाक, गीता बर्मन, आलोक राय, मो. बरकत, मो. अयूब सहित अन्य जनप्रतिनिधि, नगर पंचायत के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

डबल मर्डर का 24 घंटे में खुलासा, दो आरोपित गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

देवघर। सोनारायठाड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम उपरनावाडीह में हुए सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड का खुलासा पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर कर दिया। पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में संलिप्त दो आरोपितों को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त हथियार और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए हैं।

जानकारी के अनुसार, 30 जून 2026 को उपरनावाडीह गांव में हुई दोहरी हत्या के मामले में सोनारायठाड़ी थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष जांच दल का गठन किया गया। बताया गया कि प्रेम प्रसंग में हत्या को अंजाम दिया गया था।

जांच के दौरान पुलिस ने वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घटना में संलिप्त शबाना खातून (19) और ईरशाद अंसारी (19), को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी और हथौड़ा, घटनास्थल से रक्त के नमूने, आरोपित के रक्तरंजित कपड़े और वैज्ञानिक जांच से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण प्रदर्श बरामद किए गये हैं।

उधवा : फर्नीचर दुकानदार के कुएं में लगा पानी का मोटर चोरी

उधवा (बिभा संवाददाता)। राधानगर थाना क्षेत्र के पूर्वी उधवा पंचायत भवन के समीप अज्ञात चोरों ने एक फर्नीचर व्यवसायी के कुएं में लगा पानी का मोटर चोरी करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार मियां टोला निवासी असलम खान पूर्वी उधवा पंचायत भवन के निकट सड़क किनारे स्थित अपने निजी मकान में फर्नीचर की दुकान संचालित करते है। उन्होंने बताया कि बीते 29 जून को अपने व्यवसायिक संस्थान के परिसर स्थित कुएं में नया पानी का मोटर एवं आवश्यक उपकरण लगाया था। बुधवार की सुबह करीब 6:30 बजे जब वह कुएं के पास पहुंचे तो मोटर गायब मिला। व्यवसायी ने आसपास काफी खोजबीन की,लेकिन मोटर का कोई सुराग नहीं मिला। असलम खान ने बताया कि उनके संस्थान में यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी चार बार चोरी की वारदात हो चुकी है। जिसमें पानी की पाइप समेत अन्य सामान चोर उड़ा चुके है। लगातार हो रही चोरी से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। पीड़ित व्यवसायी ने राधानगर थाना में आवेदन देकर सनहा दर्ज करने के साथ कार्रवाई करने की मांग किया है।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मुख्य अभियंता (निर्माण)/एस/दक्षिण पूर्व रेलवे, गार्डन रीच, कोलकाता-700043 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है जिसे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किया गया है। निविदा निर्धारित तारीख को **दोपहर 12:00 बजे** बंद कर दी जाएगी। **ई-निविदा सूचना संख्या: 4640-जीआरसी-सीई-सी-एसओ-23-2026, दिनांक: 30.06.2026**। **कार्यों का संक्षिप्त विवरण:** उप मुख्य अभियंता/निर्माण/II/खड़गपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर के अधिकार क्षेत्र के अधीन नीमपुरा रिसेप्शन यार्ड-खड़गपुर तृतीय लाइन कार्य के सम्बन्ध में सड़क ऊपरी पुल, अप्रोच रोड, क्वार्टर्स आदि का निर्माण। **अनुमानित लागत:** ₹ 65.31 करोड़। **बोली प्रतिभूति:** ₹ 1,30,61,300। **पूरा करने की अवधि:** 18 महीने। **बंद होने की तारीख:** 28.07.2026। इच्छुक निविदादाता निविदाओं के पूर्ण विवरण/ब्योरा/स्पेसिफिकेशन के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं और अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। किसी भी परिस्थिति में इस मद के लिए मैनुअल निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। **द्रष्टव्य:** भावी बोलीदाता अन्य सभी निविदाओं में भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** नियमित रूप से देख सकते हैं।
(PR-401)

फीफा वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच के किंग बने किलियन एम्बाप्पे

88 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ रचा इतिहास

स्वीडन पर 3-0 की धमाकेदार जीत

फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल करने का अपना शानदार फॉर्म जारी रखा हुआ है. उन्होंने टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्वीडन के खिलाफ 3-0 की जीत में दो गोल दागकर इतिहास रच दिया और नॉकआउट मैचों में सबसे ज्यादा गोल करने का ऑल-टाइम 88 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया.

नॉकआउट स्टेज में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए – अपने तीसरा वर्ल्ड कप में खेल रहे 27 वर्षीय एम्बाप्पे अब टूर्नामेंट के नॉकआउट स्टेज में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड ब्राजील के स्टार लियोनिडास और रोनाल्डो के नाम था. दोनों के नाम वर्ल्ड कप के नॉकआउट मैच में संयुक्त रूप से 8-8 गोल हैं।

नॉकआउट राउंड में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी

किलियन एम्बाप्पे (फ्रांस): 10 गोल (2018-2022-2026)
रोनाल्डो (ब्राजील): 8 गोल (1998-2002)
लियोनिडास (ब्राजील): 8 गोल (1934-1938)

फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट में एम्बाप्पे के गोल – एम्बाप्पे ने 2018 संस्करण में राउंड ऑफ 16 में अर्जेंटीना के खिलाफ अपना पहला नॉकआउट मैच

खेलते हुए दो गोल के साथ अपनी नॉकआउट यात्रा शुरू की थी. बाद में, उन्होंने फाइनल मुकाबले में क्रोएशिया के खिलाफ गोल करके शानदार प्रदर्शन किया, जहां फ्रांस ने 4-2 से जीत हासिल कर खिताब जीता. 2022 संस्करण में, एम्बाप्पे ने राउंड ऑफ 16 में पोलैंड के खिलाफ दो गोल किए और फिर अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल में हैट्रिक लगाई, लेकिन फ्रांस पेनल्टी शूटआउट में फाइनल हार गया. अब, दो गोल के साथ, एम्बाप्पे ने अपने गोल की संख्या 10 तक पहुंचा दी है।

गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे निकले एम्बाप्पे – एम्बाप्पे ने राउंड ऑफ 32 के मैच में दो गोल किए. जिसके साथ उसके जारी टूर्नामेंट में गोलों की संख्या छह हो गई है और वो अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी के बराबर पहुंच गए, लेकिन दो असिस्ट के कारण वो गोल्डन बूट की रेस में उनसे आगे निकल गए हैं। इसके अलावा वर्ल्ड कप में एमबाप्पे के अब तक कुल 18 गोल हो गए हैं, जो टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा गोल हैं. उन्होंने जर्मनी के फुटबॉल लेजेंड मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है. इस लिस्ट में उनसे आगे सिर्फ लियोनेल मेसी (19) हैं. आने वाले दिनों में इन दोनों स्टार खिलाड़ियों के बीच स्थिति में बदलाव लगभग तय है. अब जब राउंड ऑफ 16 में फ्रांस का सामना पैराग्वे से होगा, तो एम्बाप्पे के पास अपने गोल की संख्या और बढ़ाने का मौका होगा। एमबाप्पे के इस विश्व कप में अब छह गोल हो चुके हैं और वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेस्सी की बराबरी पर पहुंच गए हैं। वहीं, विश्व कप इतिहास में उनके कुल गोलों की संख्या 18 हो गई है।

अंडर-15 चैंपियनशिप

अथर्व शर्मा के 93 रनों की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स फाइनल में पहुंची

गाजियाबाद (एजेंसी)। अथर्व शर्मा (93) की शानदार पारी की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स ने फ्यूचर स्टार अंडर– 15 चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। जहां उसका मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल की विजेता करीम कैपिटल्स चार्जर्स से होगा। पहले समीफाइनल में अथर्व शर्मा के (93) रनों की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स ने सोनीपत किंग्स को 91 रनों से हराया। जबकि दूसरे सेमीफाइनल में सिद्धार्थ तोमर के 65 रनों की मदद से करीम कैपिटल चार्जर्स ने नोएडा ब्लेज को छह विकेट से मात दी। अथर्व शर्मा के 93 रन और अयान सिद्दीकी के चार विकेट ने सोनीपत किंग्स को हराया

मेरठ स्पार्टन्स ने अथर्व शर्मा की 57 गेंदों में 93 रनों की पारी के दम पर 5 विकेट पर 216 रन बनाए ; ओपनर बल्लेबाज़ ने क्रीज पर लंबे समय तक टिककर 17 चौके जड़े। जवाब में सोनीपत किंग्स कभी भी जीत के करीब नहीं पहुंच पाई। कुणाल नागर (60) ने ही कुछ संघर्ष किया, जबकि अयान सिद्दीकी ने 19 रन देकर 4 विकेट लिए और टीम को 125 रन पर ऑल–आउट करके 91 रनों से जीत दिलाई। अर्थव शर्मा को' प्लेयर ऑफ द मैच 'का पुरस्कार मिला। दूसरे समीफाइनल में सिद्धार्थ तोमर की फ़िफ़्टी ने करीम कैपिटल चार्जर्स को नोएडा ब्लेज़ पर जीत दिलाई नोएडा ब्लेज ने चार विकेट पर 160 रन बनाए, जिसमें आकिब सैफी (39) और सक्षम असवाल (38 नाबाद) ने ज्यादातर रन बनाए। करीम कैपिटल चार्जर्स ने एक ओवर बाकी रहते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। सिद्धार्थ तोमर ने 46 गेंदों में 65 रन बनाए और प्रियांशु यादव ने 36 रन का योगदान दिया, जिससे टीम ने छह विकेट से जीत दर्ज की। सिद्धार्थ तोमर को' प्लेयर ऑफ द मैच 'के पुरस्कार से नवाजा गया

भारत और इंग्लैंड मैच से पहले अभिषेक शर्मा को लगा बड़ा झटका

ईशान किशन ने छीना नंबर वन का ताज

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज शुरू होने से पहले टीम इंडिया के धाकड़ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को बड़ा झटका लगा है. वो अब टी20 के नंबर वन बल्लेबाज नहीं रहे. ये स्थान अब उनके साथी ईशान किशन ने हासिल कर लिया है। इसके साथ ही अभिषेक का लगभग एक साल से टॉप पर बने रहने का दबदबा खत्म हो गया है. बुधवार को जारी ढ्ढष्टष्ट की ताजा रैंकिंग में किशन ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की. वो अब 876 रेटिंग पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर हैं. अभिषेक अब किशन से सिर्फ सात रेटिंग पॉइंट पीछे हैं। इसके अलावा किशन अब विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव जैसे दिग्गजों की उस खास लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने टी–20 क्रिकेट में नंबर 1 रैंकिंग हासिल की है. वे ऐसा करने वाले चौथे भारतीय पुरुष बल्लेबाज बन गए हैं।

आईसीसी टी-20 के टॉप 5 बल्लेबाज

ईशान किशन – 876 रेटिंग
अभिषेक शर्मा – 869 रेटिंग
साहिबजादा फरहान – 848 रेटिंग
फिल साल्ट – 792 रेटिंग
पाथुम निसांका – 751 रेटिंग

ट्रेविस हेड बने नंबर वन टेस्ट बल्लेबाज

आईसीसी की ताजा रैंकिंग में एक और बड़े बदलाव देखने को मिला. जिसमें ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड अपने करियर में पहली बार टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर वन स्थान पर पहुंच गए हैं. उन्होंने ये स्थान इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को पछाड़कर हासिल की है. ब्रूक दूसरे स्थान पर खिसक गए, जबकि रूट दो स्थान नीचे गिरकर तीसरे स्थान पर आ गए। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी के दूसरे स्थान पर खिसकने के बाद, भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट गेंदबाजी की रैंकिंग में फिर से नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया है.।

बेल्जियम दौरे के लिए भारतीय जूनियर हॉकी टीम का ऐलान, अनमोल इक्का को मिली कप्तानी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम ने 5 से 18 जुलाई तक होने वाले बेल्जियम दौरे के लिए 22 सदस्यीय जूनियर (अंडर-21) पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तानी डिफेंडर अनमोल इक्का करेंगे। यह दौरा नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में भारतीय जूनियर टीम का पहला अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट होगा। यह दौरा इस साल के आखिर में होने वाले जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। यूरोप की मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलेगा और टीम को अपने संयोजन व रणनीति को परखने का मौका भी मिलेगा।

ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड से होगी भिड़ंत – भारत इस दौरे पर कुल छह मुकाबले खेलेगा। टीम

ऑस्ट्रिया और मेजबान बेल्जियम के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ एक-एक मुकाबला होगा।

भारत का कार्यक्रम
7 जुलाई - ऑस्ट्रिया
8 जुलाई - ऑस्ट्रिया
10 जुलाई - बेल्जियम
13 जुलाई - जर्मनी
14 जुलाई - बेल्जियम
17 जुलाई - नीदरलैंड

कांस्य पदक जीतने वाली टीम के कई खिलाड़ी शामिल – अनमोल इक्का, एडरोहित इक्का, अजीत यादव और रोहित कुल्लू उस भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे जिसने पिछले साल तमिलनाडु में आयोजित जूनियर हॉकी विश्व कप में कांस्य पदक जीता था। इन खिलाड़ियों से एक बार फिर टीम को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

कोच फ्रेडरिक सोयेज ने क्या कहा– मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह दौरा टीम को हर स्तर पर बेहतर बनाएगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह दौरा हमारे खेल, टीम संयोजन, रणनीतिक अनुशासन और अहम मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा। साथ ही खिलाड़ियों के बीच एकता और आत्मविश्वास भी मजबूत होगा।' सोयेज ने आगे कहा, 'यह दौरा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर की अंतरराष्ट्रीय हॉकी की मांगों को समझने और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की मानसिकता विकसित करने में भी मदद करेगा।'

भारतीय जूनियर टीम

गोलकीपर: विवेक लाकड़ा, कुणाल तेवतिया

डिफेंडर: अनमोल इक्का, रोहित कुल्लू, चिराग, रविंदर, प्रशांत बारला, संजीत टिर्की, वी मणिमारन

मिडफील्डर: एडरोहित इक्का, हरपाल, जीतपाल, मुकेश टोप्पो, मन्नू मलिक, रितिक लाकड़ा

फॉरवर्ड: अजीत यादव, प्रभदीप सिंह, अर्जुन हरगुडे, आर्यन सेस, लवनूर सिंह, मोहम्मद कोनैन दाद, गुरुसेवक सिंह।

विंबलडन 2026

रोमांचक मुकाबले में बेरेटिनी से हारे वावरिंका, भावुक अंदाज में कहा अलविदा

इटली (एजेंसी)। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टैन वावरिंका का विंबलडन सफर भावुक अंदाज में समाप्त हो गया। पहले दौर में इटली के माटेओ बेरेटिनी ने चार घंटे 20 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में वावरिंका को 6-7(7), 7-6(16), 7-6(7), 7-6(5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मैच के बाद वावरिंका ने स्वीकार किया कि अब उनके करियर को अलविदा कहने का समय आ गया है।

चार घंटे 20 मिनट तक चला रोमांचक मुकाबला – 41 साल और 106 दिन की उम्र में पुरुष एकल ड्रॉ के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी वावरिंका ने बेरेटिनी को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने पहला सेट टाई-ब्रेक में 9-7 से अपने नाम किया, लेकिन 2021 विंबलडन फाइनलिस्ट बेरेटिनी ने दूसरे सेट का बेहद रोमांचक टाई-ब्रेक 18-16 से जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

टाई–ब्रेक में बेरेटिनी ने दिखाई दमदार वापसी – अंधेरा होने के बाद सेंटर कोर्ट की छत बंद कर दी गई, लेकिन मुकाबले का रोमांच कम नहीं हुआ। तीसरे सेट में बेरेटिनी ने सर्विस ब्रेक

हासिल किया, हालांकि वावरिंका ने तुरंत वापसी कर ब्रेक वापस ले लिया। इसके बाद बेरेटिनी ने लगातार दो टाई-ब्रेक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया और दूसरे दौर का टिकट कटाया।

वावरिंका के जज्बे ने जीता दर्शकों का दिल – आखिरी अंक के बाद स्कोरबोर्ड पर बेरेटिनी की जीत दर्ज थी, लेकिन सेंटर कोर्ट तालियों से वावरिंका के लिए गूंज उठा। स्विस दिग्गज ने उम्र के इस पड़ाव पर भी जिस जज्बे और संघर्ष का प्रदर्शन किया, उसने इस मुकाबले को विंबलडन 2026 के शुरुआती दौर के सबसे यादगार मैचों में शामिल कर दिया।

'जिससे प्यार हो, उसे अलविदा कहना आसान नहीं' – मैच के बाद भावुक वावरिंका ने कहा, 'जिस चीज़ से आप इतना प्यार करते हैं, उसे अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता। मैं हमेशा इस खेल के लिए जुनूनी रहा हूं और शुक्रगुजार हूं कि मुझे यहां आखिरी बार खेलने का मौका मिला। इससे बेहतर विदाई की मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था। मैं संन्यास नहीं लेना चाहता, लेकिन अब रुकने का समय आ गया है। इतने लंबे समय तक खेलने की वजह आज रात जैसे पल ही थे।'

2026 सीजन के अंत में लेंगे संन्यास – वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह 2026 सीजन के अंत में पेशेवर टेनिस को अलविदा कह देंगे। दूसरी ओर, इस जीत के साथ बेरेटिनी ने एक बार फिर विंबलडन में लंबा सफर तय करने की अपनी उम्मीदें मजबूत कर ली हैं।

राजस्थान के 5 तीरंदाजों का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन

जयपुर(एजेंसी)। भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा 26 से 29 जून तक भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), सोनीपत (हरियाणा) में आयोजित चयन ट्रायल के आधार पर राजस्थान के पांच प्रतिभाशाली तीरंदाजों का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन किया गया है. यह राजस्थान के लिए अत्यंत गर्व एवं हर्ष का विषय है। राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि अनुज कुमार और सब-जूनियर कंपाउंड बालक वर्ग में आर्यन पारीक का चयन एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप (दुबई, संयुक्त अरब अमीरात) के लिए किया गया है. इसी प्रकार जूनियर रिकर्व महिला वर्ग की प्रतिभाशाली तीरंदाज प्रांजल ठोलिया एवं खुशी कुमावत का चयन एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप (दुबई, संयुक्त अरब अमीरात), कोरिया आमंत्रण तीरंदाजी प्रतियोगिता (केएए इनविटेशनल टूर्नामेंट) और एशिया कप तीरंदाजी प्रतियोगिता (चीन एवं इराक) के लिए हुआ है. वहीं जूनियर कंपाउंड पुरुष वर्ग के सचिन चेहची का चयन एशिया कप तीरंदाजी प्रतियोगिता (चीन एवं इराक) के लिए किया गया है। तीरंदाजी का स्तर बढ़ रहाः राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि राजस्थान के खिलाड़ियों का लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन होना राज्य में तीरंदाजी के बढ़ते स्तर का प्रमाण है. उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश एवं प्रदेश का नाम रोशन करेंगे ।

आस्ट्रेलिया 8वीं बार महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में

सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से रौंदा

ओवल (एजेंसी)। मंगलवार को 'द ओवल' में खेले गए पहले सेमीफाइनल में, छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने वेस्ट इंडीज़ को आसानी से हराकर विमेंस ञ्20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में अपनी जगह

पक्की कर ली। पहले गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए, ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों ने वेस्टइंडीज को 125 रन पर रोक दिया और फिर 13 ओवर में ही इस आसान लक्ष्य को हासिल कर लिया।

मिडिल ओवरों में वेस्टइंडीज का 12 रन पर 4 विकेट गंवाना उन पर भारी पड़ा. इसकी वजह से मैच का रुख पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में मुड़ गया और वेस्टइंडीज के पास बचाव के लिए बहुत कम रन बचे।

ऑसट्रेलिया की तरफ से बेथ मूनी के 36 गेंद में नाबाद 61 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें आठ चौकों शामिल थे. जबकि गार्डनर ने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का की मदद 20 गेंद में 35 रन बनाए।

इससे पहले जॉर्जिया वोल (16) और फीबी लिचफील्ड (चार) सस्ते में आउट हो गई थी जबकि एलिसे पैरी चोट लगने के बाद दो के स्कोर पर 'रिटायर्ड हर्ट' होकर लौट गई। मूनी और गार्डनर ने हालांकि आस्ट्रेलिया का महिला क्रिकेट में दबदबा कायम रखते हुए एक और फाइनल में पहुंचाया जहां रविवार को उनका सामना दक्षिण अफ्रीका या इंग्लैंड से होगा। इससे पहले वेस्टइंडीज की शुरूआत काफी खराब रही और 11वें ओवर में सिर्फ 59 के स्कोर पर उसके चार विकेट गिर चुके थे. कप्तान हीली मैथ्यूज (28 गेंद में 30 रन) और शेमेइन कैंपबेल (25 गेंद में 22) को छोड़कर कोई बल्लेबाज टिककर खेल नहीं सकी. आस्ट्रेलिया के लिये कप्तान सोफी मोलिनू, जॉर्जिया वेयरहैम और एशले गार्डनर ने दो दो विकेट लिये।

एमसीसी की मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित हुए पुजारा, कहा- इंग्लैंड दूसरे घर जैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेतेश्वर पुजारा ने अपने टेस्ट करियर के दौरान आस्ट्रेलिया में कुछ बेहतरीन पारियां खेली लेकिन हाल ही में एमसीसी की आजीवन सदस्यता पाने वाले इस पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा कि इंग्लैंड उन्हें दूसरे घर जैसा लगता है। भारतीय टीम के साथ तीन बार इंग्लैंड का दौरा करने वाले पुजारा काउंटी क्रिकेट में कई टीमों के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने राजकोट के बाद अपना सबसे अधिक समय इंग्लैंड में बिताया है।

प्रसिद्ध लॉर्ड्स स्टेडियम में स्थित मैरीलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) की मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित पुजारा ने कहा, 'मैं काउंटी क्रिकेट में काफी खेला हूं। इसलिए जब आप वहां बहुत क्रिकेट खेलते हैं तो आपको घर जैसा महसूस होने लगता है। मेरे लिए ख्रष्टष्ट का हिस्सा बनना बहुत खुशी और सौभाग्य की बात है।' इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने इंटरव्यू में कहा, 'ख्रष्टष्ट की मानद सदस्यता मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। एक क्रिकेटर के तौर पर जब आपने अपने पूरे करियर में कड़ी मेहनत की हो और जब उसे पहचान मिले तो फिर आपको अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होता है।'

पुजारा ने लॉर्ड्स में जो तीन टेस्ट मैच खेले हैं, उनमें से भारत ने दो मैच जीते। भारत की तरफ से वह इस ऐतिहासिक मैदान पर शतक नहीं लगा पाए लेकिन उन्होंने ससेक्स की तरफ से खेलते हुए यहां दोहरा शतक लगाया है। भारत की तरफ से 103 टेस्ट मैच खेलने वाले पुजारा दुनिया के सभी प्रसिद्ध मैदानों पर खेले हैं लेकिन लॉर्ड्स में खेलने का अनुभव कुछ अलग ही होता है।

उन्होंने कहा, 'लॉर्ड्स में क्रिकेट खेलने और वहां क्रिकेट देखने की मेरी कुछ अच्छी यादें हैं। 2011 में मेरे घुटने की सर्जरी लंदन में हुई थी और इसके लिए जब मैं वहां डॉक्टर से सलाह ले रहा था, तो मैंने लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड का का दौरा किया। क्योंकि उससे पहले मैं कभी लॉर्ड्स में नहीं खेला था।' पुजारा ने कहा, 'जब आप उस मैदान में कदम रखते हैं, तो उसका एक अलग ही माहौल और अलग ही ऊर्जा होती है। जब आप एमसीसी के आजीवन सदस्य बन जाते हैं, तो आपको वहां जाकर क्रिकेट देखने का विशेषाधिकार मिल जाता है। मेरा बचपन से ही सपना था कि मैं वहां क्रिकेट खेलूं।'

श्रीसंत को केरल क्रिकेट संघ से बड़ी राहत, तीन साल का प्रतिबंध हटाया, चेतावनी भी दी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर एस श्रीसंत पर पिछले साल लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को बुधवार को हटा लिया। यह प्रतिबंध संघ के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के कारण लगाया गया था।

केसीए के बयान के मुताबिक उसने अपनी विशेष आम बैठक में प्रतिबंध हटाने का फैसला किया। बयान में कहा गया है कि यह फैसला क्रिकेटर के बिना शर्त माफी मांगने और केसीए के खिलाफ अपनी टिप्पणी के लिए खेद जताने के बाद किया गया। बयान के अनुसार श्रीसंत पर यह प्रतिबंध पिछले केरल क्रिकेट लीग के मुकाबलों से पहले लगाया गया था। हालांकि, एसोसिएशन ने श्रीसंत को चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसा कोई भी व्यवहार करने पर उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंध हटने के बाद श्रीसंत केरल क्रिकेट लीग के तीसरे सीजन में 'एरीज कोल्लम सेलर्स' फ्रैंचाइजी के सह-मालिक के तौर पर बने रह सकेंगे। ऋष्ट ने पिछले ऋष्टरु सीजन से पहले यह प्रतिबंध लगाया था।

जिला में विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य प्रारंभ, सभी का सहयोग जरूरी : संदीप कुमार मीना

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार लोहरदगा जिला में विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआइआर)-2026 के सफल संचालन को लेकर बुधवार 1 जुलाई को उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार मीना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।
उपायुक्त ने बताया कि एसआइआर कार्य को सफलता पूर्वक संपन्न कराने एवं अनुश्रवण के लिए पेशरार, किस्को, कुडू, सदर प्रखण्ड व नगर परिषद क्षेत्र में जिला स्तर से पदाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गयी है। बीएलओ के सहयोग के लिए वॉलेंटियर्स की भी प्रतिनियुक्ति की गयी है। वहीं प्रत्येक प्रखण्ड व नगर क्षेत्र में एईआरओ हैं। जिला स्तर पर अनुमण्डल पदाधिकारीस-सह-इआरओ , उप निर्वाचन पदाधिकारी और पीडी आइटीडीए द्वारा भी अनुश्रवण किया जा रहा है।
उपायुक्त ने बताया कि जिला में विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य प्रारंभ हो गया है। इसमें 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ जिला के प्रत्येक मतदाता के घर-घर जाकर गणना पत्र का वितरण करेंगे। मतदाता को गणना पत्र की दो प्रतियां दी जाएंगी जिसमें दोनों प्रपत्रों को उसे भरना होगा। एक प्रति में मतदाता हस्ताक्षर कर बीएलओ को वापस करेंगे। वहीं दूसरी प्रति में बीएलओ हस्ताक्षर कर मतदाता को पावती के रूप में वह प्रति वापस करेंगे। बीएलओ द्वारा उस प्रति को बीएलओ एप के माध्यम से डिजिटाइज किया जाएगा। जिन मतदाताओं द्वारा गणना पत्र को भरने के पश्चात हस्ताक्षर कर वापस किया जाएगा उन्हीं का नाम प्रारूप मतदाता सूची में रहेगा। प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 5 अगस्त को होगा। गणना प्रपत्र भरकर जमा करने व हस्ताक्षर कर वापस देने का कार्य संबंधित मतदाता के परिवार के वयस्क सदस्य द्वारा भी किया जा सकता है। जो मतदाता जिला में नहीं हैं वे अपने बीएलओ से संपर्क कर या भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल के माध्यम से भी गणना प्रपत्र जमा कर सकते हैं।
जो मतदाता अभी तक अपनी मैपिंग नहीं करा सके हैं उनकी भी मैंपिंग 30 जून से 29 जुलाई 2026 के दौरान हो सकेगी। इसके लिए वे अपने बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं।
जिनकी उम्र 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही हो या हो चुकी हो वे बीएलओ से फार्म-6 प्राप्त कर एक घोषणा पत्र के साथ भरकर बीएलओ के पास जमा करेंगे। इस प्रकार 7 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन में उनका नाम शामिल हो सकेगा।
यदि आप पात्र भारतीय नागरिक हैं और आपका नाम वर्तमान मतदाता सूची में पंजीकृत नहीं हैं तो फॉर्म-6 एवं घोषणा पत्र के साथ जन्मतिथि के अनुसार स्वयं के साथ माता/पिता या स्वयं के साथ माता एवं पिता दोनों के दस्तावेज देना होगा।
जिला प्रशासन की ओर से आमजनों से अपील है कि 30 जून से प्रारंभ हुए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में जिला प्रशासन का सहयोग करें। जब बीएलओ आपके घर जाएं तो उन्हें पूर्ण सहयोग करें और गणना प्रपत्र को भरकर और हस्ताक्षर कर वापस करें ताकि आप और आपके परिवार के सदस्य का नाम अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन में शामिल हो सके।
इस अवसर पर पीडी आइटीडीए - सह-वरीय पदाधिकारी निर्वाचन सुषमा नीलम सोरेंग, उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी-सह-इआरओ अमित कुमार, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी शिवनंदन बड़ाईक समेत अन्य उपस्थित थे।

जंगली हाथियों का कहर, तीन घरों को किया ध्वस्त, भुक्तभोगी बच्चे ने मदद की लगाई गुहार

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के रनिया थाना क्षेत्र में हाथियों का उपद्रव से ग्रामीण दहशत में है। जहाँ सोमवार की देर रात को हाथी ने तीन घरों को निशाना बनाया। जहां आए दिन जंगली हाथी दिन हो या रात , कभी भी जंगलों से निकलकर मुख्य मार्गों पर भटक रहे हैं।जिले के सुदूरवर्ती बलंगकेल में जंगल से निकलकर जंगली हाथी गाँव के बीच पहुँचा और अनाज की खोज में तीन घरों को निशाना बना डाला। जिसमें जंगली हाथी ने तीन किसानों के कच्चे खपरैल मकान को तोड़ दिया जिससे घर के अंदर राखा सामान बर्बाद हो गया। इससे काफी क्षति हुई। यही मात्र नहीं, बल्कि घर के अंदर रखे धान व चावल को खाकर तीतर बितर कर दिया। इससे किसानों को भारी परेशानी बढ़ गयी है। इस हाथी के हमले से चरका नाग के मकान को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है। हाथी के हमले की भनक लगते ही घर के अंदर सो रहे परिवार के तीन सदस्य चौकी के नीचे घुसकर अपना जान बचाए। जंगली हाथियों ने लक्ष्मण नाग और पार्वती देवी के कच्चे खपरैल मकान को तोड़कर मकान के अंदर संग्रहित खाद्य सामग्री को खाया और सामान तितर-बितर कर दिया। हाथी के हमले से मकान के अंदर रख दैनिक उपयोगी सामग्री बर्बाद हो गये। ग्रामीण इस बारिश के मौसम में घर क्षतिग्रस्त होने से परेशानी बढ़ गया जिसका चिंता सताने लगा है। अपने घर के टूट जाने से एक भुक्तभोगी मासूम ने सरकार से गुहार लगाया कि उसे मदद करे और मुआवजा की मांग की। वहीं अन्य दो लोगों ने भी तत्काल सहायता राशि की मांग की है। ताकि बरसात में गरीबी के बीच जीवन जीने का सह था बन सके। जिसमें पीड़ित परिवारो ने स्थानीय जनप्रतिनिधि और वन विभाग के कर्मियों को मामले की जानकारी देकर जंगली हाथियों के द्वारा पहुँचाये गए नुकसान की भरपाई करने का मांग किया है.लगातार जंगली हाथी का आतंक प्रखंड क्षेत्र में बढ़ने से स्थानीय निवासी भयभीत है.किसानों को जंगली हाथियों के द्वारा मकान को तोड़ने और अनाज को खाने से बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है।

संक्षिप्त खबरें

बारिश कम होने पर अन्य खरीफ फसल लगाने का किसान अवश्य करें विचारः हर्षिकेश कुमार

खूँटी(बिभा) । मौसम विभाग खूँटी सहित झारखण्ड के विभिन्न हिस्सों को बारिश को लेकर येलो जोन की घोषणा भले ही की है। लेकिन खूँटी के कई गाँव में पर्याप्त बारिश का घोर अभाव देखा गया। जबकि आसमान में बादल दिखाई देता है । पर , बारिश नहीं हो रही है जिसके इंतिजार में आज भी किसान आस लगाए हुए हैं। कई गाँवों के किसान बारिश के अभाव में तो अबतक बिचड़ा के लिए धान तक छींटा नहीं गया है। कहीं कहीं बिचड़ा के धान छींट दिया गया लेकिन पर्याप्त पानी के अभाव में दिक्कत हो गयी है। धान खरीद कर किसान बिचड़ा बनाने लगे हैं और पानी नहीं आने पर अब पटवन करके बिचड़ा तैयार कर रहे हैं। वहीं अब बिचड़ा बो लेने वाले किसानों को बारिश नहीं होने का डर सताने लगा है। तो जिला कृषि पदाधिकारी हर्षिकेश कुमार ने कहा कि बारिश नहीं होने पर अन्य खेती का ऑप्शन हो सकता है। जैसे मड़ुआ सहित अन्य खरीफ फसल की खेती के लिए मकई उड़द अरहर मूंग की खेती किया जा सकता है।

प्रतापपुर के सड़क किनारे 30 वर्षीय एक अज्ञात युवक का शव बरामद

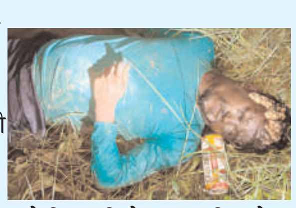

तमाड़(बिभा) । विगत मंगलवार की रात को एक अज्ञात युवक का शव मिलने से तमाड़ थाना क्षेत्र के प्रतापपुर गांव के आसपास सनसनी फैल गई। जब लोगों ने देखा कि समीप सड़क किनारे एक अज्ञात युवक है तो इसकी जानकारी पुलिस को दिया । जिसे तमाड़ पुलिस ने बरामद शव के बालू जानकारी जुटाने लगी है। मृतक ने शर्ट व पैंट पहन रखी थी। उसके सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं। बगल में बीर्पुयर का डब्बा पाया गया। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होता है। आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या किसी अन्य स्थान पर करने के बाद साक्ष्य छिपाने की नीयत से शव को प्रतापपुर के समीप सड़क किनारे फेंक दिया गया। हालांकि, घटना के कारणों का खुलासा जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा। घटना की सूचना मिलते ही तमाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जाँच शुरू कर दी। मृतक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। वहीं शव का पता लगाने के लिए अगल-बगल के थाना में शव का फोटो भेज दिया गया है और अगर कैसी भी व्यक्ति गाँव घर में नहीं है तो उसके बारे पता लगाने लिए लोगों से अपील किया गया है।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत घर-घर जाकर बीएलओ द्वारा प्रगणना प्रपत्र का किया जा रहा वितरण

खूँटी(बिभा) । जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 30 जून 2026 से 29 जुलाई 2026 तक घर-घर प्रगणना अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अवधि में बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं के बीच प्रगणना प्रपत्र का वितरण कर रहे हैं। संबंधित क्षेत्र के इलेक्शन रिप्रेजेंटेटिव ऑफीसर एवं असिस्टेंट इलेक्शन रिप्रेजेंटेटिव ऑफीसर द्वारा अपने-अपने क्षेत्र के घरों में फॉर्म का वितरण कार्य कराया जा रहा है। इस दौरान बीएलओ मतदाताओं को प्रपत्र भरने की प्रक्रिया की जानकारी भी दे रहे हैं तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण रूप से भरे हुए प्रपत्र उपलब्ध कराने का आग्रह कर रहे हैं। अभियान के दौरान मतदाता सूची के शुद्धिकरण, पात्र मतदाताओं का नाम जोड़ने, अपात्र एवं स्थानांतरित मतदाताओं से संबंधित विवरण के अद्यतन का कार्य भी किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदाताओं से अपील की गई है कि वे प्रगणना प्रपत्र को सही एवं पूर्ण रूप से भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने संबंधित बीएलओ को समय पर उपलब्ध कराएं, ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। जिला प्रशासन ने सभी मतदाताओं से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने तथा बीएलओ को आवश्यक सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया है।

पद्मभूषण कड़िया मुण्डा के आवास में अखिल भारतीय सरना समाज की हुई बैठक

खूँटी(बिभा) । जनजातीय समाज के विकास और सामाजिक उत्थान के लिए सक्रीय रुप से कार्य करते आ रहा अखिल भारतीय सरना समाज का बुधवार को पद्मभूषण कड़िया मुण्डा के आवास में कोर कमिटी का बैठक किया गया। जिसमें रुढ़िजन्य समाज को जनजागरण कर उनके बीच शिक्षा संस्कार व धर्म आस्था के प्रति जनजागरण करने के विषय में विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर पद्मभूषण कड़िया मुण्डा ने बताया कि विभिन्न राज्यों में जनजातीय समुदाय के लोग हैं। जो झारखंड के जनजातीय समुदाय से कहीं आगे हैं। जिन्होंने कभी भी अपने पूर्वजों के द्वारा बताए मार्ग को नहीं छोड़ा। और पुरातन संस्कृति को सहेजते हुए अपना और समाज का विकास किया। हमारे झारखंड में रुढ़िजन्य समाज में गरीबी और अशिक्षा दोनों है। इसलिए लोग दिग्भ्रमित करके अपने मूल संस्कृति से भटका देते हैं। वैसे लोगों के बीच जाकर समाज के लोगों के साथ मिलकर कार्य करना होगा तभी सम्भव होगा।

उपायुक्त ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा बेहतर शिक्षण परिणाम के लिए अभिभावकों की भागीदारी आवश्यक : उपायुक्त

जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में 04 जुलाई तक होगी शिक्षक-अभिभावक बैठक

बिभा संवाददाता

खूँटी । समाहरणालय परिसर से उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने शिक्षक-अभिभावक बैठक के व्यापक जनजागरूकता अभियान के तहत जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं विद्यालयों में भ्रमण कर अभिभावकों को शिक्षक-अभिभावक बैठक में सहभागिता के लिए प्रेरित करेगा।
इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा बेहतर शिक्षण परिणाम सुनिश्चित करने में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक एवं अभिभावकों के बीच नियमित संवाद से बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, उपस्थिति, व्यवहार तथा सीखने में आने वाली कठिनाइयों का समय पर समाधान संभव हो सकेगा। इसलिए अभिभावकों से अपील है कि वह बैठक में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।
जागरूकता रथ के माध्यम से अभिभावकों को शिक्षक-अभिभावक बैठक के उद्देश्य, बच्चों की नियमित उपस्थिति, लर्निंग गैप को कम करने, विद्यालय एवं परिवार के संयुक्त प्रयासों तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में अभिभावकों की भूमिका के संबंध में जागरूक किया जाएगा। साथ ही सभी अभिभावकों से निर्धारित तिथियों में अपने बच्चों के विद्यालय पहुंचकर शिक्षक-अभिभावक बैठक में अनिवार्य रूप से भाग लेने की अपील की जाएगी।
इस अवसर पर अपर समाहर्ता सुषमा लकड़ा, जिला शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील, अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी अमित कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के मौके पर चिकित्सकों को किया गया अभिनन्दन

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के विभिन्न अस्पतालों में बुधवार को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर, चिकित्सकों को फूल , पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ आनन्द किशोर उराँव समेत अनेक चिकित्सकों बधाई दिया गया। इस दौरान डॉ आनन्द किशोर उराँव ने बताया कि हर वर्ष 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के महान चिकित्सक, स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद और पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय की जयंती और पुण्यतिथि की स्मृति में मनाया जाता है। संयोग से उनका जन्म और निधन, दोनों ही 1 जुलाई को हुआ था।
बता दें कि, डॉ विधान चंद्र राय के जन्मदिन को चिकित्सक सम्मान के रुप में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया जाता है। यह दिवस मनाने का उद्देश्य है कि डॉक्टरों के समाज और मानवता के प्रति योगदान का सम्मान करना। साथ ही, लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना। चिकित्सक और मरीज के बीच विश्वास एवं सम्मान को मजबूत करना। तथा चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं को प्रोत्साहित करना विशेष महत्व है।

ब्रेन मलेरिया के लगातार बढ़ते प्रकोप पर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने जतायी गहरी चिंता

बिभा संवाददाता

खूँटी । पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड में ब्रेन मलेरिया के लगातार बढ़ते प्रकोप पर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि अब तक चार मासूम बच्चों की असामयिक मृत्यु अत्यंत दुखद एवं चिंताजनक है, जबकि अनेक मरीज अभी भी इस गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं।
पूर्व मुख्यमंत्री आज सदर अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने उपचाराधीन मरीजों एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा चिकित्सकों से मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की।
इस दौरान उन्होंने सिविल सर्जन के साथ विस्तृत चर्चा कर पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित एवं प्रभावी चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित करने, जांच एवं उपचार की व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा बचाव एवं जनजागरूकता अभियान को युद्धस्तर पर संचालित करने का निर्देश दिया।
श्री मुंडा ने राज्य सरकार से भी आग्रह किया कि इस गंभीर स्थिति को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक संसाधनों, पर्याप्त चिकित्सकीय सुविधाओं तथा स्वास्थ्यकर्मियों की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि बीमारी पर शीघ्र प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके और लोगों को समय पर उपचार मिल सके।
उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में उनकी गहरी संवेदनाएं सभी शोकाकुल एवं प्रभावित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने दिवंगत बच्चों की आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। साथ ही ईश्वर से सभी मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मां बच्चे की सुरक्षा के लिए कुलडा जंगल के मुख्य सड़क पर पहरा देते हैं हाथी

हाथियों का सड़क पर विचरण से प्रतिदिन थम जाता है पहिया, राहगीरों को आवागमन में दहशत

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के तोरपा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुल्डा जंगल में राजकीय राजमार्ग 03 पर जंगली हाथियों के कारण आजकल प्रतिदिन वाहनों का चक्का अक्सर थम जाता है। आजकल कुल्डा जंगल हाथियों का आशियाना बना हुआ है। हाथी जंगल के बीच से बने सड़क पर दिन में चार पांच बार सड़क पर ही विचरण करते नजर आते हैं। बताया जाता है कि जंगल में छह हाथी और एक हथिनी है। हथिनी एक बच्चे को जन्म दी है । जिसके इर्द-गिर्द सारे हाथी रहते हैं। लेकिन एक या दो हाथी सड़क पर रहता है। जंगल के बीच राजमार्ग 03 पर अलग अलग हाथी सड़क पर बारी बारी से आते हैं। ऐसा लगता है मानो हथिनी और उसके बच्चे की सुरक्षा पर कोई सेंध न मार दे। बताया जाता है कि हाथी अपने परिवार की सुरक्षा का भी ख्याल भली भांति रखते हैं। जिस कारण सड़क पर गुजरनेवाले लोगों में कोई उनके विरोधी न हो इसलिए एक हाथी जंगल के उस जगह पर रहता है जहां से मनुष्य गुजरते हैं।
बताया जाता है कि जंगल में बसनेवाले गज समूह को ग्रामीण दौड़ाते हैं और परेशान करते हैं। ऐसे में हाथी भी अपना परिवार की सुरक्षा चाहता है। वहीं मुख्य मार्ग पर विचरण करते हाथी को लोग देखने पहुंच जाते हैं और अपने कैमरे में उसकी सारी करतूतों को कैद कर लेते हैं। हाथी किसी को भयभीत करने की कोशिश भी नहीं करता है। लेकिन हाथी जिस प्रकार सड़क पर विचरण करता रहता है भारी वाहन हो या बस या छोटी गाड़ियाँ। सारे लोग एक पल के लिए भयभीत हो जाते हैं और वाहनों को रोक देते हैं। क्योंकि हाथी का दौड़ और प्रहार से क्षेत्र के हर कोई परिचित हैं। इससे न केवल ग्रामीणों को भय के कारण दिक्कत हो रहा है बल्कि विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों और दूरगामी बसें व भारी वाहनों को समय से गंतव्य तक पहुंचने में भी समस्या उत्पन्न हो जाती है।

समाजसेवी राय साहब बलदेव साहू की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई, धीरज प्रसाद साहू ने किया हवन-पूजन व माल्यार्पण

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा स्थित साहू भवन में प्रख्यात समाजसेवी एवं जनसेवा के लिए समर्पित रहे राय साहब बलदेव साहू की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना एवं हवन में भाग लिया तथा राय साहब बलदेव साहू के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।
कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन से हुआ। उपस्थित लोगों ने राय साहब बलदेव साहू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि राय साहब बलदेव साहू ने अपना पूरा जीवन समाज सेवा, शिक्षा, जनकल्याण और सामाजिक समरसता को समर्पित किया। उनके द्वारा किए गए कार्य आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।
पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राय साहब बलदेव साहू के आदर्श, सेवा भाव और समाज के प्रति समर्पण की भावना सदैव लोगों का मार्गदर्शन करती रहेगी। उन्होंने कहा कि समाज को उनके बताए मार्ग पर चलकर आपसी भाईचारा, सहयोग और जनसेवा की भावना को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्वों की पुण्यतिथि केवल उन्हें याद करने का अवसर नहीं होती, बल्कि उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लेने का भी दिन होता है।
कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने राय साहब बलदेव साहू के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को साझा किया और उनके सामाजिक योगदान की सराहना की। सभी ने उनके दिखाए मार्ग पर चलने तथा समाज हित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि सभा का वातावरण पूरी तरह श्रद्धा, सम्मान और आध्यात्मिक भावनाओं से ओत-प्रोत रहा।
इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि निशिथ जायसवाल, आलोक राय, कैलाश केशरी, हिमांशु केशरी सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक एवं परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने राय साहब बलदेव साहू को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

बॉक्साइट ट्रकों से जाम पर प्रशासन सख्त, नियम उल्लंघन पर होगी कानूनी कार्रवाई

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। हिंदाल्को बॉक्साइट ट्रकों के डम्पिंग यार्ड के मुख्य मार्ग से लेकर हेसल डम्पिंग रोड तक लगातार उत्पन्न हो रही जाम की समस्या को गंभीरता से लेते हुए अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।
बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी ने स्पष्ट एवं सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी परिस्थिति में सड़क पर जाम की स्थिति नहीं बनने दी जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मुख्य सड़क पर बॉक्साइट ट्रक खड़े पाए गए अथवा उनके कारण यातायात बाधित हुआ, तो संबंधित वाहन मालिकों एवं जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
बैठक में जाम की समस्या के स्थायी समाधान, ट्रकों के सुव्यवस्थित संचालन, निर्धारित मार्ग एवं पार्किंग व्यवस्था का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही सभी संबंधित पक्षों को प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पूर्णतः पालन करने का निर्देश दिया गया।
इस बैठक में हिंदाल्को के प्रतिनिधि, जिला परिवहन पदाधिकारी, सब डिवीजनल पुलिस ऑफिसर (एसडीपीओ), सड़क सुरक्षा टीम के अधिकारी, बॉक्साइट माइनिंग ट्रक कमेटी के अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में ट्रक मालिक उपस्थित रहे। बैठक के अंत में प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यातायात व्यवस्था बनाए रखना सभी संबंधित पक्षों की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा आम नागरिकों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई की जाएगी।

पूर्वी सिंहभूम में मलेरिया से मौत के बाद सरकार अलर्ट, सभी उपायुक्तों को व्यापक रोकथाम अभियान चलाने का निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची। पूर्वी सिंहभूम जिले में मलेरिया से हुई मौत और संक्रमण के बढ़ते मामलों को गंभीरता से लेते हुए झारखंड सरकार ने राज्यभर में मलेरिया की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए व्यापक अभियान चलाने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने बुधवार को सभी उपायुक्तों को पत्र जारी कर तत्काल प्रभाव से प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है।

अपर मुख्य सचिव की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि जिन क्षेत्रों में मलेरिया के मामले सामने आ रहे हैं, वहां विशेष कार्ययोजना बनाकर संक्रमण पर कड़ी निगरानी रखी जाए। बुखार प्रभावित क्षेत्रों में बहुद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकताओं (एमपीडब्ल्यू) और सहियाओं के माध्यम से घर-घर जाकर सक्रिय सर्वेक्षण कराया जाएगा। संदिग्ध मरीजों की तत्काल जांच कर संक्रमित पाए जाने पर बिना विलंब उपचार शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही गंभीर मरीजों के समुचित इलाज, अस्पताल में भर्ती और नियमित फॉलो-अप की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।

निर्देश के अनुसार, प्रत्येक नए मलेरिया मरीज की पहचान होने पर संबंधित क्षेत्र में फीवर सर्वे और मास सर्वे अभियान चलाया जाएगा। अधिक प्रभावित गांवों में सहियाओं को रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट (आरडीटी) किट तथा आवश्यक मलेरिया रोधी दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में जांच सामग्री और दवाओं का पर्याप्त भंडारण रखने के साथ प्रभावित क्षेत्रों में कीटनाशी दवाओं का छिड़काव तथा लार्वा नियंत्रण अभियान तेज करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम की प्रभावी निगरानी के लिए राज्य सरकार ने त्रिस्तरीय समीक्षा व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। अपर मुख्य सचिव ने सभी उपायुक्तों से व्यक्तिगत स्तर पर अभियान की निगरानी करने, संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने तथा संक्रमण पर शीघ्र नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा है, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके।

स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि समय पर जांच, त्वरित उपचार, नियमित निगरानी और जनजागरूकता के माध्यम से मलेरिया के प्रसार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में सभी जिलों में विशेष अभियान संचालित किया जाएगा।

उत्तर मध्य रेलवे की ऐतिहासिक उपलब्धि: टूंडला-पनकी धाम सेक्शन पर कवच 4.0 का सफल संचालन

बिहान भारत

प्रयागराज : रेल सुरक्षा के क्षेत्र में उत्तर मध्य रेलवे ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उत्तर मध्य रेलवे ने टूंडला जंक्शन से पनकी धाम रेलखंड पर 130 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से ट्रेन संचालन के लिए अत्याधुनिक कवच संस्करण 4.0 प्रणाली का सफलतापूर्वक संचालन शुरू कर दिया है। इस उपलब्धि के साथ उत्तर मध्य रेलवे का कुल 652 रूट किलोमीटर रेल मार्ग अब कवच 4.0 सुरक्षा प्रणाली से लैस हो गया है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह उपलब्धि भारतीय रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह कार्य नरेश पाल सिंह तथा डी. के. सिन्हा के नेतृत्व और मार्गदर्शन में पूरा किया गया। इस परियोजना को प्रोजेक्ट यूनिट टूंडला, प्रयागराज मंडल और मुख्यालय की टीमों के समन्वित प्रयासों से सफल बनाया गया।

कमीशनिंग के दौरान अप दिशा में कानपुर शताब्दी एक्सप्रेस तथा डाउन दिशा में सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस का सफल संचालन किया गया। दोनों ट्रेनों में कर्नैक्स द्वारा विकसित कवच प्रणाली लगाई गई थी।

इस परियोजना के अंतर्गत 207 रूट किलोमीटर रेलखंड को कवच प्रणाली से जोड़ा गया। इसके लिए 22 एस-टीकैस और 17 एलसी-टीकैस स्टेशनों पर स्थायी कवच प्रणाली स्थापित की गई। साथ ही 10 डब्ल्यूएपी-7 विद्युत रेल इंजन सफलतापूर्वक तैयार किए गए, 4600 से अधिक रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान टैग लगाए गए, 17 नए 40 मीटर ऊंचे टावर स्थापित किए गए 48-कोर ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई गई तथा 30 कवच कक्ष विकसित किए गए।

रेलवे ने बताया कि इस प्रणाली की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तकनीकी परीक्षण किए गए। इसके तहत 10 हजार किलोमीटर से अधिक परीक्षण, 190 से अधिक सिग्नल पार, करने से संबंधित सुरक्षा परीक्षण गति नियंत्रण परीक्षण तथा आमने-सामने और पीछे से संभावित टक्कर रोकने संबंधी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए गए। इसके अतिरिक्त वंदे भारत एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस, श्रमशक्ति एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों पर भी इसका सफल परीक्षण किया गया।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार टूंडला? पनकी धाम रेलखंड पर कवच 4.0 प्रणाली की सफल शुरूआत देश के महत्वपूर्ण दिल्ली? हावड़ा रेल मार्ग पर सुरक्षित, आधुनिक और तेज गति रेल संचालन सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है। यह उपलब्धि उत्तर मध्य रेलवे के सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग की तकनीकी दक्षता, नवाचार और रेल सुरक्षा के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण मानी जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

दीपक कुमार सिन्हा ने उत्तर मध्य रेलवे के नए प्रधान मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर के रूप में किया पदभार ग्रहण

प्रयागराज(बिभा)। दीपक कुमार सिन्हा ने उत्तर मध्य रेलवे के नए प्रधान मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर के रूप में किया पदभार ग्रहण। इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ सिग्नल इंजीनियर्स 1992 बैच के वरिष्ठ अधिकारी, दीपक कुमार सिन्हा ने आज आधिकारिक तौर पर प्रधान मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर के रूप में अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। यह पद सतेंद्र कुमार के सेवानिवृत्ति के उपरांत रिक्त हुआ था। इस नियुक्ति से पूर्व, वे प्रयागराज में उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य संकेत इंजीनियर के रूप में कार्यरत थे। श्री सिन्हा ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की है। 1992 की परीक्षा के माध्यम से चयनित श्री सिन्हा रेलवे संचालन, योजना और विशिष्ट निर्माण परियोजनाओं में तीन दशकों से अधिक का विशिष्ट और बहुआयामी अनुभव रखने वाले श्री सिन्हा ने विभिन्न रेलवे जोनों में कई महत्वपूर्ण नेतृत्व पदों पर कार्य किया है। उन्होंने 18 जुलाई, 2023 से 04 सितंबर, 2025 तक उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मण्डल के मण्डल रेल प्रबंधक के रूप में सफलतापूर्वक अपनी सेवाएं दी हैं। झांसी के मण्डल रेल प्रबंधक और मुख्य संकेत इंजीनियर के रूप में अपनी हालिया भूमिकाओं के अलावा, उन्होंने इस जोन में मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (निर्माण), मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (प्लानिंग), मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (प्रोजेक्ट्स), वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (झांसी) और निर्माण व योजना विंग में उप-मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर जैसी कई महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियां निभाई हैं। श्री सिन्हा ने कोर, प्रयागराज में भी अपनी तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान की, जहाँ उन्होंने जुलाई 2012 से जुलाई 2017 तक उप-मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर के रूप में कार्य किया। अपने करियर के शुरूआती दौर में, उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र में सिग्नलिंग और टेलीकॉम नेटवर्क को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने वहां वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (लमडिंग), मण्डल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (तिनसुकिया) और मरियानी व गुवाहाटी में महत्वपूर्ण निर्माण और ओपन-लाइन पदों पर कार्य किया। अपनी उत्कृष्ट प्रशासनिक क्षमता, तकनीकी स्पष्टता और रेलवे बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण के लिए पहचाने जाने वाले श्री सिन्हा के नेतृत्व में उत्तर मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र में चल रहे सुरक्षा सुधारों, उन्नत सिग्नलिंग और डिजिटल दूरसंचार पहलों को और अधिक गति मिलने की उम्मीद है।

पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल द्वारा विद्यासागर स्टेशन के दोनों ओर टिकटिंग सुविधा उपलब्ध

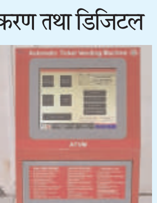

आसनसोल(बिभा): यात्री सुविधाओं के आधुनिकीकरण तथा डिजिटल टिकटिंग अवसंरचना के विस्तार की दिशा में निरंतर प्रयास करते हुए, पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने विद्यासागर रेलवे स्टेशन के उत्तर एवं दक्षिण दोनों ओर टिकटिंग सुविधा उपलब्ध करा दी है। इसके तहत प्लेटफॉर्म संख्या 1 के समीप उत्तर दिशा में एक ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन स्थापित की गई है। यह पहल स्टेशन के किसी भी ओर से आने वाले यात्रियों को अधिक आसान, तेज तथा सुविधाजनक टिकटिंग सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। पूर्व में स्टेशन के उत्तर दिशा से आने वाले यात्रियों को यात्रा प्रारंभ करने से पहले टिकट खरीदने हेतु फुट ओवर ब्रिज पार कर दक्षिण दिशा में स्थित टिकट काउंटर तक जाना पड़ता था। अब उत्तर दिशा में एटीवीएम स्थापित होने के बाद यात्री सीधे उसी ओर से अनारक्षित यात्रा टिकट प्राप्त कर सकेंगे और केवल टिकट खरीदने के लिए फुट ओवर ब्रिज पार करने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे यात्रियों का समय बचेगा, पहुंच सुगम होगी तथा समग्र यात्रा सुविधा में सुधार होगा। विद्यासागर रेलवे स्टेशन जामताड़ा जिले तथा आसपास के ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों के यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण रेल संपर्क केंद्र है। आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग रोजगार, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए रेलवे सेवाओं पर निर्भर हैं। स्टेशन के दोनों ओर टिकटिंग सुविधा उपलब्ध होने से दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों, व्यापारियों, श्रमिकों, किसानों तथा स्थानीय निवासियों को विशेष लाभ मिलेगा और रेलवे सेवाएं अधिक सुलभ एवं यात्री अनुकूल बनेंगी। यात्री उपलब्ध डिजिटल भुगतान विकल्पों के माध्यम से एटीवीएम से आसानी से अनारक्षित यात्रा टिकट खरीद सकते हैं। इससे टिकटिंग प्रक्रिया तेज एवं सरल होगी तथा बुकिंग काउंटरों पर लगने वाली भीड़ और कतारों में कमी आएगी। यह पहल डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देने के साथ-साथ रेलवे द्वारा तकनीक आधारित, कुशल एवं बेहतर यात्री सेवाएं प्रदान करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। पूर्व रेलवे का आसनसोल मंडल अपने अधिकार क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों पर डिजिटल टिकटिंग अवसंरचना का विस्तार करते हुए यात्री सुविधाओं को लगातार सुदृढ़ कर रहा है। इस प्रकार की पहल का उद्देश्य यात्रियों की पहुंच को बेहतर बनाना, प्रतीक्षा समय कम करना, बुकिंग काउंटरों पर भीड़ घटाना तथा यात्रियों को अधिक तेज, सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराना है।

बिरसा मुण्डा विमानपत्तन विस्तारीकरण परियोजना को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

परियोजना से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप पूरा करें:उपायुक्त

बिभा संवाददाता

रांची : जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में बिरसा मुण्डा विमानपत्तन विस्तारीकरण परियोजना से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परियोजना से जुड़े विभिन्न विभागों द्वारा अब तक की कार्य प्रगति तथा आगे की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, सदर कुमार रजत, पुलिस अधीक्षक (नगर) पारस राणा, अपर समाहर्ता, रांची रामनारायण सिंह, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) धनंजय, निदेशक, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, रांची विनोद कुमार, एजीएम (सिविल/लैंड) प्रियंका शर्मा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी के. के. राजहंस, अंचल अधिकारी नामकुम एवं अड़गोड़ा तथा बिजली विभाग के संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने परियोजना से जुड़े सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ लंबित कार्यों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि परियोजना से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि बिरसा मुण्डा विमानपत्तन विस्तारीकरण परियोजना का कार्य बिना किसी अनावश्यक विलंब के आगे बढ़ सके।

परियोजना क्षेत्र में अधिग्रहित भूमि पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा कराए जा रहे सीमांकन एवं निर्माण कार्य के संबंध में भी जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा संबंधित पदाधिकारियों आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

एसआईआर -2026 के तहत फॉर्म वितरण एवं डिजिटाइजेशन कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं :उपायुक्त

बिभा संवाददाता

पलामू : गहन विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) के तहत मतदाता सूची अद्यतन कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्री दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने स्पष्ट कहा कि इन्यूमरेशन (गणना) फॉर्म के वितरण एवं डिजिटाइजेशन कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समयसीमा के अनुरूप कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर संबंधित बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बुधवार को उपायुक्त श्री शेखावत ने अपने कार्यालय कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रक्ष्ऋ 2026 के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में हुसैनाबाद, विश्रामपुर एवं डालटनगंज विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े, जबकि पांकी एवं छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उपायुक्त कार्यालय कक्ष से बैठक में शामिल हुए।

समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने एक-एक कर सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों से इन्यूमरेशन फॉर्म वितरण एवं डिजिटाइजेशन की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने पाया कि फॉर्म वितरण तथा डिजिटाइजेशन दोनों कार्यों की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। इस पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि एक दिन की प्रगति भी चिंताजनक है और इस महत्वपूर्ण निर्वाचन कार्य में इतनी धीमी गति किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उपायुक्त ने कहा कि 30 जून से बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर इन्यूमरेशन फॉर्म वितरण का कार्य प्रारंभ किया गया है। फॉर्म वितरण के बाद उसे डिजिटाइज कर बीएलओ ऐप में अद्यतन किया जाना है। यह निर्वाचन आयोग का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, जिसकी निगरानी राज्य स्तर से लगातार की जा रही है। ऐसे में सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

पूर्व रेलवे ने ईस्टर्न रेलवे इज वॉचिंग यू अभियान शुरू किया : स्वच्छता अभियान का एक नया और सशक्त चरण

बिहान भारत

कोलकाता: पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में लाखों यात्रियों के यात्रा अनुभव को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। ह्लस्वच्छता चैंपियनह्व अभियान के चरण-1 एवं चरण-2 की उल्लेखनीय सफलता के बाद, जिनमें जन-जागरूकता एवं संस्थागत जिम्मेदारी पर विशेष बल दिया गया था, अब पूर्व रेलवे इस मिशन के तीसरे और सबसे प्रभावशाली चरण ह्लईस्टर्न रेलवे इज वॉचिंग यूह्व का शुभारंभ कर रही है। 4 जुलाई, 2026 से पूर्व रेलवे अपने स्टेशन परिसरों में कूड़ा फैलाने एवं थूकने की घटनाओं के विरुद्ध शून्य-सहनशीलता (ैी१ङ्ग ळङ्क'ी१ल्लूी) की नीति अपनाएगी। यह अभियान केवल जागरूकता तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसमें कड़ी निगरानी तथा यात्रियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि रेलवे स्टेशन स्वच्छ एवं सुंदर बने रहें।

पूर्व रेलवे ने अपने स्टेशनों पर उच्च-गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरों का व्यापक नेटवर्क स्थापित किया है तथा उनकी निगरानी के लिए समर्पित कर्मियों की तैनाती की गई है। अब स्टेशन परिसर का प्रत्येक महत्वपूर्ण क्षेत्र निरंतर निगरानी में रहेगा। यदि कोई व्यक्ति कूड़ा फैलाते या थूकते हुए कैमरे में पकड़ा जाता है, तो उसकी पहचान कर उस पर तत्काल जुमार्ना लगाया जाएगा।

इस अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए पूर्व रेलवे यात्रियों को भी अपने स्टेशनों का स्वच्छता प्रहरी बनने का अवसर दे रहा है। यदि कोई यात्री किसी व्यक्ति को कूड़ा फैलाते या थूकते हुए देखता है, तो वह उसकी तस्वीर लेकर निर्धारित मोबाइल नंबर पर भेज सकता है। फोटो प्राप्त होने के बाद पूर्व रेलवे संबंधित व्यक्ति की पहचान कर उसके विरुद्ध जुमार्ने की कार्रवाई करेगा। इसके अतिरिक्त, फोटो भेजने वाले जागरूक यात्री को ह्लकैप्टन क्लीनह्व के रूप में सम्मानित किया जाएगा तथा पूर्व रेलवे द्वारा उन्हें प्रशंसा-पत्र (ऊी१३ॅ१ूं३ी) प्रदान किया जाएगा। यह अभिनव पहल प्रत्येक जिम्मेदार यात्री को सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने के मिशन का सक्रिय भागीदार बनाती है।

इस अभियान का भव्य शुभारंभ 4 जुलाई, 2026 को हावड़ा स्टेशन पर होगा, जहाँ पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर स्वयं इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। यह पूर्व रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता एवं अनुशासन के एक नए युग की शुरूआत का प्रतीक होगा। इस नई पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा। -₹स्वच्छता केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। 'ईस्टर्न रेलवे इज वॉचिंग यू' अभियान के माध्यम से हम निगरानी व्यवस्था और जनभागीदारी के बीच की दूरी को समाप्त कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि हमारे यात्री हमारे साथ मिलकर रेलवे स्टेशनों को स्वच्छ, सुंदर और गरिमामय बनाए रखने में सक्रिय सहयोग देंगे। यदि आप कोई गलत कार्य होते देखें, तो उसकी सूचना दें। आइए, हम सब मिलकर अपने रेलवे स्टेशनों को देश का गौरव बनाएं।₹ पूर्व रेलवे सभी यात्रियों से अपील करती है कि वे सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता एवं पवित्रता बनाए रखने में पूर्ण सहयोग दें, क्योंकि स्वच्छ रेलवे स्टेशन की शुरूआत स्वयं यात्रियों की जिम्मेदारी और सहभागिता से होती है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में दक्षिण पूर्व रेलवे ने कबाड़ निस्तारण से 148.54 करोड़ की रिकॉर्ड आय अर्जित की

बिहान भारत

कोलकाता : दक्षिण पूर्व रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में कबाड़ (स्क्रैप) निस्तारण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ?148.54 करोड़ की रिकॉर्ड आय अर्जित की है। यह किसी भी वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा प्राप्त अब तक की सर्वाधिक स्क्रैप बिक्री है। यह उपलब्धि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 21.24% अधिक तथा चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के आनुपातिक लक्ष्य से 65.04% अधिक है। रेलवे के लिए उल्लेखनीय राजस्व अर्जित करने के साथ-साथ स्क्रैप निस्तारण, रेलवे परिसरों को स्वच्छ बनाए रखने और मूल्यवान परिसंपत्तियों के सर्वोत्तम उपयोग को सुनिश्चित करते हुए भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

यह उल्लेखनीय उपलब्धि महाप्रबंधक, श्री ए. के. जैन के दूरदर्शी नेतृत्व में संभव हुई है। उन्होंने दक्षिण पूर्व रेलवे में अक्टूबर 2026 तक ₹जीरो स्क्रैप मिशन₹ के लक्ष्य पर लगातार विशेष बल दिया है। उनके स्पष्ट मार्गदर्शन और निरंतर निगरानी से सभी विभागों को अनुपयोगी एवं अप्रचलित सामग्रियों की पहचान, सूचीबद्ध करने तथा उनके शीघ्र निस्तारण की प्रक्रिया में तेजी लाने की प्रेरणा मिली है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के पहले तीन महीनों के दौरान दक्षिण पूर्व रेलवे ने 22,398 मीट्रिक टन लौह स्क्रैप, 440 मीट्रिक टन अलौह स्क्रैप, 42 कोच, 306 वैगन तथा 2,963 मीट्रिक टन अन्य विविध निष्प्रयुक्त सामग्री का निस्तारण किया। इस उपलब्धि के साथ दक्षिण पूर्व रेलवे वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में स्क्रैप निस्तारण के क्षेत्र में देश के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले रेलवे जोनों में शामिल हो गया है तथा स्क्रैप बिक्री से प्राप्त राजस्व के आधार पर 18 रेलवे जोनों में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

जीरो स्क्रैप मिशन₹ के लक्ष्य को साकार करने के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे के भंडार (स्टोर्स) विभाग ने विभिन्न विभागों के समन्वय से पूरे जोन में व्यापक सर्वेक्षण एवं विशेष अभियान चलाया है। इसके अंतर्गत रेलखंडों, डिपो, कार्यशालाओं, शेडों तथा अन्य रेलवे प्रतिष्ठानों में वर्षों से संचित स्क्रैप की पहचान कर उसके शीघ्र निस्तारण की कार्रवाई की जा रही है। दक्षिण पूर्व रेलवे का स्टोर्स विभाग इस गति को बनाए रखने तथा स्क्रैप निस्तारण में और अधिक सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे रेलवे परिसर अधिक स्वच्छ होंगे, परिचालन दक्षता में वृद्धि होगी, अवरुद्ध पूंजी का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा तथा रणनीतिक स्क्रैप निस्तारण के माध्यम से भारतीय रेल के राजस्व में प्रत्यक्ष वृद्धि होगी।

अब डीएल बनेगा आपके घर : बानो पहुंचा परिवहन विभाग, सुदूर ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

बिभा संवाददाता

बानो: सिमडेगा जिला परिवहन विभाग की अनोखी पहल के तहत मंगलवार को बानो प्रखंड मुख्यालय में विशेष ड्राइविंग लाइसेंस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) संजय कुमार बखला के नेतृत्व में विभाग की टीम ने सुदूरवर्ती क्षेत्रों के लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया।

इस अभियान का उद्देश्य उन ग्रामीणों को राहत पहुंचाना है, जिन्हें ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए सिमडेगा जिला मुख्यालय तक जाना पड़ता था। अब परिवहन विभाग स्वयं गांवों और प्रखंडों तक पहुंचकर लोगों को उनके घर के नजदीक ही यह सुविधा उपलब्ध करा रहा है। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने आवेदन कर इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं।

डीटीओ संजय कुमार बखला ने बताया कि डीसी सिमडेगा के निर्देशन में परिवहन विभाग जिले के दूरदराज इलाकों में विशेष अभियान चलाकर ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के साथ सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी भी दे रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को वैध ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना चाहिए और यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित वाहन चलाना चाहिए। शिविर में मौजूद लोगों ने परिवहन विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे समय, पैसा और परेशानी–तीनों की बचत हो रही है। विभाग की इस पहल से ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com